

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 34]

नई दिल्ली, शनिबार, अगस्त 23, 1980 (भाव्रपद 1, 1902)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 23, 1980 (BHADRA 1, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥ - खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जुलाई 1980

मं० ए० 32016/4/80 प्रणा० II—सिन्व, संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा इस कार्यालय के स्थायी सम्पदा पर्यवेक्षक श्री धार० पी० सिंह को 15-7-1980 से तीन मास की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेणों तक, जो भी पत्रले हो, ६० 650-30 740-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सम्पदा प्रबन्धक तथा बैठक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन, ग्रवर सचित्र, कृते सचिव नई दिल्ली-110011, दिनांक जुलाई 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रणा० --रक्षा मंत्रालय
नई दिल्ली में भतपूर्व रक्षा राज्य मंत्री के ग्रतिरिक्त निजी
सचिव के पद से प्रत्याविति होने के कारण संघ लोक सेवा
ग्रायोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से०
का ग्रेड ग) तथा ग्रेड 'ग' स्टेनोग्रापर के घयन ग्रेड में स्थाना-पन्न रूप से कार्यरत श्री पो० पी० सिक्का को, राष्ट्रपति,
द्वारा 5-7-1980 से 27-9-1980 तक की ग्रवधि के लिए, ग्रथवा
ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग मे वरिष्ठ
वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर
पूर्णत: ग्रस्थायी ग्रीर तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए
नियकत किया जाता है।

दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० ए० 19014/9/80 प्रशा०-I—ऊर्जा मंत्रालय, सिंचाई ग्रीर विद्युत संवर्ग के स्थायी श्रनुभाग धिकारी

श्री करम चन्द की राष्ट्रपति द्वारा 4 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 38013/9/79 प्रणासन III—संघ लोक सेवा आयोग के स्थायी सहायक तथा अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न हप से कार्यरत श्री एस० श्रार० खन्ना को राष्ट्रपित द्वारा कार्मिक तथा प्रणासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 33/12/73 स्था० (क), दिनांक 24-11-1978 की शर्तों के अनुसार 31-7-80 के अपराह्म से वार्द्धक्य निवर्तन आयु हो जाने के कारण सरकारी सेवा से निवृक्ति की सहर्ष असुमित प्रदान की गईहै।

एस० बा<mark>साभन्द्रन,</mark> उप सचिव

गृह मेल्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 22012/1/80 प्रशासन-5-श्री एम० पी० सिंह, उप-विधि सलाहकार, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं, प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 30-6-1980 के अपराह्न से राष्ट्रीय वस्त्र निगम को सीपी जाती है।

दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० ए०-35018/15/79 प्रशासन-1—पुलिस उप महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा श्री बीरेश्वर गांगुली, पुलिस उप-निरीक्षक, कलकत्ता को दिनांक 16 जून, 1980 के पूर्वाह्म से अगले आवेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में श्रस्थायी रूप से प्रतिनियुवित पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-35018/15/79 प्रशासन-I—पुलिस उप महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा , श्री समर कान्ति नौधरी पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 11 जून, 1980 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की सामान्य प्रपराध स्कंध, कलकता शाखा में श्रस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 ग्रगस्त 1980

सं० ए०-19021/7/75 प्रशासन-5—श्री बी० पी० साहा, भारतीय पुलिस सेवा (1963 उड़ीसा) ने दिनांक 23-7-80 के पूर्वाह्म में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण अपूरो, सी० ग्राईं पूर्व (1), नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को सीप दी गई हैं।

सं ए०-19036/ /80 प्रशासन-5--निदेशक, केन्द्रीय अन्देषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से निम्नलिखित निरीक्षकों को उनके नाम के सामने निर्दिष्ट तिथि से अगले आवेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में तदर्थ आधार पर पुलिस उप अधीक्षक के रूप में प्रोन्नल करते हैं:--

	····
नाम	प्रोन्नति की तिथि
सर्वे श्री :	
पी० एस० द्विवेदी	18-6-1980 (पूर्वाह्म)
एम० पण्डीराजन	30-6-1980 (ग्रपराह्न)
विवस पी० थामस	30-6-1980 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-19036/ /80 प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय, अन्त्रेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विभेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से निम्नलिखित प्रतिनियुक्त निरीक्षकों को खनके नाम के सामने निर्दिष्ट तिथि से अगले आदेण नक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं:—

मा म	नियुक्ति की तिथि
सर्वेश्री :	
 एम० एल० नरसिहामूर्तिः 	5-6-80 (ग्रपराह्न)
2. एम० ग्रार० दानी	16-6-80 (भ्रपराह्न)
 काली दास चक्रवर्ती 	27-6-80 (ग्रपराह्न)
	की० ला० ग्रोबर,
प्रशा	सनिक प्रधिकारी (स्था०)

नई दिस्ली-110001, दिनांक जुलाई 1980

सं श्रो बो वि 1467/80-स्थापना—राष्ट्रपति, निम्नलिखित को अस्थाई रूप से आगामी आदेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजार्च पुलिस बल में जी वही बो श्रो वे ग्रेड II (डी व्यास पी व्यास कम्पनी कमान्डर) के पद पर खाक्टरी परीक्षा में ठीक पाये जाने की शर्त पर, जनके सामने दिखाई गई तिथि से नियुक्त करते हैं:—

١,	<u>ड</u> ा०	चम्द्राभाल	19-6-80 (पूर्वाह्म)
2.	डा०	भुरेन्द्र पाल	4-7-80 (पूर्वाह्न)
3.	डा०	सुरेन्द्र कुमार	5-7-80 (पूर्वाह्म)
4.	डा०	पी० चैला पिल्लै	11-7-80 (पूर्वाङ्क्र)
5.	डा०	(श्रीमती) ज्योत्स्नामाई न	ायक 12-7-80 (पूर्वा ह्न)
6.	डा ०	कोन्द्रा केसाय	14-7-80 (पूर्वाह्न)
7.	डा०	के० नरसिमहाराव	17-7-80 (पृष्ठिह्ह)
8.	डा०	योगेन्द्र मित्तल	19-7-80 (पूर्विह्न)
9.	ত্তাত	दिलीप पराते	22-7-80 (पूर्वाह्न)
			के० झार० के० प्रसाद,

सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केम्द्रीय श्रीक्षोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 जुलाई 1980

मं ० ई०-38013/3/9/80 कार्मिक—कसकत्ता को स्थानान्त-रित होने पर श्री एस० के० ताह ने 17 जून, 1980 के पूर्वाक्क से के० औ० सु० व० यूनिट एफ० बी० पी० फरक्का के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया ।

संर्व्ह०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मद्रास सेस्थानान्तरित होने पर श्री सी० एल० वरदाराजा ने 30-6-80 के पूर्वाह्म में के० श्रौ० सु० व० यूनिट, बी० श्राई० एल०, भिलाई के सहायक कमांडेंट के पदका कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80 कार्मिक—बड़ौदा से स्थानान्त-रित होने पर श्री एस के० श्ररोड़ा ने 11 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80 कार्मिक--देवास से स्थानान्त-रित होने पर श्री कें सी० गूमला ने 5 जुलाई, 1980 के ग्रपराह्म से कें भौ० मु० ब०/ उ० व प० क्षेत्र नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक—मंगलौर को स्था-नान्तरित होने पर श्री टी० पी० बालाकृष्णनन् नाम्बियार ने 30 जून, 1980 के श्रपराह्म से के० श्रौ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(2)/1/80-कार्मिक—फरक्का से स्थानान्त-रित होने पर श्री एस० कें० चटर्जी भा० पु० सें० (एम० टी०-69) ने 30 जून, 1980 के धपराह्म से के० ग्रां० सु० ब० यूनिट एच० एफ० सी० दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया । सं० ई-016015(6)/1/80-कार्मिक--म्राई० टी० म्राई० रायबरेली को प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० कोहली ने 10 जुलाई, 1980 के प्रपराह्म से के० भ्री० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के सहायक कमांडेंट (भर्ती) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० ई०-38013(3)/9/80-कार्मिक— बम्बई से स्थानान्त-रित होने पर श्री ए० एस० भट्टी ने 3 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से के० भ्रौ० मु० ब० यूनिट बी० श्राई० एल० भिलाई के सहायक कर्मांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013 (3)/9/80-कार्मिक-नई दिल्ली में स्थानान्तरित होने पर श्री एच० बी० चतुर्वेदी ने दिनांक 27 जून 1980 के प्रमराह्म से के० श्री० सु० ब० सूनिट बी० श्राई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महानिरीक्षक, के० श्री० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जुलाई 1980

शुद्धि पन्न

सं० 11/15/80प्रशा०-I—इस कार्यालय के तारीख 17-6-1980 की समसंख्यक ग्रिधसूचना में श्री एच० जे० सि**द्धा**लिंगप्या के नाम के स्थान पर श्री एच० टी० सिद्धालिंगप्या पढ़ा जाए ।

कें सी० सेठ, उप निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंक्रक - महालेखापरीक्षक का कार्यालय,

नई दिल्ली-110002, दिनांक जुलाई 80

सं० 28/वा०ल०प०/25-80— अपर-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियाः (वाणिज्यिक) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और आदेण दिए जाने तक अत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीकों से एसी रूप में तैनात करते हैं।

क० ग्रनुभाग ग्रधिकारी सं० (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदीन्नति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद ले खापरी क्षा ग्राधकारी (घा०) रूप में सैनात किए गए	ले०प० (वा)के रूप में तैनाती की तारीख
1 2	3	4	5
1. सर्वेश्वी ए० जे० पंजाबी	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक बा०ले०प० (पश्चिमी क्षेत्र) वम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन , निदेशक वा०० प० (पश्चिमी क्षेत्र) बम्बई	6-3-80

1 2	3	4	5
2. बी० एन० पाल	महालेखाकार-II, पश्चिम बंगाल कलकत्ता	निवेशक , घा० ले० प० कलकत्ता	12-3-80
3. जी०एन०मूर्ति	महाले खाकार , उड़ीसा	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	14-3-80 अपराह्म
4. एन०एन० शर्मा	महालेखाकार, हरियाणा,चड़ीगढ़	महालेखाकार, हरियाणा चड़ीगढ़	31-3-80
 गिरिराज गरण गमी 	महालेखाकार- <u>I</u> I, मध्य प्रदेश	महालेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर	10-4-80
6. ए० नारायणन	महालेखाकार-II तमिल-नाडु	महालेखाकार उड़ीसा भुवनेश्वर	3-4-80
7 गुरुचरण सिंह बिम्बरा	महालेखाकार, पंजाब	म हालेखा कार, ग्रसम श्रादि णिलाग	8-4-80
8. के० सी० ग्रानन्दाराव	नियंत्रक-महालेखाकार परीक्षक का कार्यालय न ई दिल्ली	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	10-4-80
9. लक्ष्मण बल्लभ शर्मा	महालेखाकार राजस्थान जयपुर	निदेशक, घा०ले०प० (कोयला) कलकत्ता	27-3-80
10. के० सी० सक्सेना	महालेखाका र -II उत्तर-प्रदेश, लखनऊ	निदेशक, वा०लें०प० रांघी	10-4-80
11. लक्ष्मी सिंह	निदेशक, ल०ले०प०रांची	–वहीं⊸	18-3-80
12 के० विजयारामानुजम	महा लेखा कार-∏, तमिलनाडु मद्रास	निषेणक , बा०ले० प० (बै०व बा०वि०) बम्बई	£ 26-6-80
13. वी०म्रन्दियापन मिल्ले	महालेखाकार केरल	निवेशक,वा०ले०प० रांची	31-3-80
14. वी० गणेशन	—–वही 	—-वही— -	31-3-80

एम० एस० ग्रोवर उप निदेशक (वाणिज्यक

महालेखाकार महाराष्ट्र-I का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० प्रशासन-I/सामान्य आएडी/3/खण्ड-III/सी-I/1/5— महालेखाकार महाराष्ट्र-I बम्बई, श्री डब्ल्यू० वाय्० भगत, श्रनुभाग ग्रधिकारी (श्राडीट और एकाउन्टस) की दिनांक 14 जुलाई, 1980 पूर्वाह्न से प्रपने कार्यालय में श्रागे श्रादेण होने सक लखा ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० घ्रार० मुखर्जी, वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार उत्तर प्रदेश का कायलिय इलाहाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० प्रशा०-I/सी-7ए-105/2207---केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के सह नियम (1) के श्रधीन श्रधोहस्ताक्षरी ने श्री अकोलुर रहमान, लिपिक (व्यक्तिगत संख्या 05/5835) को इस कार्यालय के ज्ञाप० सं० प्रशासन प्रथम/सी०-7ए-105/1103, दिनांक 30 मई, 1980 द्वारा नोटिस दीथी, जिसके श्रनुसार नोटिस प्राप्त होने की तिथि से एक मास की श्रवधि में उनकी सेवाएं समाप्त हो जायेंगी। उपर्युक्त नोटिस रिजस्ट इं डाक में भेजी गई श्री जो इस कार्यालय में वापस श्रा गयी।

श्रधोहस्साक्षरी इस विज्ञप्ति द्वारा यह नोटिस देता है कि कथित श्री श्रकीलुर रहमान की सेवायें राजपक्ष में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन तिथि से एक माम की भ्रवधि के उपरान्त समाप्त हो जायेगी ।

> एस० जे० एस० स्राहल्**वालिया** वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० स्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा, ग्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकसा-69, दिनांक 23 जुलाई 1980

सं० 14/80/ए/ई-I (एन्० जी०) — महानिदेशक, श्रार्डनेंस फैस्टरियां महोदय, श्री लेवांग कामजाखुप की दिनांक 20-6-80 (पूर्वाह्म) से श्रो० ई० एफ० ग्रुप मुख्यालय, कानपुर में महायक स्टाफ श्रफसर (वर्ग "ख" राजपिति) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 जुलाई 1980

मं ० 15/80/ए/ई-I (एन्० जी०) — महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां महोदय, श्री मोहित कुमार सेन गुष्त, सहायक स्टाफ श्रफसर (तवर्थ) को वर्तमान रिक्सि में स्थानापन्त सहायक सबायक स्टाफ भ्रफसर के पद पर वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए दिनांक 1-7-1980 से श्रागामी श्रादेश न होने तक प्रोस्नेत करते हैं।

श्री सेन गुप्त दिनांक 1-7-80 से दो वर्ष तक, परखावधि पर रहगे ।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 16/80/ए/ई-1 (एन० जी०) — महा निदेशक, ब्रार्डनेन्स फैंक्टरियां महोदय, श्री प्रतुल चन्द्र चट्टोपाध्याय, श्रस्थायी सहायक को दिनांक 25-7-80 मे वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, स्थानापन्न सहायक स्टाफ ग्रफसर (वर्ग ख' राजपित्रत) के पद पर, श्रागामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री चट्टोपाध्याय दिनांक 25-7-80 से दो वर्ष तक परखा-म्रविध पर रहेंगे।

> डी० पी० चकवर्ती, ए०डी० जी० ग्रो० एफ० (प्रशासन) कृते महानिदेशक, ग्रार्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ई० एस० टी०-1-2 (494)/2211—मांचिलक वस्त्र म्रायुक्त कार्यालय, कोइम्बतूर के उप-निदेशक श्री म्रार० सुक्रमण्यन् निवृत्ति की म्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 भ्रमेल, 1980 के म्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गये।

> एम० सी० सुवर्णा, वस्त्र स्रायुक्त

उपाग मंत्रालय

(श्रौद्योगिक विकास विभाग)

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० ए०-19018/321/77-प्रणासन (राजपन्नित)—-इस कार्यालय की समसंख्यक श्रिधिसूचना दिनांक 26 जून, 1980 का श्रितिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति जी, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, बम्बई के श्री एस० एस० भोसरेकर का दिनांक 10 श्रिप्रैल, 1980 (श्रपराह्म) से उप निदेशक (धात्कर्म) के पद से त्यागपत्न स्वीकार करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त, उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनौंक 28 जुलाई 1980

सं० ६०-11(7)--इस विभाग की दिनांक 11 जुलाई 1969 की ग्रिधिसूचना सं० ६०-11(7) में वर्ग 2 "नाइट्रेट मिश्रण" के ग्रधीन निम्नलिखित जोड़ा जाये ग्रर्थात् "टोडब्लास्ट" प्रविशिष्ट के पश्चात् "टाबेक्स-100 तथा टोवेक्स-200" जोड़ा जाये।

सं० ई०-11(7)--इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई-1969 के ग्रिधिसूचना सं० ई०-11(7) में;

श्रेणी-2 नाइट्रेट मिश्रण के ब्रधीन

- (i) प्रविष्टि "मोनोधन्स" में "1980" संको के स्थान पर "1981" श्रंक प्रतिस्थापित किये जायेगें।
- (ii) प्रविद्धिः पी ई-1-ए ई" में "1980" अंकों के स्थान पर "1981" अंक प्रतिस्थापित किये जायेगें तथा
- (iii) प्रविष्टि "पुलवेरेक्स" में "1980" श्रंकों के स्थान पर "1981" श्रंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत लाल, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-7000 १६, दिनांक जून 1980

मं० 5305-बी/ए०-1902(4-एस० सी० डी०)/78-19बी --श्री एस० मी० विवान ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ज़िलर के पद से इस्तीफा देकर 21 जुलाई 1979 के पूर्वाह्म से कार्यभार त्याग दिया है।

> बी० एस० क्रुष्णस्वामी, महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 1980. सं0 5317बी/ए०-19012(4- ग्रार० एस०)/78-19बी----खनिज सनन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लो-रेगन कार्पोरेगन लि०) में स्थाई रूप से नियुवित हो जाने पर श्री रणबीर सिंह ड्रिलर ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की मेवाग्रों से 1-10-1977 (पूर्वाह्म) से ग्रपना पद त्याग दिया है।

दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 5613बी/50/66/19बी——खनिज समन्वेषण निगम (मिनरल एक्सप्लोरेशन कापोरेशन लि०) से प्रत्या-वर्तन के उपरान्त श्री के० एस० सुख्वा राव ने शिफ्ट बास के पद का कार्यभार उसीक्षमता में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 24-3-1980 के पूर्वीह्म से सम्भाल लिया है।

दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 5681बी/ए०-19012(1-एम० पी० एस०)/78-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री एम० पी० शर्मा ने उसी विभाग के उपरोक्त सहायक भूवैज्ञानिक के पद से 20 मार्च, 1980 के श्रपराह्म से त्याग-पत्न दे दिया है।

सं० 5694वी/ए-19012 (3 एस० के० एस०)/78-19वी-कृद्रेमुख लौह-धातु कम्पनी लिमिटेड (कृद्रेमुख श्राईरेन श्रोर कम्पनी लि०) में स्थायी रूप से नियुक्ति हो जाने पर श्री एस० के० सन्याल ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक रसायनज्ञके पद से 8-11-78 के पूर्वाह्म से इस्तीफा दे दिया है।

सं० 5703बी/ए०-19012 (मुख्य अर्दिस्ट)/80-19ए --भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के आर्दिस्ट श्री आर० एम० भट्टाचार्यको मुख्य आर्दिस्ट के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 8-5-80 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी महानिदेशक]

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकता-16 दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 4-172/60/ईस्टे०—निदेशक भारतीय मानविकान सर्वेक्षण श्री एस० के० चक्रवर्ती कार्यालय ग्रधीक्षक को उत्तर पूर्वी कोन्न शिलांग में कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में 22 जुलाई 1980 से नियुक्त करते हैं।

> सी० टी० थोमस वरिष्ठ प्रशासनिक श्रिधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 25 जुलाई 1980

सं० सी०-5639/724-एस० ग्रो० एस०(ए०)--श्री विश्वम्भर सिंहः भंडार सहायक (सिले० ग्रेड) दिनांक 30-5-80 (पूर्वीह्न) से श्रनुसंधान एवं विकास निदेशालयः भारतीय सर्वेक्षण विभागः हैदराबाद में सहायक भंडार श्रिधकारी (सा० सी० सेवा ग्रुप ''बीर') के पद पर 550-25-750-द रो०-30 900 रु० के वेतनामान में तदर्थ भाधार पर स्थानापक रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

के०एल०खोसला मेजर जरनल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

देहरादून, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ई० 1-5645/पी० एफ० (बी० एल० शर्मा)— भारत के महासर्वेक्षक: श्री बी० एल० शर्मा भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून जो पार्टी सं० 70 (फारेस्ट) (उ० स०) में ग्रिधिकारी सर्वेक्ष क के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे को सेवा काल की अविधि समाप्त होने पर दिनांक 31 मई 1980 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सहर्ष निवृक्ष करते हैं।

> इकबाल सिद्दिकी मेजर इंजीनियर्स सहायक महा सर्वेक्षक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1980

सं० 3/39/67-एस० दो: महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० बी० श्रोजारकर, लेखाकार, श्राकाशवाणी, जलगांव को 14-4-80 (पूर्वाह्म) से 5-5-80 (पूर्वाह्म) तक तदर्थं आधार पर प्रशासनिक अधिकारी, आकशवाणी, जलगांव के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 जुलाई, 1980

सं० 29/6/76 एस०-दो—महानिवेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वाराश्री एस० डी० भोंसले, फार्म रेडियो रिपोर्टर, श्राकाश-वाणी, पणजी को 4-3-80 (पूर्वाह्म) से फार्म रेडियो श्रिधकारी श्राकाशवाणी, पणजी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/2/80-एस०-दो---महानिदेणक श्राकाणवाणी, एतदद्वारा श्री ए० एन० देशमुख, फार्म रेडियो रिपोर्टर, श्राकाण-वाणी, नागपुर को 9-6-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो श्रिध-कारी श्राकाणवाणी, नागपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 29/3/80-एस०-दो—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतव्दारा श्री एस० पी० महाजन, फार्म रेडियो रिपोर्टर, श्राकाशवाणी, परभणी को 7-6-80 (पूर्वाह्न) से फार्म रेडियो प्रधिकारी, आकाशवाणी, परभणी के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

मं० 29/4/80-एस०-दो-महानिदेशक, भ्राकाशवाणी, एसब्द्वारा श्री बी० के० शक्ल, फार्मरेडियो रिपोर्टर, श्रकाणा-वाणी, भागलपुर, को 4-3-80 (पूर्वाह्न) से फार्मरेडिया रिपोर्टर ग्राकाशवाणी, भागलपुर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 6(21)/61-एस० एक—निवर्तन की श्रायु प्राप्त होने पर श्री एस० बी० मुखर्जी ने 30 जून, 1980 (श्रपराह्म) से भाकाणवाणी, कलकत्ता में कार्यक्रम निष्पादक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

> एच० सी० जयाल प्रशासन उपनिदेशक फूते महानिदेशक

सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रगस्त 1980

सं० ए० 12025/2/80-स्थापना—विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशक श्री गौरी शंकर मिला को सीनियर श्रार्टिस्ट के पद पर श्रस्थायी रूप से 30 जुलाई 1980 से श्रगल श्रावेश तक नियुक्त करते हैं।

> जनक राज लिखी उप निदेणक (प्र०) इतिविज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नर्ड दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० ए० 12025/21/79(जे० भ्राई०पी०)/प्रणासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में तकनीकी सहायक डा० ए० बालासुब्राह्मनियन को 12 जून, 1980 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक उसी संस्थान में सहायक बायोकेमिस्ट के पद पर स्थानापन्न श्राधार पर नियुक्त किया है।

जा ए वालासुद्राह्मियन की जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में सहायक बायोकेमिस्ट केपद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री पी रंगानाथन का 12 जून, 1980 पूर्वाह्म से उसी संस्थान में तकनीकी सहायक के पद पर प्रत्यावर्तन हो गया है।

विनांक 1 ग्रगस्स 1980

> शाम लाल कुठियाला उप निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय और भडांर निदशालय

बम्बई-400001, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 23/6/77-इस्ट/12645 — निदेशक, ऋय एवं भंडार निवेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी पी० तिल्लू को श्रवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निवेशालय के श्रस्थायी अण्डरी श्री एम० भो० जाकोब को स्थानापभ रूप से सहायक भंडारी श्रीधकारी के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-व० रो०-35-1000 व० रो०-40-1200 के वेतन ऋम में विनांक 19-5-80 (पूर्वाह्न) से 28-6-80 श्रपराह्न तक तदर्थ रूप से उसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी०वी० गोपालकृष्णन् सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र आदेश

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1979

मं० ना० ई० स०/का० प्र० 5/प्रनु०/1288/वि० प० सं० /2019—1. जब श्री कादर शरीफ नाभिकीय ईंश्वन सम्मिश्च में ट्रेडमैन 'प्रा' के पद पर कार्य कर रहे थे, उन्होंने दिनांक 4-7-1979 से 7-8-1979 पर्यन्त धवकाश देने के लिए आयेदन किया, तथा उन्हें इसकी स्वीङ्ति प्रदान की गयी;

- 2. ग्रीर जब कि उक्त श्री कादर गरीफ ने ग्रवकाण की समाप्ति पर दिनांक 8-8-1979 को ग्रपना कार्यभार नहीं सम्भाला किन्तु ग्रनधिकृत रूप से ग्रनुपस्थित रहे तथा दिनांक 10-8-1979 को निजी कार्य के ग्राधार पर दिनांक 8-8-1979 से 7-9-1979 पर्यन्त ग्रवकाण वृद्धि के लिये एक ग्रावेदन प्रस्तुत किया;
- 3. श्रीर जब कि सक्षम प्राधिकार ने निर्णय किया कि श्री कादर भरीफ से तत्काल काम पर लौटने के लिये कहा जाय सबा ज्ञापन सं० का० प्र० 4 का० 5/वि० प० सं० 2254,

दिनांक 22-8-1979 को भेजकर श्री कादर शरीफ से काम पर तुरक्त औटने के लिये, जो किसी भी स्थिति में दिनांक 31-8-1979 के पश्चात् न हो, नहीं कहा गया ;

- 4. श्रोर जब कि उपर्युक्त शापन मं० का० प्र० 4/का० 5/ वि० प० सं०/2254, दिनांक 22-8-1979 को उनके श्रंतिम शास पतों श्रर्यात्:
- (1) निवास सं० 17-4-187 (2) निवास सं० 17-6-663, याकूतपुरा, जांबगट्टा, खबीरपुर बल्ला बाजार, हैदराबाद हैदराबाद-500023। 500023।

पर पावती सह पंजीकृत जाक द्वारा प्रेषित की गई थी, जो बिना बितरित किये हुए निम्न लिखित ग्रिभिव्यक्तियों के साथ वापस की गई। जो लिफाफा निवास सं० 17-6-663, डबीर-पुरा, हैदराबाद 500023, के पते पर भेजा गया था, उस पर "क्यक्ति चला गया है, सात दिन जाने पर भी नहीं मिला, ग्रतः प्रेषक को वापस किया जाता है" लिखा था;

और

जो लिफाफा निवास सं० 17-4-187, याकुसपुरा, जांदंगट्टा, बह्ला बाजार, हैदराबाद 500023, के पते पर भेजा गया था, उस पर लिखा था "इस घर में ऐसा कोई श्रादमी नहीं रहता है";

- 5. ग्रीर जब कि उक्त श्री कादर गरीफ निरंतर ग्रनु-पस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को ग्रंपना ग्रता पता बताने में ग्रसमर्थ रहे;
- झौर जब कि उक्त श्री कादर गरीफ स्वेच्छा से सेवा त्यागने के दोषी रहे हैं;
- 7. और जब कि नाभिकीय ईंधन मिमिश्र को अपना वर्तमान श्रता पता सूचित किये बिना ही उनके सेवा त्यागने के कारण अधोहस्ताक्षरी मंतुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सिम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के श्रनुच्छेद 41 श्रौर या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरन, नियंत्रण व श्रपील) नियम 1965 के नियम 14 के श्रनुसार जांध करना युक्तियुक्त व व्यावहारिक नहीं है;
- 8. श्रीर अब श्रधोहस्ताक्षरी नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेणों के श्रन् च्छेद 42 जिन्हें परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं 0 22(1)/68-प्र0 दिनांक 3-12-1970 श्रीर /या केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण व श्रपील) नियम 1965 के नियम 19(11) के साथ संयोजित करते हुए व इनमें प्रदक्त श्रधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्द्वारा श्री कारद शरीफ को सेवाश्रों से तुरन्त प्रभाव से हटा देने का श्रादेण देते हैं।

(एन० कोडलराव) मु**क्य कार्य**पालक (1) श्री कादर गरीफ (2) श्री कादर गरीफ निवास सं० 17/4/187, निवास सं० 17/6/663, याकृतपुरा, जांदगट्टा, इबीरा पुरा, बल्ला बाजार, हैदराबाद - 500023 हैदराबाद-500023

भारी पानी परियोजना

बम्बई-40008, दिनांक 29 जुलाई 1980

मं० 05052/80/3321—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य ग्रिधिकारी शमसुज्जमान खान, श्रस्थायी वैज्ञानिक ग्रिधिकारी (सी) भारी पानी परियोजना (तलघर) को उसी परियोजना में एक फरवरी पूर्वाह्न, 1980 से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानायन वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस०बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80 3322~~भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारां श्रो पूरनमल जंगिर, श्रस्थायो वैज्ञानिक सहायक (बो) भारो पानो परियोजना (बडोदरा) को उसो परियोजना में एक फरवरी 1980 (पूर्वाक्ष) से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभियन्ता (ग्रेड एस० को०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/80/3323--भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-अधिकारी श्री कृष्णकुमार भगवानजी लुहार, श्रस्थायी वैशानिक सहायक (बी) भारी पानी परियोजना (बड़ोदरा) को उसी परियोजना में एक फरवरी 1980 (पूर्वाक्ष) से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैशानिक अधिकारी अभियन्ता(ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1680

सं० 05052/80/3362--भारा पानो परियोजना के विशेष कार्य प्रधिकारों, राजस्थान परमाणु बिजलों परियोजना के श्री भजनसिंह, ग्रार्थस्थायों वैज्ञानिक सहायक 'को' जो भारों पानों परियोजना (कोटा) में स्थानापक्ष सहायक वैज्ञानिक 'सा' है, को भारों पाना परियोजना (कोटा) में 1 फरवरों, 1980 (पूर्वाह्म) से ग्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रांधकारा/ग्राभियन्ता (ग्रेड एस० बा०) नियुक्त करते हैं।

श्रार० सा० <mark>कोटिश्रन</mark>कर, प्रशासन श्रधिकारी

(परमाणुखनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 29 जुलाई 1980

सं० प० खा० प्र०-1/38/78-प्रशासन—-परमाणु ऊर्जा विमाग के परमाणु खनिंग प्रभाग के निदेणक एतद्दारा श्रीमतो सिवता रोड्नगो को परमाणु खिनत प्रभाग में 28 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्म से लेकर अगले आदेश होने तक वैज्ञानिक श्रिधिकारों/अभियन्ता ग्रेड एम० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग

ऋय प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 19 जून 1980

सं० 10/3(15)/80-कय—निदेशक, क्रय प्रभाग, श्रन्तरिक्ष विभाग श्रोः जार्ज जोतेक को श्रन्तरिक्ष विभाग के क्रय प्रभाग में सहायक क्रय श्रिकारों के पद पर स्यानापन रूप में दिनांक 9 जून, 1980 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> एम०पी० म्रार०पाणिकर, प्रणासन घ्रधिकारी-II कृते निवेशक (क्रय)

बंगलीर-560025, दिनांक 12 जुन 1980

सं० 10/3(68)/75-सीं० ई० डी०(सि० ई० प्र०) (एच०)
---मुख्य अभियन्ता, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, श्रंतरिक्ष विभाग
ने निम्नलिखित अधिकारियों का सेवा से त्यागपत्र उनके नाभों
के आगे दी गयी तारीखों के अपराह्म से, स्वीकार कर लिया
है:---

ऋम सं०	त्याग पत्न के समय नाम तथा पदनाम	विनांक
1.	श्री वी० जी० गौरी शंकर	-
	इंजीनियर "एस० बी०"	23-2-79
2.	श्री द्यार० एस० सेतुरमन	
	इंजीनियर "एस० वी०"	1-5-79

एम० पी० भ्रार० मणिकर, प्रशासन श्रधिकारी-II

पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मंत्रालय महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० ए० 31013/2/78-ई०-1—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो स्रिधिकारियों को नागर विभानन विभाग में उप महानिदेशक के पद पर उनके नामों के सामने दो गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

1. श्री जी० प्रार० कठपालिया . . 3-5-1977

> सहायक निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नगर विमानन

नई दिल्लो, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० ए०-12025/8/76-ई०-1—-राष्ट्रपति ने सर्वश्री आर० चन्ना दुरई श्रीर कुलदोप राग, वरिष्ठ तकनीको सहायकों को नागर विमानन विभाग में दिनांक 28-6-80 से श्रीर श्रन्य श्रादेश होने तक ६० 700-40-900-इ० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में वैशानिक अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न श्राधार पर नियुक्त किया है।

चितरंजन **कुमार वस्स,** सहायक निवेशक, प्रशासन

नई दिल्लीं, दिनां रु 29 जुलाई 1980

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—निवर्तन श्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी नेवासे निवृत्त होने पर वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली संचार नियंत्रक का कार्यालय के श्री श्याम लाल, सहायक संचार श्रीधंकारी ने दिनांक 30-6-80 (श्रपराह्म) से श्रपने पद का कार्य भार त्याग दिया है।

सं० ए० 39012/5/80-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने श्री एस० के० सेठ, संचार ग्रधिकारी वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई एयर पोर्ट का त्याग पत्र दिनांक 6-7-80 (ग्रपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

विनां क 31 जुलाई, 1980

सं० ए० 3101 1/1/79-ई० सी०---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित प्रधिकारियों को दिनांक 28-2-80 से नागर विभानन विभाग में उपनिवेशक/संचार नियंत्रक के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त करने की स्वीकृति दी है।

- 1. श्री एस० मजूमदार
- 2. श्री एस० बलराम
- '3. श्री टी० वैंकटरमन
- 4. श्री एस० सी० मजूमदार
- 5. श्री के० वी० मूर्ति
- 6. श्री भार० एस० गोयला।

ग्रार० एन० दास, सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संघार सेवा

बम्बई, दिनांक 30 जुनाई 1980

सं 1/107-80-स्था० — विदेश संचार सेवा के तहानिदेशक एतद्वारा ग्रहमद उपगृह भू-केन्द्र लच्छोवाला, देहरादून के तकनाकी सहायक श्री एस० एस० गारवर को विशुद्ध तदर्थ ग्राधार पर ग्रह्मकालिक खाली जगहों पर 21-5-79 से 30-6-79 तक ग्रीर 14-1-80 से 23-2-80 तक की ग्रवधियों के लिए उसी केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक ग्राभियंता नियुक्त करते हैं।

सं ्रो/109/80-स्थार निवेश संचार सेवा के महा निवेशक एतव्दारा महमद उपग्रह भू-केन्द्र लच्छीवाला, घेहरादून के तकनीकी सहायक, श्री जी० ग्रार० गोगिग्रा को विशुद्ध तवर्थ श्राधार पर ग्रत्यकालिक खाली जगह पर 14-5-79 से 23-6-79 नक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/112/80-स्था०—विदेश संचार सेत्रा के महा-निदेशक एतक् द्वारा मार्थी णाखा के तकनीकी सहायक श्री भार० दक्तानि को विशुद्ध तदर्थ श्राधार पर उसी शाखा में श्रल्प-कालिक खाले जगह पर 25-2-80 से 5-4-80 तक की श्रवधि के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक श्रभियंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/295/80 स्था०— निवर्तन की आयु के हो जाने पर मुख्य क्रायांलय, बस्वई के परियात लेखा अधिकारी, श्री के० के० स्वामी 31 मार्च, 1980 के अपराह्म से सेवा निवृक्ष हो गए।

> पा कि० गोविस्द नायर निद्धेशक (प्रणा०) इसे महानिदेशक।

यन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 31 जुलाई 1980

सं० 16/362/80 स्थापना I—प्रतिनियुक्ति की श्रवधि की समाप्ती पर श्री के० सी० गोयल, लेखा ऋधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय की सेवायें दिनांक 3 जूम, 1980 के अपराक्ष से महा लेखाकार, राजस्थान, ज्वपुर को पुन: सौंप दी गई है।

> श्रार० एन० महान्ति कुल सचिव,

संगठन ग्रौर प्रयन्ध सेवाएं निदेशालय
(सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुरुक)
नई दिल्ली 8, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० 1/80—-श्री एस० एन० शुक्ला, जो कि कर्मचारी निरीक्षण यूनिट वित्त मंत्रालय, ध्यय विभाग, नई विरुली में क्विच्छ विक्लेषक के पद पर कार्यरत थे, ने दिनोक 14 जुलाई, 1980 (दोषहर पूर्व) संगठन और प्रबन्ध सेवायें निर्वेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पाद गुल्क, नई दिल्ली में कनिष्ठ विक्लेषक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० जै० रामन निर्देशक निरोक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा शुरूक एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक श्रगस्त 1980

सं० 25/80—श्रीपी० के० सेन गुष्ता ने दिनांक 23-6-80 के (अपराक्ष) से निरीक्षन एवं लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन गुरूक, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 5-7-80 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में निरीक्षण प्रधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" का कार्यभार संभाल लिया।

कु:० रेखी निरोक्षण श्रधिकारी

क्रेन्द्रीय छत्पाद शुरुक समाहत्तिलय, मध्यप्रदेश इन्दौर-452001, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 11/1980—संघ लोक सेवा भायोग के प० स० एफ० 1/2/79 भार० डी० दिनांक 28-9-1979 की अनुभंसा स्थापना भादेश सं० 86/80 (प० सं० 11(31) 6-गोप/79 दिनांक 23-6-80) के भ्रनुसार श्री श्रीनारायण श्रीनास्तव में ब्रिनांक 14-7-80 के पूर्वाह्म में ग्रधीक्षक (बस्म ग्रिमांतिकी) समूह 'ख' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, इन्दौर के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं 10/80-- केन्द्रीय उत्पाद गुल्क के श्रधीक्षक समूह 'ख' के पद पर पदोक्षत होने पर श्री जी० सी० सिवई, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क (च० श्रे०) ने केन्द्रीय उत्पाद गुल्क मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में 9 जुलाई 1980 के पूर्वोह्न में श्रधीक्षक (स्वर्ण) के पट पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

> एस० के० धर समाहर्ता

नौवहन ग्रीर परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 30 जुलाई 1980

सं० 1-टी० म्नार०(६)/79--राष्ट्रपति भारतीय नौनहन निगम बम्बई के कप्तान ए० म्नल्मेडा को प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र", बम्बई में तारीख 11-7-1979 (पूर्वाह्न) से म्नागामी श्रादेशों तक तदर्थं म्नाधार पर प्रतिनियुक्ति पर नाटिकल श्रिधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के० एस० सिंघू नौबहन उप महानिदेशक

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर चेसन अठवमसीय प्राइवेट

लिमिटेड के विषय में।

वंगलौर, दिनांक 28 जुखाई 1980

सं० 1416/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चेतन ऊठयम संग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर पालीरस एण्ड केमिकलस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

वंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं॰ 2268/560/80--कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इसं तारीखं से तीन मास के भवसान पर पाजीरस एण्ड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण विशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी थिघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर सन्दीमसर थक्षपौरठंस

प्राइवेद लिमिटेड के विषय में। बंगलौर, दिनांक 28 जुलाई 1980

सं० 3191/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपद्वारों (3) के अनुसरण में एतंद्द्वारी यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवंसान पर सन्दीमसर थकपीरटेंस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारेंगे दिया न किया गया तो रिजस्टर से कार्ट दिया जाएंगा और उसत कम्पनी विकेटित करें वी जाएंगी।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार प्ररूप पाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) है। धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहसक

रोहत्तक, विनोक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/44/79-80—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं,

भौर जिसकी सं० प्लाट तथा बुकान है तथा जो सिविल हस्पताल करनाल के सामने स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख विसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे भन्दरंग के लिए तय गों। गया प्रतिफल, विस्तां गोंपत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी यात्र की बाबत, उक्त धिधनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: मीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1942 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शव, उक्त श्रधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए की खपकारा (1) के सबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- (1) श्री विकास तथा रोमी (नाबालिंग) मार्फत श्री सतपाल गम्भीर, निवासी 276, माडल टाऊन, करनाल

(भ्रन्तरक)

(2) डा० मदन गोपाल विश्वबन्धु, पुत्रश्री माधो प्रशाद निवासी करनाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धी करण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त ग्रीमियम के अध्याय 20क में परिचाषित है, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट तथा दुकान जोकि सिविल हस्पताल करनाल के सामने स्थित है तथा जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5252 तिथि 10-12-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० के० एन० एल०/45/79-80—प्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए॰ से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि रक्बा 453 कनाल 6 मरले है तथा जो ग्राम जुंडला, तहसील करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीत ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किया आय का बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

णतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत भ्यक्तियों. अर्थात्:—

- 1. सर्वश्री (1) बलराज कृष्ण कपूर, निवासी एन 1/15, फ्रेंडस कालोनी, नई देहली
 - (2) बलबीर कृष्ण कपूर निवासी 31 राजपुर रोड, देहली
 - (3) बलजीत कृष्ण कपूर निवासी 244/7, श्रपर पैलेस, बंगलौर।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नारायण सिंह पुत्रश्री कृष्ण सिंह निवासी जुंडला
 - (2) श्री मुकस्द लाल पुत्र श्री लक्ष्मी राम, नियासी जंडला
 - (3) श्री निरमल दास पुत्र श्री मुंशी राम, निवासी जुंडला
 - (4) श्री नथा सिंह पुत्र श्री गंडा सिंह, निवासी जुंडला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गन्दों और पवों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 453 कनाल 6 मरले जोकि ग्राम जुडला तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका ग्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5538 दिनांक 21-12-1979 में दियागया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-8-1980

प्रस्प आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 5 अगस्त 1980

निदेश सं० कें० एन० एल/ 46/ 79-80—स्प्रतः **मुक्षे**, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि रक्बा 78 कनाल 8 मरला है तथा जो गांव जुन्डला तहसील, करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण । कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मुधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जातिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उका अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:-- (1) बोया राम मुख्तयार श्री रभेण चन्द्र, शीतस चन्द्र तथा मीना प्रकाश, शीला पुत्री श्री सी० एन० चावला, निवासी देहली ।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वंश्री प्रेम चन्द जिया लाल, मोहिन्दर पुकान श्री बीरबल तथा बाबू राम, ईश्वर सिंह सेवा राम सरी राम पुत्रश्री फूल सिंह गांव हथलाना, तहसील करनाल।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति भूमि रकबा 78 कनाल 8 मरला जोकि गांव जुन्डला तहसील करनाल में स्थित है तथा जिसका और प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल की रजिस्ट्री कमांक 5622 दिनाक 27-12-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंम रेंज, रोहसक

तारीख: 5-8-1980

मोहरः

प्रक्षय घाई • टी • एस • एस • ⊶---

आयकर अकिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-म (1) के मधीन सूबना

घारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोह्तक

रोहतक, दिनांक 5 ग्रगस्त 1980

निदेश सं० टी० एस० श्रार०/13/79-80--श्रतः मुझे, गो०सि० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनाल 'उन्तर प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मझम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छवित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक दुकान है तथा जो इस्लामाबाद तहसील थानेसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, थानेसर, में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीब जनवरी, 1980

को पूर्वीक्त सम्मिति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और सम्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तअन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है। ——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या घन्य आहिसयों को जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त घितियम, या घन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, अथित्:— (1) श्री वजीर चन्द्र पुत्र श्री किशोरी नाहा इस्लामाबाद निवासी तहसील थानेरर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती कृष्ण। बन्ती पत्नी श्री हरि चरण दास, श्रनाज मण्डी इस्लामाबाद निवासी तहसील थानेसप (श्रन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी शाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की मविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उमन स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूताकारी के पाम हैलिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोक्षरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों ना, जो उक्त ऋधिनियम के प्रक्यांय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा, जो छस धरवाय में किया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति एक धुकान जो कि अनाज मंडी इस्लामाबाद तहसील याने अर में स्थित है तथा जिसका और श्रीधिक विवरण रिजस्ट्री-कर्ना थाने अर के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 4639 दिनांक 24-1-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहाय क स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्राजन रेंज, रोहतक

> > रोहतक, दिनांक 5 ग्रगस्त, 1980

निवेश सं० जे॰ डी॰ भ्रार॰/25/79-80----भ्रतः गो०सि० गौपाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'ज़क्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर पर्नात, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है और जिसकी सं० मफान नं० 84-ए माडलटाउन यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रविकारी के कार्यालय जगायरी में, पूर्वीक्त में रजिस्ट्री एरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, फरवरी, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य में उन्हें ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी प्राप्त की वावत, उक्त प्रधि-नियम के अभीत कर देने के भन्तरक के दायिख्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
 - (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त भिन्नियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों,अर्थात्ः — (1) प्रो दीता नाथ रावल पुत्र श्री गोवी राम रावल मकान नं० 84-ए, माडल कोलोनी, यमुनानगर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री दिनेश कुमार शर्मा पुत्र श्री हरी राम शास्त्री मकान नं० 450 बी बरवालिया गेट जगाधरी (श्रन्सरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, खो उन्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अमुसुची

सम्पत्ति एक मक्रान नं० 84-ए माडल टाउन यमुनानगर में स्थित है तथा जिसका और प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारों के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 5497 तिथि 29-2-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरेंज, रोहतक

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰ अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ब्रार्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

निदेण सं० सी० एच० एन०/2/80-81 —ग्रत: म्झे, गो०सी० गोपान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक ही।

स्रोर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तथा जोग्राम खिजराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रतुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय छिछरौली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 में की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 3—206 GI|80

 श्री सत्पाल मह्ता पुत्र
 श्री चिरंजी लाल मह्ता ग्राम खिजर(बाद, तह्नील जगाधरी)

(श्रन्तरक्)

(2) श्री रतन लाल पुत्रश्री क्लिया राम निवासी ग्राम खिजराबाट, तह्सील जगाधरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

सर्गाल एक दो मंजिता मकान जोकि ग्राम खिजराबाद में स्थित है तथा जिसका और श्रांधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता छिछरौली के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 139 विनाक 26-5-1980 में दर्ज है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-8-1980

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस०---

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 2, कलकत्ता

कलकता-16,दिनांकः 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/19---यत:, मुझे कें सिन्हा बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इपमें इसके पत्रचात् 'उक्त स्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 289-ख के पंचीन सञ्जन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्यति, जिसका रुपये से प्रधिक है मुल्य 25,000/-ग्रीर जिसकी सं० 12/1 है तथा कवितिर्ध मरणी में स्थित है (और इससे उगबद्ध अनुसूची में और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, शलबत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्राधीन, तारीख 23-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुरश्मान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का छिचात बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से, ऐसे वृषयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर पन्तरक (ग्रन्नरकों) भीर ग्रन्तरिसी (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल निस्तनिश्वित उद्देश्य ये उतन प्रस्तरम लिविन में बास्तविक रूप ने कविन नहा किया गरा है:⊸⊸

- (क) चरतरण ते हुई किमी झांग की बाबत उक्त, ऋछि-नियम के अधीत कर देते के सस्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः, अब, उक्त श्रिष्टिनयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रश्निक्षम की धारा 269-व को उपधारा-(1) के ध्रधीन निम्निनिखत व्यक्तियों श्रर्थात :--- (1) श्री ग्रसित कुमार जोष

(भवत रकः)

2. श्री महभ्मद भालम और आवर्ष

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संशंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामोन से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दों का, वो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण—8 काठा 11 छटाक, 18 स्केयर फुट 12/1 कवितीर्थ सरणी कलकत्ता।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, कलकत्ता ।

तारीख: 25-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16,दिनांक 25 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज०-4/कलकत्ता-16--यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं है तथा जो नेता जी सुभाष रोड में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अविकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अवि-नियम 1908 (1908 का 16) के अवीन,

विनोक 30-11-1979

को पूर्शान्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) जन फ उलार (इण्डिया) लि०

(ग्रन्तरकः)

(2) गिलिलार श्ररवतन एण्ड व्यम्पनी लि० (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मं परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

जमीन का परिमाण → 1 विद्या, 10 काठा 6 छटाक 20 स्कोयर फुट 333/309 महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकार, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 25-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. होमस्टेड प्राईवेट लि०

2. श्री चन्द्र चौधरी

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II कलकत्ता-16

कलकत्ता-16: दिनांक 4 श्रगस्त 1980

निर्देण सुरु ए० सी०/रेज-I1/कलकता/19—-यत: के० सिन्हा.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 75 है तथा जो हेम नरकर रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 9-11-79 को पर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपक्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रति-फल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिनाषित है, वहां अर्थ होना जो उस अध्याय में गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण 182.489 स्कोयर मिटर 75, हेम नरकर रोड़ थाना वेलेघाटा दलिल सं० 5822 तारीख 9-11-79 I

> कें सिन्हा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षक) म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

सारीख: 4-7-80

मोहरः

प्रकप आई॰ री॰ एन॰ एत॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2694 (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर मायुक्त (निरोक्तण) म्राजनरोज-II. कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 4 ग्रगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/19---यतः मुझे, के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृक्य 25,900/- व० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 132 है तथा जो संइनपुकुर लेन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिन्तियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्य के वृश्यमान अतिकल के लिये प्रशारत को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवार्शित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का प्रश्रद्ध प्रतिशत अधिक है भीर प्रनारक (प्रश्रदकों) और सम्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त धन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कवित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत खक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे क्यने में मृक्षिण के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिनेथा, कियाने में सुविशा के किए;

ग्रंतः अब, उपत पश्चितियम की धारा 26 क•न के अनुसरण में, में, उपत ग्रंपितियम की धारा 26क•म की उपश्चारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अवीत 1→ (1) श्रीमती टफरल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जावेदा खातुन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई मी मान्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आर से 45 दिन की घविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की सामीस से 30 दिन की घविश्व, जो भी घविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विश्वसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वासे 45 विन के भीतर चक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, भंधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रपृत्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण——6 काठा, 132, सेइनपुक्रर लेन, कलकत्ता, थाना मेटियार्कुन, दलील सं० 5279 तारीख 29-11-79।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 4-8-80

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रम्तसर, दिनांक 30 जून 1980

निर्वेश सं० ए०एस०धार०/80-81/77—यतः मुझे, एम० एल० महाजन धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- ए॰ से

भौर जिसकी सं० हैं जो एक प्रापर्टी फरैंडस कालोनी में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्र प्रतिगत से श्रीक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोब ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नालिखा उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन तर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1942 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, खकत भ्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) श्री ग्रार० पी० सेठी पुत्र कृष्ण दास सेठी निवासी/50/सी फरेंडस कालोनी नई रोड नं० 14 चिहाल कैंडस कालोनी नं० 3 ग्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) शुशीला रानी पत्नी नन्दलाल निवासी 3-फैंडस कालोनी भ्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 और कोई किरायेदार है (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्मानरी जानता है।

(4) यविश्रौरकोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पर्दो का, जो धनत ग्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिल्डिंग (रकबा $416\ 2/3$ स० मीटर) फेंडस कालोनी-3 में जैसा कि लैंड डीड नं० 2214/I दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

दिनांक: 30~6-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर दिनांक 12 जुलाई 1980

निदेश सं० ए०एस०श्रार०/80-81/78—यतः मुझे एम०एल० महाजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० है जो प्रापर्टी नं० 13-ए जेल रोड, अमृतसर में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबद भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निमित्रत व्यक्तियों अभित्ः— (1) श्री बलवन्त कौर पत्नी भोला सिंह जगवीश कौर पत्नी गोपाल सिंह, गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह श्रीतपाल पुत्र सिंह गोपाल सिंह निवासी जेल रोड, अभृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) ऊजजल सिंह पुन्न किशन सिंह नं० 360/367 जी टी रोड, देहली मकान नं० 13-ए के० एच० नं० 96, जेल रोड, प्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई किरायेदार है (वह व्यक्ति, जिसके श्रविभोग में सम्पत्ति है)

(4) यवि भीरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक⁵गे।

स्पट्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 354 स्केयर यार्ड (नं० 13-ए) जेल रोड, पर जैसा कि उपरोक्त डीड नं० 2524/1 दिनांक 13-11-79 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमूतकार /

तारीख: 15-7-1980

प्रमप आई+ टी• एत• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के शकीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 9 जुलार, 1980

निर्देश सं० ए०एस० म्रार०/80-81/79---मतः मुझे एम० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- वपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० जो एक प्लाट सुलतान विड, रोड पर स्थित है (मौर इससे उपाबन मनुसूची में मौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय ममृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन नवस्थर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृष्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उना अन्तरा निखित में वास्तविक कप से अवित नहीं किया गया है:—

- (%) धम्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त धिविनियम, के भन्नीत कर वैने के भन्तरक क दायिश्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किनी धन या अग्य बास्तियों को, जिल्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा अकट नही किया गया या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उप-घारा (1) के अधीम, निय्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री गुरदियाल सिंह, सतनाम सिंह पुत्रान धन्ना सिंह निवासी गांव सुलतान सिंह राही हरबोल सिंह भाई (सुखतार श्राम)

(भ्रन्तरक)

- (2) मैसर्स एस० ब्रार० के० टैक्सटाईल 193-बसन्त एवेन्यू, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 ध्रीर किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अक्षीहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) यदि श्रौर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्राक्तेप:---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबंध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रक्षोत्रहना-बारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उनत श्रीक्षः नियम के श्रीद्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अपर्य होगा, जो उस खड्याय में दिया यसा दै।

मनुसूची

एक प्लाट 2030 स्कयू० मीटर खसरा नं. 558—556 जी० टी० रोड जलन्धर है और 5-6 क० सटोन श्रमृतसर पर स्थित है जैसा कि सेल डीड नं० 4893 दिनांक 26-11-79 रजिस्ट्री कार्यालय श्रमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रापकर स्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 9-7-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 9 जुलाई, 980

निर्देश सं० ए० एस० भ्रार०-80-71/80--यतः मुझे, एन० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के प्रधीन सवाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से प्रधिक है भौर जिसकी सं० एक प्लाट मुलतान विष्टरोड पर है, तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, एस आर प्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रिधीन, तारीख] नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिपात अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से शबित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; छक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयका किसी धनया भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त संखितियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपजारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री करनेल सिंह पुत्र धन्ना सिंह निवासी सुलतान विड तहसील श्रमुतसर ।

(सन्तर्क)

 मैसर्स एस० श्रार० के टैक्सटाइल्म, 193 बसन्त एवेन्यू श्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसे कि ऊपर सं० 2 पर है स्त्रीर फिरायेदार यदि कोई हो (यह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **बा**क्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का. जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय। गया है।

ग्र**नुसूची**]

एक प्लाट 1115 स्क्वेयर मीटर खमरा नं० 559 श्रींग 556 जी० टी० रोड (ओ० टी० मी० कारपेट के पीछे) जालन्धर, 5-6 कि०मी० स्टोन के बीच अमनसर में जमाकि के सेलडीड नं 4894 दिनांक 26-11-79 को रजिस्ट्री श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

. सेक्टर

तारीख: 9-7-1980

मोहर :

4-206 GI/80

प्ररूप आई • टी ॰ एन ॰ एस •---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर कार्यालय
श्रमृतसर, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए एस आर/80-81/81—यत/ मुझे, एम० एल० महाजन,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट गिरीन एवेन्यू में है, तथा जो एस० भ्रार० अमतसर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्त्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिस्नित व्यक्तियों अर्थात:—— 1. चेयरमैन इम्प्रवमेंट दूस्ट ग्रम्तसर

(भ्रन्तरक)

 श्री नन्दन लाल भोटिका पुत्र गौरी शकर श्रार/श्रो० 381-ए ग्रीन एवेन्यू श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि स० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- ग्रौर यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोह-स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब है)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिक्ष्यां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वहो अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 381-ए (1190 स्केयर थार्ड) ग्रीन एवेन्य् ग्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 23151, दिनांक 13-11-79रजिस्ट्री ग्रधिकारो अमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

तकरीख : 10-7-1980

पुरूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 8 जुलाई 1980 निर्देश सं० श्रमृतसर/80-81/82—यतः मुझे, एम० एल० महाजन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्लाट है, जो जेल रोड पर स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० भ्रमृतसर में रिजस्द्रीकरण भ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवस्बर 1979

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निख्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तित्यों अर्थातः—

 श्रीमती बलवन्त कौर विधवा भोला सिंह, जगदीम कौर विधवा गोपाल सिंह श्रौर गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवास जेल रोड, श्रम्तसर।

(ग्रन्तरक)

 श्री कंबरजीत सिंह पुत्र श्री मुरजन सिंह निवासी चौक बाबा साहिब श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० 2 अप्रैर किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. (श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक प्लाट नं० 13-ए खसरा नं० 96 जेल रोड पर अमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2794/दिनांक 9-11-79 रजिस्ट्री श्रिधकार श्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 8-7-1980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० ग्रमृतसर्/80-81/83—-यतः, मुझे, एम० एल० महाजन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है, तथा जो पैरिस टाउन ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनृसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) गुंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जरण चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों अधितः— श्री दर्शन लाल पुत्न करतार चन्द, 2351/20 गली नं० 3, नवां कोट, ग्रमतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय कुमार पुत्न रिचपाल चन्द, जगदीण कुमार विनोद कुमार निवासी 3560/18 पैरिस टाऊन बटाला रोड श्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि नं० 2 में है और कोई किरायेदार (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्क है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक बिल्डिंग प्लाट नं० 492-493 खसरा नं० 492 शौर 493, पैरिस टाऊन में जैसा कि सेल डीड नं० 4547 दिनांक 7-11-79 को रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में वर्ज है।

एम०एल०सहाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 17-7-1980

प्रकृप चाई • टी • एन • एस • ----

आयकर **अधिनियम**; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ग्रमुतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निवेश सं० ध्रमृसर/80-81/84—यतः मुझे एल० एल० महाजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० है, जो 1/2 घर कटरा भाई सन्त सिंह में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमुतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्मह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (प्रग्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निन्तिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या घन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा के सिए;

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की चवचारा (1) के अधीन। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री राजकुमार पुत्र हरजस राज निवासी कटरा भाई सन्त सिंह श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती संतोष थापा पत्नी राधा मोहन श्रौर फूलां रानी पत्नी हरजस राज निवासी कटरा भाई सन्त सिंह श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 म्रौर किरायेदार शशी पाल कपूर 2. मैं० चावला रैफरीजीरेशन ई० और मै० चावला ग० टाध मैं० रैफरीजीरेशन

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

(4) भौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोश्व सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भश्रोहस्ताकरी के पास मिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो जक्त स्धिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी भवं होगा, को छस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी कटरा भाई सन्त सिंह ग्रमृतसर जैसे कि सेल डीड नं 2276 दिनांक 8/11/79 रिजस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 17-7-80

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० श्रमृतसर/ बटाला/8081/89 — यतः मुझे एम० एल० महाजन,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दें श्रिधिक है

स्रौर जिसं की सं० भूमि, जो डेरा रोड़ बटाला पर, स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्सा स्रधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रिजस्ट्री-करण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिग्रत से स्रधिक है और सन्तरक (प्रन्तरकों) स्रौर अन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रिवित्यम के श्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयांच :—

- (1) श्री बलवीर सिंह ग्रमरवीर सिंह वकील पुत्र इन्द्र सिंह निवासी बटाला । (अन्तरक)
- (2) तरसेम लाल, हीरा लाल देवेन्द्र कुमार पुत्र पूरन चन्द बटाला ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) श्रीरकोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्यति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :---
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

₹गण्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 12 कनाल 15 भरले डेरा रोड़ बटाला पर जैसा कि सेल डीड नं० 5138 दिनांक 9-11-79 रजिस्ट्री ग्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज. श्रमससर

दिनांक 1 17 जुलाई 19 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, अमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं । II/भ्रम् तसर/80-81/86---यतः मुझे एम० एल० म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रयोग तलम जाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-म्पये से श्रधिक मुल्य भ्रौर जिस की सं० कृषि भूमि है, जो गांव संगरूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय तरनतारन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1970 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तम पापा गया प्रतिकत, तिम्तलिखित उद्देश्य मे उमत ग्रन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण ते हुई किसी आय की बादा उक्त ग्रीध-नियम, के ग्राधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **पौ**र/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धनकर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के लिए;

अतः अत्र, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) प्यारो विधवा श्रजीत सिंह निवासी बनीग्रा तरनतारन

(प्रन्तरक)

(2) श्री जसवंत सिंह कुलवन्त सिंह, बलकार सिंह पुत्र श्रजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह पुत्र गंगा सिंह, मालूक सिंह जसवन्त सिंह पुत्र हरबन्स सिंह गांव भगलानी तहलीस तरनतारन

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसे कि सं० 2 पर ग्रौर कोई किरायेदार लह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता ह कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हैं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के यम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्राध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि 46 करनाल 5 मरले गांव संगरूर में तहसील तरनतारन जैसा कि सेल डीड नं 4714 दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्री कर्सा ग्रधिकारी तरनतारन में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 17 जुलाई 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, श्रमृतसर

> > श्रमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० भ्रमृतसर/80-81/87—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी कटरा प्रजासे हैं, जो श्रमृतसर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित को गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिभत अधिक है भौर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितिथों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्निशिक्षत छहेन्य से उकत पन्तरण निश्चा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—>

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनिय,म 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, भ्रियाने में सुविधा के निए।

क्तः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, में, कक्तीअकिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कबीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री दुनी चन्द पुत्र चन्दू राम निवासी बाजार कठिश्रां, श्रमृतसर

(भ्रन्तरका)

(2) श्रीमती उमा रानी पत्नी नन्द लाल निवासी कटरा परजा भ्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसे कि सं० 2 श्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) ग्रौर कोई (यह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी माओप:--

- (क) इस सूचना के राशात्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वी क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपक्कीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभा घत है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान नं० 39917 कटरा गरबा सिंह जैसे कि सेल डीड नं० 2212/I दिनांक 2/11/79 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी ग्रिमृतसर में दर्ज है ।

एम० एल० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 17 जुला**ई** 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 17 ज्लाई 1980

निदेश मं० श्रमृतसर/80-81/88—यतः मुझे एम० एल० महाजन

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मिधिक है

भौर जिस की सं० एक प्रापर्टी है, जो कटरा गरबा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय र जिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिसम्बर 79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्ठीत कर देते के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी मन या अन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिमिनयम, या भ्रत-कर म्रिमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
5—206 GI/80

(1) श्री दुनी चन्द्र पुत्र चन्द्र राम बाजार कठीग्रा वाला श्रमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी उपारानी पत्नी नन्द लाल निवासी कटरा परजा ग्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसे कि सं० 1,2 स्रौर कोई किराय दार (वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में स्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा घर नं० 399/7 कटरा गरबा मली देवी वाली स्रमृतसरजैसे कि सेन डी। नं० 2576/। दिनांक 12-2-79 रजिस्ट्री स्रिधिकारी स्रमृतसर में दर्ज हैं ।

> एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज ग्रमतसर

दिनांक 17 जुलाई 1980 मोहर :— प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर/80-81/89---यतः मुझे एम० एल० महाजन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मुन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से भन्निक है

श्रीर जिस की सं० एक प्रापर्टी है, जो जेल रोड पर स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवस्वर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है और मुसे यह बिश्वास १८३ का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) धीर मन्तरिती (भ्रान्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक इप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई कि भी भाय को बाबत, उमत बार्धानयम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/बा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किती धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः शव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुतरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निक्रनलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---- (1) श्रीमती बमन्त कौर पत्नी मोला सिंह गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह , जगदीश कौर पत्नी गोपाल सिंह प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह 12/6 जोल रोड़ श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज मैयान पत्नी धजीत सिंह निवासी 3223 रेलवे कालौनी देलदी हाल 13-ए जेल रोड़ श्रमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि 1,2 पर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत नम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घंधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों प्रौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, यही सर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

अनु (र्घा

एक घर 13-जे जैल रोड पर अवस्थित है जैसा कि सेत खंड़नं० 2332/दिनों के 5-11-79 रिविन्द्रो अधिकारी कार्यलय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन ^{(*}मक्ष्यन प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

दिनांक: 17 जुलाई 80

त्रकृप भाईं शि एन एस--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमुक्षसर

श्रमृतसर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० ग्रमृतसर 80-81/98---यतः मुझे एम० ०एल महाजन

षायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-रुपय से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० एक श्रापटीं है, जो जेल रोड़ पर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 79 को पूर्वोक्त सम्पति के जीवत बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रश्नह प्रतिशत से धिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बास्त-विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बास्त-विकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्चित में बास्त-

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रश्नीन कर देने के घल्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुनिया के लिए; भौर/या
- (अ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या अनकर भिनियम, या अनकर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए या, जिपाने में सुविधा के लिए।

शंत: वन, उन्त प्रांवनियम की बारा 26% ग के धनुसर्थ में, मैं, उन्त प्रविभियम की धारा 26% म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचति :—- (1) श्री गुरबचन सिंह पुत्र गोपाल सिंह , जगदीश कौर पत्नी गोपाल सिंह , प्रितपाल सिंह पुत्र गोपाल सिंह, वलवन्तर कौर पत्नी भगेला सिंह निवासी जेल रोड़ श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयराज कौर पुत्नी नरिन्द्र सिंह निवासी बी-10 जेल रोड़ ग्रामृतसर

(ग्रन्तरिनी)

(3) जैसा कि सं० 2 पर और कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) ग्रौर कोई (बह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त क्थावर संपत्ति में
 हितकद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताकारी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाकित हैं, वहीं भ्रषे होगा को उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक घर (257.60 स्क्वेयरगज एव 13-ए जेल रोड म्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 2213/। दिनांक 2-11-79 रजिस्ट्री मधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> एम० ए**ल० महाजन** सज्जम प्राधिकारी सहायक म्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

दिनांक: 17 जुलाई 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 जुलाई 1980

निदेण सं० अमृतसर/80-81/91--यतः मुझे एम० एल० महाजन

प्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य 25,000/-स्पए से ग्रिष्ठिक हैं]

श्रीर जिस की सं० एक प्रापर्टी है, जो विजय नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, धक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- (1) श्री राज कुमार कैलाण चन्द्र पुत्र बद्दी नारायण मकान नं० 156 गली नं-4 विजय नगर श्रमृतसर
 - (अन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र भक्त सिंह निवासी प्लाट नं० 8 गली नं-4 विजय नगर श्रमृतसर

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 2 श्रौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) भौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो छक्त ध्रिधिनयम के ध्रध्याय-20क में परिभाषित है, बही धर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी जिसमें प्लाट 513 स्कब्रयर गज गली नं० 4 विजय नगर में जैसा कि सैलडीड नं० 4721 दिनांक 16-11-79 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है

> एम० एल० महाजन सज्जम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रप्युक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज श्रमृतसर

दिनांक: 25 जुलाई 80

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देण सं० सीएचडीं/302/79-80/ ---यतः मुझे, सुखदेय चन्द,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ध्रधिक है

मौर जिसकी सं० 33% भाग प्लाट नं० 136 है तथा जो सैक्टर-28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्सित व्यक्तियों, प्रयति :-- मेजर जनरल गरबख्श सिंह पदम श्री डी० एस० भ्रो० श्रो० वी० ई० (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय स० हरनाम सिंह, 52 सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रमर नाथ कोहली पुत्र श्री हरनाम दास कोहली निवासी मक्षान नं० 58, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्बों भौर पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

33% भाग प्लाट नं० 136, सेक्टर 28-ए, चण्ड़ीगढ़। (ज्यादाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता (ग्रिधकारी चण्ड़ीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1747, नवस्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेय चन्य सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15-7-1980

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, लुधियाना नृधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980 निर्देश सं० सीएचडी/300/79-80/----यतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 34% भाग प्लाट नं० 136 है तथा जो सेक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख नयम्बर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास कश्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत धाइक है भौर धन्तरक (धन्तरकीं) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरित का से कथित नहीं निया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में दुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या निसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर पिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिंघनियम, या घन-कर पिंघनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के निए।

अदः अब, उक्त पश्चितियम की घारा 269- ग के धनुसरण में, में, उक्त पश्चितियम की घारा 269-व की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्।— मेजर जनरल गुरबक्श सिंह, पदमश्री डी० एस० ग्रो० ग्रो० बी० ई० (रिटार्ड) 52, सेक्टर 16-ए, चण्डी-गढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रशोक कुमार कोहली पुत्न श्री हरनाम दास, निवासी 58, ग्रेन मार्कीट, घण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (त) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त भिधिनयम, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रमुची

34% भाग प्लाट नं० 136, सेक्टर 28-ए चण्ड़ीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्ड़ीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1745, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-7-1980

मोहर

प्रकृष भाई • टी • एत • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के संसीन सुचना

भारत सरकार

का**र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** ध्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सीएचडी/301/79-80---यतः मुझो, सुखादेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के सक्षीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से धामक है

ग्रीर जिसकी सं० 33% भाग प्लाट नं० 136 है तथा जो सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिशिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, तारीख नयम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूख्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है और मुझे यह बिक्वास खरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिफल ग्रिक है और पन्तरक (अम्बरकों) और सम्वरिती (जम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रातिफल निम्मिशिक उद्देश्य से उक्त सम्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत कवत अधि। नियम, के भन्नीक कर वेने के शत्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिक्षा के किए। भीर/मा
 - (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन मा घष्य आस्तियों की, जिस्हें चारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उन्त सधिनियम की धारा 269-ग के सन्-सरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात्।— मेजर जनरल गुरबख्श सिंह पदम श्री डीड एस० श्रो० श्रो० वी० ई० (रिटायर्ड) पुत्र स्वर्गीय स० हरनाम सिंह 52, सक्टर 16ए, जण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री माहिन्द्र प्रताप कोहली पुत्र श्री हरनाम दास कोहली, 58, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-यद किसी अन्य क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण !—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिश्वित्यम के भ्रव्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थे होगा, जो उस भ्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसची

33% भाग प्लाट नं० 136, सेक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के वार्यालय के विलेख संख्या नं० 1746, नथम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, [लुबियाना ।

नारीख 15-7-1980 मोह्यरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर धायुक्स (निरीक्षण)
धर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

सं० सी० एच० डी०/316/79-80ः—म्प्रतः मुद्ये सुखदेव

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठिक है,

म्रोर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1106 है तथा जो सेक्टर 34-सी० चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्क मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर, 79, को

पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिपाने में सुविधा के लिए;

म्नतः ग्रव, उवतं मिधिनियमं की धारा 269-गं के मनुबरण में, में उक्तं मिधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के मधीन, निम्नसिखित स्थक्तियों, अर्थात् :---

- (1) चरनजीत सिंह ग्रेबाल पुत श्री अजैब सिंह ग्रेबाल खरड़, श्वारा उसकी स्पैंगल पावर श्वाफ श्रटारनी श्री वी०पी०पीत् सूद पुत्र श्री ठाकुर दास निवासी मकान नं० 1130, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- (2) श्री इन्द्रजीत वेदी पुत्र श्री दयाल सिंह ग्रीर श्रीमती गीला बन्ती पत्नी श्री इन्प्रजीत वेदी निवासी मकान नं० 9 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्क करता हूं।

उपत समात्ति के प्रजेंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यव्दीकरगः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-तिरत के अध्याय 20- कमें परिभाषित हैं, वही सर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1106 सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि: रिजस्ट्रीकर्ता द्यविकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1799, नवस्वर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 15-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धाधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन लुबियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं० सी० एच०डी०/309/79-80:--ग्रतः मुझे सुखदेव सन्द

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1596 है तथा जो सेक्टर 33-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:- -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिश्चनियम, या धन-कर ग्रिप्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मन्-सरण में, मैं, वक्त धिवनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 6—206GI|80 लैफ्टी० कर्नल एम० एल० सचदेवा पुत्र श्री मोहन सिंह निवासी डी० 77, कालका जी, नई दिल्ली द्वारा उसकी जनरल पावर ग्रटारनी श्री श्रवतार सिंह पुत्र श्री कुन्दन सिंह, एस० सी० ग्रो० 7-9, संक्टर 17-बी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदीश सिंह झुम्मन पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह द्वारा श्रटारनी कनबीर सिंह निवासी 649 सेक्टर 33-बी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी भ्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1596 सेक्टर 33-डी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्रिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1765, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> मुख्रदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारी**ख: 15 ज्**लाई 1980

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, आयकर भवन लुबियाना लुबियाना, दिनौंक 15 जुलाई, 1980

सं० भी एच० डी०/304/79-80:---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० मकान नं० 1166 है तथा जो रेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्या तव, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के प्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979, को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रधमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नितिषत् अपृक्तियों अभृतिः --- श्री सन्त राम पुत्र श्री तुलसी राम निवासी मकान नं० 304 सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. 1. श्री राम लाल कपूर पुत्न श्री ष्टेंष्वर दास कपूर 2. श्री प्रहलाव कपूर पुत्न श्री राम लाल कपूर। 3. श्री चन्द्र मोहन कपूर पुत्न श्री राम लाल कपूर सारे निवासी मकान नं० 1166, संक्टर-18 सी० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तिरती)

 श्री शान्ति लाल मंजाल निवासी मकान नं० 1166 सेक्टर 18-सी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

रिहायणी मकान नं० 1166 सेक्टर-18-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1756, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज लुबियाना,

तारीखः 15 जुलाई 1980

प्ररूप आर्षः, टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रैंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनाक 15 जुलाई 1980

सं॰ सी एच डी॰/315/79-80:---ग्रतः मुझे सुखदेव चन्दः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं रिहायशी प्लाट नं 3081 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबस अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ा में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 79,

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधीतः— 1 कैंग्टन गुरिकिरपाल सिंह ढिल्लो, पुत्र मेजर महिन्द्र सिंह दिल्ली निवासी बी-एस/21, सफदरजग इनक्लेव, नई दिल्ली द्वारा स्पैशल पावर आफ अटारनी श्रीमती रिमन्द्र कौर पत्नी श्री भगत सिंह निजासी महान नं० 102 संकटर 35 ए० चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरकः)

2. कुमारी भूपिन्द्र कौर पुत्री स० मेहर सिंह निवासी मनान नं० 3403 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पुत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सक गे।

स्मण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

रिट्।यशो प्लाट नं० 3081 सेक्टर 35-छी चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1794, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण), ऋर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांकः 15 जुलाई 1980

सं० सी० एच० डी०/336/79-80:—-ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्दः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 3024 है तथा जो सेक्टर 35-डी चग्डीगढ़ में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनु-सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रिविकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन विसम्बर, 1979

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विसम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्पति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिगत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रून से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रष्टिमियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भ्रष्टिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के भ्रष्टीन, निम्निखिल व्यक्तियों, धर्यातु:—

- एक्स-कैंप्टन मुरिन्दर कुमार पुत्र श्री चिरन्जी लाल निवासी मकान नं० 259, निमरी कालोनी दिस्ली 52 द्वारा उसकी स्पैशल पावर श्राफ घटारनी श्री ब्रिज मोहन हांडा पुत्र श्री सन्त राम हान्डा निवासी मकान नं० 318/11-4 कुच्चा मिछरमाहावली, प्रताप बाजार, श्रमुतसर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शारदा हाण्डा पत्नी श्री क्रिज मोहन हाण्डा मकान नं० 318/11-4, प्रताप वाजार, प्रमृतसर। (भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्मति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाहोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त भ्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 3024 सेक्टर 35-डी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के श्रिधकारी के कार्यालय के विलेख संख्या 1876, दिसम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनोक 15 जुलाई 1980

सं० सी एच जी/339/79-80--- प्रतः मुझे, सुखवेन चन्व,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करले का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं रहायशी प्लाट नं 1684 है तथा जो सेक्टर 34-डी , चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक दिसम्बर, 79,

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के क्यीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः—

श्री रत्न किमोर जोहरी पुत्र श्री एन० के० जोहरी निवासी सी-12, रामपुर गाईन, बरेली द्वारा उसकी जनरल पावर ऑफ श्रटारनी श्रीमती सत्यवती पत्नी श्री शम्भू राम निवासी एस० सी० एफ० सेक्टर 23-सी० चण्डीगढ़।

(भन्तरकः)

2. श्री ज्ञान चन्द वर्मा पुक्त श्री शम्भू राम निवासी एस० सी० एफ० 16 सेक्टर 23-सी० चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूची

रिहायशी प्लाट नं 1684 सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1879, दिसम्बर, 1979 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियामा।

ता**रीख**ः 15 जुलाई 1980

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • --

बस्यक्तत प्रशितिस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के समीत सुक्रता

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

सं०सी० एच०डी०/335/79-80:---यतः मुझे, सुखदेव चन्द्र

आयकर बिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिविनयम' सहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्वाहर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क्षण से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1725 है तथा जो सेक्टर 33 ग्री०, भण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध म्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्कारी के कार्यालय, भण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 79 को पूर्वोक्त सम्पति

के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सबाधुर्वोक्त सम्प्रति का केजित बाजार मूक्त, इसके वृश्यमा प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से प्रधिक है बोर घन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाग की बावत, उकत विकि नियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के वायत्य में कमी करने या. व्हाक्के बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आहित्यों। की, जिन्हें भारतीय घायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिषिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ध्रम, - उक्त बिधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, इक्त बिधिनियम की ध्रारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- लैफ्टी कर्नल कमलजीत सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह निवासी 22 बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली।
- श्रीमती करतार कौर धालीवाल पत्नी श्री इन्द्र सिंह धालीवाल गांव व डाक्खाना तुसे, तहसील जगरास्रो, जिला लुधियाना।

(मन्तरिती)

(धन्तरक)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के घर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को घवति या तःसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 3,0.दिन की मत्रधि, जो भी घवति कृत में सम्प्रक होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस श्रूचना के राज्ञ्यत में प्रकालन की नारी व से 45 विन के भोतर उक्त स्वाकर सम्पत्ति में हितवब्र किसी प्रमुख स्पतित द्वारा, अधोत्हस्ताकारी के पास जिखिल में किए। का मनेंगे।

स्तंत्रटी सदयः :--इसमें प्रयुक्त सब्दों धोर पदां का, जो उक्त प्रश्चितियम के प्रत्याय 20क में परिकाबित है, वही प्रश्ने होगा को उस प्रक्ष्याय में, दिशा गुया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1725, सेक्टर 33 ही, चण्डीगढ़ ने (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1870, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव भन्द, सक्तम प्राधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीबा: 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुकना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षंण) भ्रजन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० सी एच डी/328/79-80:— मृत: मृझे सुखदेय चन्द म्रायकर मितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मितिक है

भौर जिसकी सं रिहायशी प्लाट नं 512 है तथा जो सेक्टर 33-वी, चण्डीगढ़, में स्थित हैं (ग्रीर इससे जपाबद्ध भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 79.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल छे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों)
के बीव ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण सिखित में वास्त्रित कर छे कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अश्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को जिल्ले भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनाई अन्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए चा, छिपाने म सुविधा के निए;

अत: अत, एक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सक्ण में, में, इक्त अधिनियम की बारा 269-घ की छपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :→- मेअर जनरल जसबीर सिंह नन्दा पुत्र श्री गोबिन्द सिंह नन्दा मारफत हैडक्यार्टर ईस्ट्रन कमान्ड, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गुगमा पुत्री स्वर्गीय श्री वासुदेव निवासी 1161 सैक्टर 15 बी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस त्रुंचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवके किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्ही करन :--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उन्त अधि-गियम, के घड़पाय 20-क में परिभाषित है, बही सर्व होना जो उस अख्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

रिहायभी प्लास नं० 512, सेक्टर 33-बी०, चण्डीगढ़। (जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा श्रिविकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1840, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीच : 15 जुलाई, 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980 निवेश सं० सी० एच० डी०/325/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव प्रसाद

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० रिहायगी प्लाट नं० 157 है तथा जो सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धिकत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्स मिन्नियम, के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी धाय या किसी घन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुपरण म, में उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्निशिषित व्यक्तियों, प्रयीत्:— 1. लैंपटी कर्नल वारी कृष्ण जीत कौर पुत्नी स्थर्गीय श्री चनन दास बजाज निवासी सी-311, डीफेन्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा उसकी जनरल पावर ग्राफ ग्रटारनी कर्नल हिर सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री ग्रमीर सिंह निवासी सी-311, डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी स्वर्गीय श्री मोहन सिंह मकान नं० 2840 सेक्टर 37-सी०, चण्डीगढ द्वारा उसकी जनरल पावर श्राफ घ्रटारनी श्री लाभ सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह मकान नं० 2840 सेक्टर 37 सी०, चण्डीगढ ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 157 सेक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1826, नवस्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 15 जुलाई, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिमकी प्लात नं० 1229 है तथा जो सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, धण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर, 79,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अविक है भीर अन्तरिक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निन्नितिवित उद्देश में उस्त प्रनारण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, श्रिपाने में मुविधा के लिए;

म्रतः अब, उक्त भ्रष्टिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रष्टिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 7—206GI[80

 श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह 1275, मेक्टर 21-बी०, चन्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सोहिन्द्र प्रियतमा पत्नी श्री कुलबीर सिंह नियासी 42, माङल टाउन, श्रम्बाला शहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर मदों का, जो छक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

म्रमुमुची

प्लाट नं० 1229, सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1831, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन ऐंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1980

प्ररूप झाई० टी० एन०एस०-

पावनर प्रतिनिवम, 1961 (1961 ना 43) श्री धारा 269-घ (1) के प्रधीन भूषता भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर मामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 15 जुलाई 1980

निदेश गं० सी० एच० डी०/318/79-80:~-- प्रतः मुझे सुखदेव चन्द

क्षायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीत संत्रा प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संत्रति जितका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 122 है तथा जो सेक्टर 33-ए०, चण्डीगढ़, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से यणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, सारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिकल के जिए प्रस्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुष्यमन्त प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिग्रत से प्रिष्ठक हैं और बग्तरिक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बावत उनत अधि-नियम के प्रधीन कर बेने के प्रश्वरक्त के वाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर्यया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त पश्चिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था मा किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उन्त प्रधितियम, की धारा 269-य के सनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपवारा (1) के ब्रिधीन, निम्निक्कित व्यक्तियों, धर्णात्।——

- सूबेदार निरजन सिंह पुत्र श्री गणेशा कृ सिंह निवासी गांव धनौता डाकखाना मनेला वाया खामाणे। जिला रोपड़ द्वारा उसकी स्पैशल पावर श्राफ श्रटारनी कैण्टन विनोद चौधरी निवासी मकान नं० 1277 सेक्टर 34-सी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- श्री श्रनिल चौधरी पुत्र श्री शाम लाल चौधरी निवासी गांव व डाकखाना राहो, तहसील नवौंशहर जिला जालन्धर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित-घढ़ किसी भस्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

रिहायणी प्लाट नं० 122 सेक्टर 33-ऐ० चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी चण्डीगढ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1809, नवम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेय चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख** 15 जुनाई, 1980 मोहर: प्ररूप धाई • टी • एन • एस •----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० मी० एच० डी०/314/79-80:—-श्रतः सुझी सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 3373 है तथा जो सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिक है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख़ नवम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकल रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए। औष/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अक्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः, भ्रम, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त भ्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री जे० एपर गर्मी पुत्र श्री रूप लाल गर्मा निवासी मकान नं० 3277, सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शशी प्रभा चौधरी पत्नी श्री श्रोम कुमार चौधरी निवासी मकान नं० 1212, सेक्टर 22-बी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 कि की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन को तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रपुक्त ग्रन्थों और पक्षों का, जो खक्त श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सूची

रिहायणी प्लाट नं० 3373 सेक्टर 35-डी०, चण्डीगढ़ (जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ना श्रिश्चिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1786, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख:15 जुलाई, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

भायौजय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियााना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० रिहायणी मकान नं० 153 है तथा जो मैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 11/79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रग्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायिरव में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में मुविधा के लिए;

चतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रायीत्:——

- (1) श्रीमती तारा डुडेजा पत्नी श्री जे० एन० डुडेजा निवासी मकान नं० 155, गोल्फ लिंक, नई दिल्ली-3 द्वारा उसकी जनरल श्राटारनी श्री जगन्नाथ डुडेजा पुत्र स्वर्गीय श्री गुलाब राय डुडेजा, मकान नं० 155, गोल्फ लिंक नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) स० दर्णन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह निवासी मकान नं० बी-257, नरेणा इण्डित्ट्रियल एरिया, फैस-I, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री शादी लाल शर्मा निवासी मकान नं० 153, संबटर 27-ए चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा नो उस अध्याय में दिया गशा है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 153 सेक्टर 27-ए, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1761, नवम्बर 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 19080

भारत सरकार कार्याल्ब, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/321/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भीर जिसकी सं० रिहायणी प्लाट नं० 1844 है तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यलय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्न्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुर्ह किसी आय की जावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) मेजर चन्द्र मोहन ग्रानन्द पुत्र श्री टैंक चन्द ग्रानन्द निवासी 6/1, स्टाफ रोड़, ग्रम्बाला केंद्र । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री कुल विन्त्र सिंह व श्री सिमिन्द्रजीत सिंह दोनों पुत्र श्री इन्द्रजीत सिंह सेखों व कुवारी कुलवन्तकौर पुत्री श्री स्वरूप सिंह निवासी कमानिया गेट, फरीदकोट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पग्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1844, सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी चर्ण्डीरढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1822, नवस्वर 1979 में दर्ज है)।

> मुखवेब चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, सृधियाना

दिनांक: 15 जुलाई 1980

प्रकृप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिश्रनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरोक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/308/79-80—मतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/-६० से अधिक है

स्रौर जिस की सं० बूथ नं० 106 है तथा जो सेक्टर 28-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में झोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 11/1979

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए धग्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल सें, ऐसे बृष्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धग्तरक (धग्तरकों) और अन्तरितो (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उच्त धग्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से उचित कप से किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिक्रियम के धिबीन अर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी घन या अन्य ुंआक्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर यधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः श्रव, उवत प्रविभियम की धारा 269-न के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रविभिवम की बारा 269-न की उपवारा (1) के प्रधीन निम्मलिकित स्पन्तियों, अर्थात्।—

- (1) श्रीमती वलवीर कौर पत्नी श्री तरसेम चन्द 10, हैंम कुन्ट, नई दिल्ली द्वारा कर्नल ठाकुर सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह, 65 सैक्टर 8-ए चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री कमलदीप सिंह, श्री संदीप सिंह पुत श्री दलीप सिंह निवासी मकान नं० 3034, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री ग्रमर नाथ एस० सी० एफ० 121, सेक्टर 28-डी, वण्डीगढ।

(वह ज्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करते पूर्वीक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की सारीख से 45 दिन की ध्रयमि या तस्कम्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को ध्रवमि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्वक्की करण:---इसमें प्रयुक्त शक्बों और वर्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्थ नं० 106, सेक्टर 28-डी, चर्ण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1764, नवम्बर 1979 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लक्षियाना

विनांक: 15 जुलाई 1980

प्रारुप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, विनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/480/79-80--- ग्रतः मझे सुखदेव चन्द श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- घपए से भौर जिस की सं० प्लाट क्षेत्रफल 398 वर्ग गज है तथा जो रवी कोल्ड स्टोरेज के पीछे सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधन अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11/79 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरको) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण तिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में पक्ती किरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसीधन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः थव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनु• सरण में, में, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अमित्:→-

- (1) श्री त्रिजमोहन मलहोता पुत्रश्री नाथू राम मलहोता पुत्रश्री राम चन्द मलहोता निवासी लाहौरी गेट कपूरथला अब 166, भारत नगर, लुधियाना।
- (2) श्री चमन लाल टांगरी, पुत्न श्री रत्न चन्द निवासी 49/22, हरपाल नगर, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त घिकि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 398 वर्ग गज जो रवी कोल्ड स्टोरेज के पीछे, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी सुधियाना के कार्यालय के त्रिलेख संख्या नं० 3930, नवम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जनरेंज सुधियाना

दिनोक 15 **जु**लाई 1980 मोहर: प्रकाशाई० टी० एम० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के पधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/362/79-80--श्रतः मुभे सुखदेव चन्द आयकर प्रशिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधील सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

भौर जिस की सं० मकान नं० 1144, है तथा जो सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णितहै), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12/1979

की पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्कह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (बान्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलि वित छहेश्य से उन्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे अवने में सुविधा के लिए ; और/या
- (सा) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य सास्तिमों की, जिन्हें भारतीय सावकर मधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सविधा के लिए।

श्रतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अमु-सरण में, में, उकत अधिनियम की धारो 2.69-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

(1) श्री हरवन्य सिंह पुत्र श्री बहादूर सजग जोधिसह पेंटाल मकान नं० सी *7/7*, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भगवन्त दास श्ररोड़ा पुत्र श्री बिहारी लाल मकान नं० 1144 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ ।

(श्रन्तरिती)

(3) श्री ग्रादर्श कोह्ली निवासी मकान नं० 1144, सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारी खरी 4.5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अपनितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे

स्वश्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त मिछ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान नं० 1144 सेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चष्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1948, दिसम्बर, 1979 में वर्ज है।

> मुखादेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980 मोहरः

प्रसप आई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, ध्रायकर भवन, लुधियााना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० घंडीगढ़/320/79-80—म्प्रतः मुझे सुखदेव चन्द प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं ज्लाट नं 3316 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवस्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और वह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धायत्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और'या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रम्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त प्रक्षिणम की बास 200 में के अनुतरण में, में, अक्त प्रधिविषम की बास 200 में विषयारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- । 8--206GI/78 (1) श्री चरणवास गुप्ता पुत्र श्री धीवान चन्द, 3034/23-डी, चण्डीगढ़ द्वारा उसकी स्पैशल पावर ग्राफ ग्राटारनी श्री चरण दास महाजन पुत्र श्री क्रिज लाल मकान नं० 3034, सैक्टर 23-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुत्र श्री चम्बा सिंह श्रीर श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह, दोनों निवासी गौव भागोमाजरा, जिला रोपड़।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी तत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रष्टमाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टमाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

ण्लाट नं० 3316 सेक्टर 35-डी, चन्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकत्ती घ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1817, नवम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन र्रेज, सुधियाना

दिनांक: 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

अभिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं व चंडीगढ़ 341/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द अध्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/- व से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० रिहायणी प्लाट नं० 1729 है तथा जो सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 11/12/79

को पूर्वोगत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक ह ग्रीर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भन्तरितीं (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया प्रतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरम लिखित में बास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) घन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रवः, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के सरव में, में, उक्त श्रविनियम की श्रारा 269-ण की उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) लैफ्टि॰ कर्नेल मदन मोहन पारहती पुत्र श्री दीना नाथ पारती निवासी सी-252, मोती बाग, नई दिल्ली।
- (2) श्रीमती दलजीत कौर पत्नी श्री डी० एस० मरवाहा, मकान नं० 1542, सेक्टर 22-त्री, चण्डीगढ़ (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्<mark>यवाहियां करता</mark> हूं।

खबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षरा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्रों का, जो 'उक्त मधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिमावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1729, सेक्टर 33-डी, चण्डीगढ़। (जायक्षाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1884, दिसम्बर 1979 में वर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज सुधियाना

विनांक : 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

अस्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) से घंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० खरड़ 79-80 35---श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 632 है तथा जो फेस-।।, एस० ए० एस० नगर, मोहाती जिला रोपड़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 11/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से ऐसे दृक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (धन्तरकों) धौर प्रन्तिरती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, खबत धाँध-जियम के धामीन कर देने के धस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या मन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलिनियम, या धनकर प्रमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

चतः भव, उक्त प्रचिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- (1) श्रीमती बलवीर कौर ग्रहसुवालिया व श्री बाई० पी० ग्रहसुवालिया निवासी 2538, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हाकम सिंह वर्मा पुत्र श्री जय सिंह प्लाट नं० 632, फेंम-।।, मोहाली या

> निवासी 17 हिल साईड ड्राईव किंगज हरसंट, वरगिमम, वैस्ट मिडलडिज बी 37-6 एन० जी०

> > (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रभ्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अख्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 632, फस-।। एस० ऐ० एस० नगर मोहासी । (जायदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3426, नवम्बर, 1979 में दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, लुक्षियाना

दिनांक: 15 जुलाई 1980

प्ररूप भाई। डी । एन । एत । ---

भायकर निविद्यम; 1961 (1961 का 43) की धारा 268-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर पायुक्त (मिरीकण) ऋजेन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना 459 79-80— न्नतः मुझे, सुखदेव जन्य आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 268-च के न्नधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- च० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा है तथा जो गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद अनुसूषी में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1979

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिये मन्तरित की गई है और मुद्दों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उस बृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिश्चिम्पम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उन्त अधिनियम की धारा 268-ए के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 268-ए की एपबारा (1) अधीन, निम्नलिखत व्यवितयों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री चनन सिंह गांव डाबा, तहसील लुधियाना

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज फ्रोसवाल बूलन मिल्ज लिमिटेड, जी० टी० रोड़, लुधियाना

(मंतरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्तन्वण्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी भन्य अपित द्वारा, भभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा--इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 वीगा गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3694, नवम्बर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सुष्ना

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० लुधियाना 576/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

भौर जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीगा है तथा जो गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2/80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्री दलवारा सिंह पुष्त श्री चनन सिंह निवासी गांव डाबा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) मैसर्ज भ्रोसवाल वूलन मिल्ज लिमिटेड जी० टी० रोड़, लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्र्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 वीगा जो गांव डाबा, तहसील खुधियाना में स्थित है।

(ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी सुधियाना के कार्यालय के किलेख संख्या नं० 4962, फरवरी 1980 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,

विमांक 15 जुलाई 1980 मोहर:

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

आयुक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के समीन सुन्नना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना | 575 | 79-80—अतः मुझे सुखदेश चन्द भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), 'ंकी घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास भरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 26,000 |-द्राय से अधिक है

श्रोर जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 1वी-0वी-17वी है तथा जो गांव डाबा, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिय्म, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनोक 2/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के शिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से प्रक्षित है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किप तथाया गया प्रतिफल कप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत बक्त धिवियम के समीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या

The state of the s

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, रक्त अधिनियम की धारा 269-ग के समुक्र क में, में, उक्त अधिनियम की धारा 5269-म की उपभारा (1) के अशोन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :-

- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र श्री चन्न सिंह नियासी गांव डाबा, तहसील जिला लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) मैंसर्ज घ्रोसवाल बूलन मिल्ज लिमिटेड, लुधियाना, जी० टी० रोड़ शेरपुर, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी अटके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूवना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त घितियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 1 बी-0 बी-17 बी जो गांव डाझा, तहसील ब जिला ल्धियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4961, फरवरी 1980 में दर्ज ह)।

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980 मोहर: प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/458/79-80—-श्रतः मुझे मुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 वीघा है तथा जो गांव डाइा, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, दिनांक 11/79

को पूर्यांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के धाधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, श्रवीत् :—— श्री बलवारा सिंह पुत्र श्री चनन सिंह, निवासी गांव डाबा, तहसील लुधियाना

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्ज श्रोसवाल बूलन मिल्ज लिमिटेड जी० टी० लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के वृर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

भूमि क्षेत्रफल 1-0-17 बीघा जो कि गांव डाबा, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3693, नवम्बर 1979 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 जुलाई 1980 मोहर: प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० लुधियाना/487/79-80— आतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिस की सं० एस० सी० एफ० कोठी नं० 4-1 (कर्माणयल नं० बी-XX-1195/226 है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (म्रोर इससे उपाबब भनुसूची में म्रोर पूणं रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिर्धिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण मिर्धिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 11/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण को अनुसरण में, मंं, अक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अभीन, निम्नुसिखित व्यक्तियों अभृति:— (1) श्री मनसा राम पुत्र श्री देवी चन्द पुत्र श्री जगत राम, 54, शक्ति नगर, लुधियाना ।

(धंतरक)

(2) श्रीमती हरनाम कौर पत्नी श्री जगमोहन सिंह 26 पिब्लक पार्क, गंगानगर (राजस्थान)

(मंतरिती)

(3) सुपरिन्टेन्डेन्ट कस्टम व सैन्ट्रल एक्साइज रेज-I, II व III, लुधियाना एस० सी० एफ० 4-I, सराभा नगर, लुधियाना

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीं करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

एस० सी० एफ० नं० 4-I, सराभा नगर, लुधियाना (जायवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4047, नवम्बर, 1979 में दर्ज हैं)।

सुखदेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

विनोक : 15 जुलाई 1980

अक्प भाई• टी• एत• एस• ---

भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268 व (1) के ग्रचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चंडीगढ़/303/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की वारा 269-ख के भश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिविक है

और जिसकी संव प्लाट नंव 1878 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 **का 16) के भ्रधीन** नवम्बर 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फन् तिम्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की नागत उक्त धासि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे गणने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-भर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुक्रिधा के लिए;

अतः, ग्रब, छत्रत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में, अक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात् :---9---206GI/80

- (1) श्री कुलबीय सिंह गौड़ा पुत श्री लधा सिंह गौड़ा द्वारा जनरल पावर श्राफ ग्रटारनी स० मनोहर सिंह पुत्र श्री मोता सिंह एस० सी० श्रो० 139-141 सेक्टर 17-सी, चण्डीगढ़।
- (2) श्री हरवन्स सिंह पुत्न श्री मंगल सिंह , श्रीमती हरदयाल कौर पत्नी श्री हरवन्स सिंह मकान नं० 2 सेक्टर 28-ए चण्डीगड़ (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीया से 45 दिन की सर्वाझ या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की स्विधि, जो भी स्विधि नाव के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति हारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्याकरण: --इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घीर पदौं का; जो उक्त प्रधिनियम के धम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उस धम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लात नं 1878 से क्टर 34-डी चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्या-लय के विलेख संख्या 1752, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सु**खदेय चन्त्र** सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 ज्लाई 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निवेश सं० वण्डीगढ़/330/79-80—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द धायकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से घिषक है

श्रोर जिसकी सं० मकान नं० 3296 हैं तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिनांक 11/79

को पूर्वोक्स सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूश्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिकत निम्नितिवित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --~ (1) श्रीमती हरिन्द्र कौर पत्नी स्वर्गीय चन्दन सिंह श्रीमती कुलबीप कौर सन्धु पत्नी श्री कुलबिन्द्र सिंह श्रीमती ग्रमरजीत कौर पत्नी श्री जगमेल सिंह श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी श्री हरसरन सिंह द्वारा जनरल पावर ग्राफ ग्राटारनी श्रीमती हरिन्द्र कौर पत्नी स्वर्गीय चन्दन सिंह मकान नं० 3341 सेक्टर 21-डी, चण्डीगढ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ज्वाला प्रसाद पुन्न श्री बेनी प्रसाद मादो श्रीमती लीला बत्ती पत्नी श्री ज्वाला प्रसाद, श्री नरेण कुमार पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद निवासी मकान नं० 1069, मेक्टर 18-सी, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

(3) 1 श्री मनजीत सिंह 2 श्री मधन लाल 3 श्री मनमोहन सिंह निवासी मकान नं० 3296 सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ ।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा , प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्ठीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर नदों का, जो उकत श्रधि-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रनुसूची

मकान नं० 3296, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1851, नवम्बर 1979 में दर्ज हैं)।

> सु**खदेश चन्द**, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15 जुलाई 1980

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰→

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीकण)

अर्जनरेंज, ग्रायकरभवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निदेश सं० चंडीगढ़/342/79-80—- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० रिहायशों प्लाट नं० 1747 है तथा जो सेक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगड़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक 12/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उड़त धन्तरण लिखित में वास्त-बिक कप से कथित नहीं किया गया है!---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-भियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्ब आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, जिपाने में सुनिधा के निए;

अतः **अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्**क सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निण्नसिक्त व्यक्तियों, अर्थान्।——

- (1) श्री गुरवचन सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह द्वारा उसकी ब्राटारनी श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह निवासी 3264 सेक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ (ब्रान्तरक)
- (2) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री छण्जा सिंह निवासी मकान नं० 3264, सेक्टर 19-डी चण्डीगढ़ ग्रब मकान नं० 1747 सेक्टर 34 डी, चण्डीगढ़

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. श्री सुन्दर सिंह सेखों
 2. श्री रंजीत सिंह, दोनों की रिहायश मकान नं०
 1747, सेक्टर 34-डी, चण्डीगड़

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी मासीप।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रथिष या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों थीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ब होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुस्ची

रिहायणी प्लाट नं० 1747 सेक्टर 34 डी, घण्डीछ । (जायबाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी घण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1886, दिसम्बर 1979 में दर्जे हैं)।

> सुखदेव चन्घ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 जुलाई 1980

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश स० सी० एव० डी०/313/79-80—म्रतः मुक्षे सुखदेव घन्द

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह नियवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से प्रधिक है स्प्रौर जिसकी सं रिहायणी प्लाट नं 0 1025 है तथा जो सेक्टर 37-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधीनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पण्डि के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से व्यक्ति है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है;

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के सम्रीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम् 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनायं भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थातुः---

- श्री श्रेप्यनी कुमार वर्मी पुत्र श्री गेंद्या राम वर्मा व श्रीमती शोभा वर्मा पत्नी श्रव्यनी कुमार वर्मा मकान नं० 1218, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- श्री मनोहर सिंह चावला पुन्न श्री हीरा सिंह निवासी मकान नं ० 1618, सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जैन के संबंध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ जो भी वविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर खबत स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त पाठवीं बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित, है, वही अर्थ होगा, जो उस घडमाय में विया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1025, सेक्टर 37-बी, **भण्डीगढ़**। (जायददा जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी **भण्डीगढ़** के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1771, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्दः, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्तं (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-7-1980

प्रास्थि नाई वटी व एनं ० एसं ०-

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 209 च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, विनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० लुधियाना/485/79-80/----- प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/-रंड से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 30 ए, क्षेत्रफल 1000 वर्ग गज है तथा जो ऐक्सर्टनेशन योजना, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है बोर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल के ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिशत अधिक है और सम्तरक (सम्तरकों) और सम्तरिती (सम्तरितयों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वावत करत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घर्म आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतिं।, वर्ष, उनते अधिनियम की आरा 269-न के अनुसरण में, में, उनते अधिनियम की बारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- श्री राज कपूर पुत्र श्री मुकन्द लाल पुत्र श्री ग्रमृतसरीया
 मल कपूर मार्फत मैंसर्स राज ब्राइर्ज रामन मार्कीट,
 लुधियाना श्रब फिल्ली गेट, जगराश्रों।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स विन्द्रा ईण्डस्ट्री श्रौर फेण्ड्री वर्कस द्वारा श्री मदन लाल निवासी 25-ए, ऐक्सटेनशन योजना इंडस्ट्रीयल एरिया, (ए०) लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कीई भी प्राक्षेत:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकागत की तारीख से 45 दिन की मबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दित की मबिध, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इंसमें प्रमुक्त संबंधीं भीर पर्धों का, जी छक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20ज में परिभाषित हैं, नहीं धर्च होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाटनं ० 30 ए, क्षेत्रफल 1000 वर्गगज जो कि ऐक्सटैनणन योजना, इंडस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है। (जाय-दाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्यानं ० 4025, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 15-7-1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

मायकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/166/79-80—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से मिषक है भीर जिसकी सं० आयदाद (क्षेत्र 92 वर्गगज) है तथा जो सदर बाजार नाभा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (धन्तरकों) और भग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्रायकी बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भित्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उपत अधिनियम की धारा 269 में के प्रनु-सरण में. में, उक्त धिधिनियम की धारा 26 अप की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— श्री विशन कुमार मल्होन्ना पुत्त श्री शाम जी दास मल्होन्ना निवासी 189 ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री म्रळक् राम पुत्र श्री मिलखी राम निवासी पुरानी नाभी, नाभा जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

- 3. 1 श्री उत्तम चन्द (सराफ)
 - 2 श्री सुरिन्द्र पाल सिंह
 - 3 श्री रतन लाल, निवासी पुरानी नाभी, नाभा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो अकत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अबंहोगा, जो उस अध्यायम दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद क्षेत्रफल 92 वर्गगज, सदर बाजार, नाभा, (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1921, नवम्बर 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांधः: 15-7-1980

प्रकृप चाई० टी॰ एन० एस०--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

मारत संरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/168/79-80—- ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पत्रवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० जायदाद (क्षेत्र 265 5/9 वर्ग गज) है तथा जो पुरानी नाभी, नाभा में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त मितियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रविनियम, या धन-कर श्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- श्री विशन कुमार मल्होत्रा पुत्र श्री शामजी दास मल्होत्रा निवासी पुरानी नाभी, नाभा श्रव 189-ए राजीरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री राम गोपाल पुत्र श्री मिलखी राम निवासी पुरानी नाभी, नाभा जिला पटियाला ।

(ग्रन्तरिती)

3. (1) श्री उसम चन्द (सराफ)

(2) श्री मुरिन्द्र पाल सिंह्

(3) श्री रतन लाल, पुरानी नाभी, नाभा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्विष्ठि, जो भी ध्विष्ठि बाद में समाप्त होनी हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में शकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

ग्रनुस्ची

जायदाद (क्षेत्रफल 265 5/9 वर्गगज) पुरानी नाभी, नाभा। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1923, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)

> सु**खदेव चन्द,** सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15-7-1980

अरूप आई० टी० एन० एस०-

आयरुर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० एन० बी० ए०/167/79-80---श्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान जायदाद (क्षेत्र 51.70 वर्ग गज) है तथा जो सदर बाजार, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक नवस्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी भाष की बाबत, उक्त भाषि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायहर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उना ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के जिए;

श्रतः भव, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अपीत् :--- शी विशत कुमार मल्होता पुत्र श्री शाम जी दास मल्होता निवासी पुरानी नाभी, नाभा ग्रव 189 ए, राजौरी गार्डन नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

 श्री रोणन लाल पुत्र श्री मिलखी राम पुत्र श्री छोटा राम, निवासी पुरानी नाभी, नाभा ।

(श्रन्सरिती)

3. (1) श्री उत्तम चन्द सराफ

(2) श्री मुरिन्द्र पॉल सिंह

(3) श्री रतन लाल सभी निवासी पुरानी नाभी, नाभा (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजैन के लिए** कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की बाबोप !---

- (क) इस सूचता के राजवज्ञ में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी मबिंग बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हित-बढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इतमें प्रपुक्त गश्दी भीर वर्षे का, जो खळा प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राविक्ष है, वही अर्थ होगा, जो उस सक्याय में विमा गया है।

ग्रनुसूची

मंकान जायदाद (क्षेत्रफल 51.70 वर्ग गज) सदर बाजार, नाभा । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1922, नवम्बर, 1979 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15-7-1980

प्रकप आई० टी० एन०. एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निश्रीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई, 1980

निर्देश सं० सी० एघ० डी०/338/79-80—श्रत मुझे सुखदेव घन्द,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपह से श्रिधक है श्रीर जिसकी सं जायवाव नं 0701 है तथा जो सेक्टर 22 ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक नवम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने दूई किसी आग की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाशित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः म्रब, उन्त मिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मिधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:——
10—206GI/80

1. श्री लाम सिंह पुत्र श्री दया सिंह निवासी मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

 श्री कंवर सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह निवासी मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

श्री वेद प्रकाश (2) श्री मिलखी राम (3) श्री नर सिंह् (4) श्री मुभाप (5) श्री राजेन्द्र (6) मिस सरोज (7) श्री प्रीतम पाल (8) श्री निर्मेल पाल (9) नरेन्द्र पाल (10 श्री कंवर सिंह् सारे वासी 701/सेक्टर 22-ए चण्डीगढ ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लि**ए कार्यवाहियां करता** हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त गान्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रहणाय 20 के में परिभाषित है, वही गर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 701, सेक्टर 22-ए, चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय में विलेख संख्या नं० 1878, नवम्बर, 1979 में दर्ज है)।

> सुखदेव घन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना ।

दिनांक: 15-7-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1680

निदेश सं० सी० एच० डे:०/337/79-80—-श्रतः मुझे सुखदेव चन्द

भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स० से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2385 है तथा जो सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिन्स्ट्र कर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्र करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधान, विनांक 11 नयम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त ग्रिविनयम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या भिसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर धर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, ग्रयीत:—

- श्रामती रिजन्द्र कौर परना श्रा इन्द्र सिंह द्वारा जनरल ग्राटारना, श्री सरबन सिंह 65, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- श्रीमतो श्रजमेर कीर पत्नी श्रो दौलत राम भल्ला व श्रो दौलत राम भल्ला पुत्न श्रो दसोधो राम मकान नं० 623 सेक्टर 7-ए चण्डोगढ़।
 (ग्रन्तरिती)

 श्री हरनाम सिंह निवासी प्लाट नं० 2385, सेक्टर 35-डो, चण्डीगढ़।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्यों भीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 2385, सेक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाव जसा कि रजिस्ट्रोक्सी ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1877, नवम्बर, 1979 में वर्ज है)।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारोः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

विनांक: 15-7-1980

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक सायकर भाषुकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 जुलाई 1979

निर्देश सं० सीं० एच० डी०/373/79-80—श्रातः मुझे सुखदेव चन्द

आध्यकर भिष्वित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीर सप्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्पए से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नं० 1331 है तथा जो सेक्टर 34-सं ० चण्डीगढ़ में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय चण्ड गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण घ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, दिनांक दिसम्बर, 1979।

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत अधिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उसत ग्रिवितयम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के निए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविज्ञा के लिए;

अतः, अत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मेजर सत्तेण कुभार ग्रोजर पुत्र श्रीमून राज निवासी एम-23/बीठ मालवाम नगर न्यू दिख्ली श्रव मार्फत हैंडवार्टिस सीठ डब्ल्यूठ ईठ जालन्धर कैंट (पंजाब) । (अन्तरक)
- 2. सर्व श्री कुलदीप सिंह, जसपाल सिंह, इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह मजान नं० 1331 सैक्टर 34-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी घरके पूर्वीकत सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इ.प. सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधीरस्ताआरी के पास
 जिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पतों का, जो उन्त प्रधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 1331 सेक्टर 34-सी चण्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रंक्ता श्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं नं 1990 दिसम्बर, 1979 में दर्ज है)

> सुप्रदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लिधियाना ।

दिनांक : 15-7-1980

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निदेण सं० एल० डी० एच०/456/79-80/ए—•प्रत: मुझे सुखदेव चन्द,

धायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपए से श्रिष्ठक है

भ्राँर जिसका सं० मलान नं० बां-28/3566 है तथा जो चीमा पार्क माडल प्राम लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हप में विणत है), रजिस्द्रांकर्ता ग्रिधिनारी के कार्थालय, लुधियाना में, रजिस्द्रांकर्त्र श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधान, दिनांक नवम्बर 1976। को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित धाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिक्ष-नियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्ह भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना श्राहिए या किपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:-- अं करतार सिंह पुत्र श्री श्रर्जुन सिंह श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री केवल धीर पुत्र श्री हंसराज श्रीमती कान्ता धीर पत्नी श्री केवलधीर निवासी बी/28/3566, जीमा पार्क, माडल ग्राम लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं बी-28/3566 चीमा पार्क लुधियाना (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी लुधियाना के कार्यालय विलेख संख्या नं 3666 नवम्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रज्ञीन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 22-7-1980

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ ब्स॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-वः (1) के घडीन त्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 22 जुलाई 1980 निदेश सं० एल० डो० एच०/461 ए/79-80—मत: मुझे

सुखदेय चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान नं बी-XXVIII - 3566 है तथा जो चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक नवम्बर, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकत के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) घौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से क्यान नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, सकत शिव्याय के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर श्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिश्तियम, या धन-कर श्रक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उनत अधिनियम की घारा 269नम के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269नम की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात '--

- श्री करतार सिंह सपुत्र श्री प्रजुन सिंह श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री करतार सिंह निवासी बी/ 28/3566 घीमा पार्क, माडल ग्राम लुधियाना । (ग्रन्तरक)
- श्री केवल धीर सपुत्र श्री हंसराज श्रीमती कान्ता रानी धीर पत्नी श्री केवल धीर बी/28/3566, चीमा पार्क माडल ग्राम लुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कीई भी भार्मीय :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की भवधि या हत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के साजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्यति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः --- इसमें प्रगुक्त प्रक्यों और पर्धों का, जो उत्त ग्रिक्ष-नियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बो-XXVIII-3566 कीमा पार्क माझल ग्राम लुधियाना (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकत्ती ग्रिधिकारी लुधि-याना के कार्यालय के विलेख संख्या 3729 नवस्बर 1979 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 22-7-1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एत० एत०---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रज्ञीन-2 रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जून, 1980

निदेश सं० ए० श्रार० II/2892-20/नवम्बर-79— म्रतः म्झे, ए० एच० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि म्याबर संत्रति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- द० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 282 भ्रौर टी० पी० एस०-III, सी० टी० एस० नं० 120 है तथा जो विलेज एकसार में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बबई में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 27 नवम्बर, 1979।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिल् तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से चनत भग्तरण किखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अध्य भास्तियों को जिन्हें भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना भाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उनत अधिनियम, की धारा 269-य के धनुसरण में, में, उकत प्रधिनियम की बारा 269-य की चपबारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्षियों, प्रवाद :---

- श्रीमती पार्वती बाई ई० एस० ठाकुर भीर भ्रन्य (भ्रन्तरक)
- साईक्रपा को० ऑक हा० सो० लिमिटेड (अन्तरिती)
- 1. श्री करंबेलकर एम० स्वामीकृष्ण
- 2. श्री मलवनकर चारशीला सी०
- 3. श्री होडा बडेकर नीलकंधा ए०
- 4. श्री घाटवर गोपाल डि॰
- 5. श्री पाटिल सरला मोरेश्वर
- 6. श्री पाटिल राजानी एम०
- 7. श्री कदम स्नेहलता एन०
- 8. श्री सावंत लीना एस०
- 9. परव सुलोचना जी०
- 10. नाइक श्राणालता सी०
- 11. फान्सीस ग्रंतोनी जी०
- 12. सावंत वैशाली वाय०
- 13. साबे दत्तास्रय एन०
- 14 फर्नान्डिस पेरीना बी०
- 15. मोरे गुलाब एन०
- 16. पाटिल परवेशी एस०
- 17. पाटिल श्रीधर एस०
- 18. जेले मनुराधा ए०
- 19. कर्वे वैशाली मार०
- 20. महाक्रिक माध्री एम०
- 21. मानकमे चीता एम०
- 22. राऊत प्रमिला एन०
- 23. सालुंके बामन ए०
- 24. चिटनीस शरवचंद्र पी०
- 25. शीव उमिला पी०
- 26. चौधरी सुरेन्द्र
- 27. राऊत नरेंद्र डि॰
- 28. शेलार हरीशचंद्र के०
- 29. पाटिल मगन के०
- 30. मालोनकर हरशलता ए०
- 31. पालंडे शैलजा ए०

32. सावंत रशमी भार०

33. राऊत वीमल एच०

34 दलवी हिराबाई एन०

35. गीते मध्यंती जी०

36. फड़के चंदना सी०

37. फडके ललीत जी०

38. पंडित लक्ष्मीकृति सी०

39. वाडेकर प्रतीभा व्ही०

40. बेलवैकर राजनी भार०

41. खरमोडे लोचना टी०

42. सातोसकर जयवंत श्रार०

43. बानवली उज्वला एस०

44. कोठारे नारायन एन०

45. कोंडवीलकर माया जी०

46. थरथरे पी० ग्रार०

47. कुबल संजीवनी ए०

48. भीडे गेपाल ती मवक

49. परव कमल जे०

50. वागले भ्रनीता एस०

51. मारमा रेनी ग्रेस

52. पाटिल दिनकर एन०

53. खांडेकर बत्सला एन०

54. शिंदे राजाराम एस०

55. कुलकर्णी शरव एम०

56 गावक वसंत जी०

57. वर्तक वीमल व्ही०

58. चौहान शशीकला डि॰

59. ठाकुर सुमद्रा एम०

60. पाटोले ऊषा बी०

61. सावे पूष्पा पी०

62. कर्णीकसुधा डि॰

63. वाडेकर भारती एम०

64. दातारश्रीपाद एन०

65. नाबर मंगला एस॰

66. केरगांवकर गुरुदास बी०

67. शिंद्र सरोजीनी मार०

(वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जरत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
भवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबदा किसी यन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोद्द्स्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकोंगे।

हपब्हीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1178/79/बंबई उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा विनांक 27-11-1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-2, मंबई ।

विनांक: 10-6-1980

प्रकप चाई•टी०एन•एत•-

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1980

निर्वेश सं० ए० ग्रार०-I/ए० पी०-141/80-81—श्रतः मुझे, पी० एल० रूंगटा,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सी० एन० नं० 669 है तथा जो मलदार स्रीर कंबला हिल में स्थित है (स्रीर इससे उपावद अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक 27 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छुश्चेय से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं विया गया है:—

- (क) धन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् '——

- (1) 1. श्री एच० एच० महाराजा श्री दलजीत सिंह हिम्मत सिंह (2) एच० एच० महारानी मनहर कुवरजी (3) महाराजकुमार राजेन्द्र सिंहजी दलजीत सिंहजी (ग्रन्तरक)
- (2) मेसर्स यूनिक एस्टरआईसेस को० भ्रा० हा० सो० लि० (भ्रन्तरिती)

- (3) 1 मिसेस पी० एस० छेडा
- 2. श्री म्रार० एम० शास्त्री
- 3. श्री के० एच० भारमल
- 4. मिसेस एच० बी शराफ
- 5. मिसेस ग्राई० बी० लुल्ला
- 6. श्रोरीग्रेंटल फायर श्रौर जनरल इंन्श्र्यतम कं० लि०
- 7. क्रिसेंट डाय ग्रौर केमिकल लि०
- श्री जें० क० मानेकजी
- 9. श्री एस० भ्रार० छेडा
- 10. केमिकल श्रीर फायबर्स श्राफ इंडिया लि०
- 11. त्रिसेंट डाय एण्ड कैमिकस्स लि०
- 12. श्री प्रशोक छेडा
- 13. श्रीमती ग्राशा मित्रा
- 14. मी० ए० एफ० ग्राय० लि०
- 15. श्री महाराजा दलजीत सिंह जी ग्राफ इन्द्र
- 16. श्री राजकुमार ग्राफ इन्द्र
- 17. श्री जी० पी० सी० पी०
- 18. श्री ग्रार० सी० सी० पी०

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आज्ञेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाव या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाव, जो भी सर्वाव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी घण्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पड्डीसरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्तों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीप्रिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भ्रानुसूची जैसा कि विलेख नं० 653/71 बंबई रजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वारा दिनोक 27-11-1979 को रजिस्ट्र किया गया है।

> पी० एल ० संगटा, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्दई

दिनांक: 11-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बंबई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० श्रार-III/ए० पी०-349-80-81-⊷श्रतः मुझ,

पी० एल० हंगटा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 361 प्लाट नं० 11 एघ० नं० 6 सी० टी० एस० नं० 78, 79 और 80 विलेख संख्या नं० एस० 1157/78 है तथा जो कर्ला आगरा रोड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन,

1 श्रीतकाराम बी० साटम

- 2 मिसेस सरस्वती बाईफ श्राफ बी० साटम
- 3 श्री बास्देव वी० साटम
- 4 माया टी० साटम
- 5 सदानंद टी० बी० साटम
- 6 विजय कुमार टी० वी० साटम
- 7 विद्या टी० वी० साटम
- 8 राजेण टी० वी० साटम

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री खान ग्रखलक ग्रलीखान ह्यातम ग्रली खान
 - (2) महम्मद ग्रन्वरग्रलीखान ग्रखलक ग्रलीखान
 - (3) श्रीमती हजरा बेगम प्रखलक प्रली खान की पत्नी

(प्रन्तरिती)

- 1, एम० कुमार नायर
- 2 एम० कुमार नायर
- 3 एम० कुमार नायर
- 4 शंभ शेट्टी
- 5 शंभुशट्टी
- 6. लतीफा बी० इस्माइल
- ग्रलखलखान गफ्र खान
- 8 हसनखान गफुरखान
- 9 श्रातुल मनीलाल शहा
- 10 राजबाली मंथजी जीलानी
- 11 वेलनोन स्टेशनरी
- 12 उद्यम सिंह
- 13 शंकरजीराय
- 14 एन० जी० खान
- 15 जया गटंटी
- 16 महम्मद हुसैन नूर सुहम्मद
- 17 दर्शन सिंह उद्यम सिंह
- 18 तयाब बी० बनीउल्लाखान
- 19 भ्रब्दुल करीम श्रादम
- 20 जैंड०ए०खान
- 21 पी० शाम राय मेट्टी
- 22 परमेर ब्रदस
- 23 शेरवर हुसैन खान
- 24 खान ग्रखलक ग्रली
- 25 राम केरल पांडे
- 26 एस० रहमत म्राली दौलत म्राली।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकरेंगे।

स्थव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनु सूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1157/78 **बंबई** उप-रजिस्ट्रार श्रधिकारी द्वारा दिनांक 14-11-1979 रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एल० रुंगटा, सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, बंबई ।

दिनांक: 11-7-1980

मोहरः 🖔

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, बंबई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० ग्रार०-II/2907-35/नवम्बर-79—श्रतः मुझे, ए० एच० तेजाले,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० क्यू० ए० एस० नं० 8 से 13 है तथा जो बीलेज मागथाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनृश्चची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बांदरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28 नवम्बर, 1979

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिश्वयों अर्थातः——

शिश्रीचंद परमानंद हिन्दुजा, नारायणदास कनैयालाल हिन्दुजा ।]

(ग्रन्तरक)

2) बी० एण्ड टी० श्राफीणियल्स की० श्रा० हाउःसिंग सोसायटी लि०

(ग्रन्तिरती)

3 1. भीमती एम० एम० कुलकणीं

- श्री डी० ए० श्रीगारपूरे
- 3. श्री बी० सलियन
- 4. श्री ए० योहना
- 5. श्रीमती बी० जी० सलियन
- 6. श्री सी० बी० रेडकर
- 7. श्री एम० वी० मिस्त्री
- 8. श्री टी० एन० कूटटी
- 9. श्री ही ० एन ० रलाम
- 10. श्री एस० बी० सावंत
- 11. श्रीमती डी० शक्तला
- 12. श्रीमती ए० वी० रोनांय
- 13. श्रीमती एस० श्रार० मोने
- 14. श्रीमती साविद्धी ग्रमिन
- 15. श्रीमती सी० ग्रहनगम
- 16. श्रीमती जे० बी० डिसोझा
- 17. श्रीमती एम० ए० कि पलानी
- 18. श्रीमती सांतम्मा पी० भ्रार०
- 19. श्रीमती एच० एच० शिदे
- 20. श्रीमती एम० एम० वासावन
- 21. श्री एस० एम० मेलमानी
- 22. श्रीमती सी० के० राधामल
- 23. श्रीमती ए० एम० पिल्ले

2.4. श्रीमती पी० ए० वैद्य

(बह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 852/78 जाइंट सब रिजस्ट्रार 4 ग्रंदद्रा द्वारा दिनांक 28-11-1979 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० एच० तेजाले, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रिर्जन रेंज-ग्रा, बम्बई ।

दिनांक: 15-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1511-ए/देहरादून/79-80—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० 5 है तथा जो सीमेंन्ट रोड देहरादून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय गाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्षत ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

षत, धन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः — 1. श्रीमित णान्ति देवी स्वयं धर्म पित्न स्व० जगदीण प्रसाद गुप्ता मुभाषचन्द्र गुप्ता 3 श्रीमिती सुभाष राती श्री सबोध चन्द्र गुप्ता 5 श्री णरद चन्द्र गुप्ता मुदेणजन्द्र गुप्ता 5 श्री-मित्ती शिवा गुप्ता 8 श्री सवेश चन्द्र गुप्ता नं० 2 ता० 8 पुत्र स्व० जगदीश प्रसाद गुप्ता द्वारा श्रयनी मुख्तार पुत्तियां श्रोमती णांति ददीसब निवासी नं० 4 सिमेन्ट रोड, दूहरादन

(श्रन्तकिक)

2. श्रीमती शमलेण गोयल धर्म पहिनी श्री कंवरसेन गोयल निवासी खतौली जिला मुजफ्फर नगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति नम्बर 5 सिमेन्ट रोड देहरादून का भाग जिसम तीन दुकान धलग में जीना मुध्तरका पीछे रहने के तीन कमरे सब दो मंजिला नीचे व सम्बन्ध की भूमि का क्षेत्रफल 147,64 वर्ग मीटर हैं तथा जो 35,000/- रुपये का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 19-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० $1415-\frac{\pi}{3}$ ग्रर्जन/बुढाना/79-80—-ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मुजफ्कर नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्कर नगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख 5-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; और/या
- (स) ऐती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज करी उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः—

- 1. श्री तुगलपुष्व रामहिया कश्यपराजपूत निवासी ग्राम सतेमपुरमजरा व डा० व० पर० कांधवा तह० बुढ़ाना जिला मुजफ्कर नगर (श्रन्तरक)
- 2. श्री लियाकत व जहुर पुत्र गण श्रलीमोहम्मद निवासी मलकपुर व मरिहसनपुत्र तुगल नि० काधला हर एक डाक व पर० कांधला तह० बुढाना जिला मुजफ्फर नगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि कांढला खता नवम्बर 275 खसरा नं० 282 रकवा $6111/2 \times 11$ लगान 19-65 हैं तथा जो 33012/- रुपये में बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 17-7-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० 1574-कानपुर/79-80---यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

कायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक हैं ग्रौर जिमकी सं० भूमि है तथा जो मछरिया कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः; श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा के (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः---

- 1. श्री पृथ्वीनाथ सिंह श्रात्मज श्री शिव सहायक सिंह निवासी ग्राम पोस्ट मिराई जिला फतेहपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रयोध्या प्रसाद व श्रिभमजुयु यादव आत्मज श्री राभाधीन यादव बूटपुर मछरिया परगना व जिला कानपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है. वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1235 रकवा 11 बी० 12 व 1236 रकवा 2 बी० वि० बुक्षपुर मछरिया में स्थित हैं तथा जो 28,900 रुपये की वेची गई।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, कानपुर ।

धिनांक: 17-5-1980

प्रस्प धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर ध्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1609 ए०/मु० नगर/79-80—अतः मुझे, बी० सी० चतर्वेदी,

आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका छचित नाजार मूस्य 25,000/- रूपये से अधिक है, और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मिष्याली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मुजफ्कर नगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 18-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रीष्ठितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धौर/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री पूर्ण सिंह पुत्र सं० गहण सिंह निवासी गांधी नगर कालेनी मुजफ्फर नगर (अन्तिरक)
- 2. खुराना पेपर मिल्स द्वारा जगमोहनसिंह स० बाग सिंह भोला रोड मुजपफर नगर (मकान नं० 81) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि,
 जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपब्टीकरणः --- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नम्बर खसरा, नम्बर $\frac{695/1}{131+13}$ बाके ग्राम मिखियाली परगना व जिला मुजफ्फर नगर में स्थित हैं तथा जो 83,679.75 रुपये की बेची गई।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घ्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-7-80

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।--

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1476 ए०/गाजियाबाद/79-80—-ग्रनः मुझे, बी०सी० चतुर्वेदी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं भौर जिसकी सं० प्लाट 37 है तथा जो गान्धी नगर गाजियावाद है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिकाल के लिए भग्तरित की नई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत श्रष्टिक है और प्रन्तरक (प्रग्तरकों) पौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्श्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उक्त ग्रीवित्यम के ग्रीति कर देते के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमे बचते में मुतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिष्टानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्टित्यम, या छन-कर भ्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 268-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री श्रनिल कुमार गोयल पुत्र श्री बेदप्रकाश गोयल निवासी राधापुरी हापुड़ तहु० जिला गाजियाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाण रानी पत्नी श्री नाथराम 1/4 भाग श्रीमती कैलाण रानी पत्नी श्री कृष्ण दास 1/4 भाग व श्रीमती सरस्वतीदेवी पत्नी बन्राम 1/4 भाग व श्रीमती देवइण्छिया पत्नी श्री सोह्नलाल 1/4 भाग निवासी नेहरू रोड़ जैती तह० व जिला फरीदकोट पंजाब

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इमर्मे प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

एक किता प्लाट नम्बर पैतीस क्षेत्रफल 1286 वर्ग गज स्थित सलेकचन्द्र श्रावयसिक कालोनी निकट गान्धी नगर गाजियाबाद हदबद्वस्तग्राम कैला परगान लोनी तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित हैं।

> बी० सी० चतुर्वेटी सक्षम प्राधिका री सहायक आयकर आयक्त, (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख : 19-7-1980

प्रक्य आहर्. टी. एन र एस. -----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1475-ए/गाजियाबाद/79-80—श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो गान्धी नगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 22-12-1979

को पूर्वोक्त संगित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिकत के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रति-कल निक्नीकिस्त उक्कोरय से उक्त अन्तरण निवित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्स अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, बिस्नुलिखित श्युक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्रीमती कस्तुरी देवी पत्नी श्री सलेख चन्द्र सिंधल निवासी 13 रामाता राम रोड गाजियाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रकाण रानी पत्नी नाथ राम तथा श्रीमती कैलाश रानी, श्रीमती सरस्वती देवी तथा श्रीमती देवी के श्राफ मेंसर्स सचदेव इस्टीलरोलिंगमिल्स प्लाट नं० 33 जी० टी० रोड़ के उत्तर में पो० बाक्स नं० 92 गाजियाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अधै होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट दो हजार तीन सौ म्रारसठ वर्ग गज सलेख चन्द्र कालोनी गान्धी नगर के पास गाजियाबाद में स्थित हैं। श्रौर जो एक 42080 रु० का बेचा गया हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 19-7-1980

भारत सरकार

कार्माना, पर्वक प्रायक्त पावृक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 19 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1611-ए/मुजफ्फर नगर /79-80—-ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर भविनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उनत भविनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के भयीत सभाम शांधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से भिष्क है

ष्मौर' जिसकी सं० मकान 464/2 है तथा जो मिविल लाइन मुजफ्फर नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त मिश्रिनियम के प्रमीन कर वेने के घानरक के शियस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के किए; और/मः
- (ख) ऐसी किसी बाम या किसी धन या घन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर श्रीधनियम, या अन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उभन अधिनियम की द्यारा 269-म के अनुसरग में, में उपत अधिनियम की धार 269-म की धनदारा 1 के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् : 1. श्री सरदार प्रगट सिंह पुत्र सरवार देवीदत्ता सिंह निवासी सम्बल हेडार्ड खास तह० जानसठ जिला मुजक्फर नगर (श्रन्तरक)

2. श्रीमती सरला पत्नी साहवसिंह निवासी बरवाला डा॰ खास पर० बधरा जिला मुजक्फर नगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब, ते 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी म्यक्टिकों पर सूचना की तामील छे 30 दिन की प्रविध, जो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कते 45 दिन के जीतर जक्त स्थावर सम्बक्ति में हित-वस किसी धन्य व्यक्ति हारा, अभोहस्ताकारी के वास शिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इतमें प्रयुक्त मध्दों श्रीर पदों का, जो सबत श्रीजनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिचालित हैं, वहीं अर्व होगा जी उस श्रध्वाय में दिवा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान क्षेत्रफल 350 वर्ग गज नम्बर 464/2 भिविल लाइन दक्षिणी मुजफ्कर नगर में स्थित हैं ख्रौर जो 42000 हु० का बेचा गया है।

> बी० सी० वतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपुर

ता**रीख**: 19-7-1980

मोहर:

2-206GI[80]

प्ररूप आहु . टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
कानपुर श्रर्जन रेंज
कानपुर, दिनोक 17 जुलाई 1980

निर्वेष सं० 1440 ए० गाजियाबाद/79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतर्वेदी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरिस जिसका उत्तित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बेगमाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 3-12-1970

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्स यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बाच एत्स अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अबः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृतिश्वित व्यक्तियों अधित्:----

- 1. श्री चितरंजन शर्मा पुत्र श्री चन्द्र भान शर्मा निवासी 97 राईट गंज गरवी नई बस्ती गाजियाबाव पर लोनी तह० व जिल्ला माजियाबाव (अन्तरक)
- 2. श्री मती विश्वा बती पत्नी श्री देवीदास मित्तल व निवासी केंद्रवा बेगमाबाद परगना जलालाबाद तह० व० जि० गाजिशाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दो किना मकान प्लाट रकवई दो विसवे पुख्ता पानी 303 बर्गगज बाके प्राम बेगमाबाद बुढ़ना प्रत्यद सीमा नगर पालिका मोदी नगर तह० व जिला गाजियाबाद में स्थित है।

बी० सी० **च**तुर्षेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन टेंज), कानप्र

तारीखा: 17-7-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस 🌬

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर म्रर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० गाजियाबाद/79-80---श्रतः मुझे बी० सी॰ चतुर्वेदी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्वात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो औरंगाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरता श्रधिकारी के कार्यालय बुलन्द शहर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-12-1979

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तस् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

कतः अवः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गंके अनुसरण कों, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घंकी उपधारा (1) को अधीन निक्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः --- 1. श्री भ्रतर ग्रब्वास व भ्रमगर भ्रव्वास भ्रजहर भ्रब्वास बास पुत्र नूरजलहसन तिवासी कस्वा भ्रीरंगाबाद पर० बरन जिला बुलन्दणहर (भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कैलाणवती धर्म पत्नी अगंद सिंह बन्दरराम पाल सिंह व देवन्द्रपाल गिंह व कृष्ण पाल सिंह पुत्नगण प्रगंद निवासी खब्बाजपुर परगना बरन व जि० बुलन्दर शहर (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्स्ची

चार किता रकवर्ष 511/2 2 पुख्ता ध्राणी को के करता हूं। जो ग्राम ध्रीरंगाबाद जिला बुलन्दणहर में स्थित है। तथा जो 40,000 रुपये में बेची गई।

बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर, द्रायुक्त (निरीक्षण) (श्वर्जन रेंज) कानपुर

तारीख : 17-7-1980

मोहरः

त्ररूच आईं • टी • एन • एत • →

जावकर जरभीनवज्ञ, 1961 (1961 का 43) कहे भारा 269-व (1) के जधीन तुचना

भारत तरकार

कार्वालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कानपुर म्रर्ज रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1600 ए० गाजियाबाद 79-80---श्रतः मुझे भी० सी० चतुर्वेदी,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि 2317 है तथा जो ग्राम चूहङपुर खादर में स्थित है (ग्रीर इससे उबाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 26-12-1979

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वों क्त सम्पति का उपित बाजार मूल्य, उत्तके क्लानान प्रतिकल ते एते दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ते अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एते अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ते उन्त अन्तरण लिखित में नास्त्रीक क्षेत्र ते किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते इन्द्रं किती शाब् की सावत, उक्त जीभीनवन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व को कनी करने या उत्तते वजने को तृत्रिभा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आब वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारसीय जाब-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं निका नवा था वा विन्ना जाना चाहिए था छिनाने भें स्वैवधा के लिए;

बतु: बत्न, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, बनुतर में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन निकासिबित व्यक्तियों वर्धातु:——

- 1. श्री जिलेराम पुत्त श्री खड़ हिन्ह तित्रासी हाल भूह अपुर खावर पर० दनमीर डा० कासना तह० सिकन्दराबाद जिला बुलन्दणहर (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगवीश सिंह पुत्र गुरश्चन सिंह निवासी गोविन्द सरन श्रदाईपुर पो० महरोली जिला दिल्ली (श्रन्तिरिती) (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्बति के अर्जन के जिल् कार्वनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकालन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि नं० 2314 श्रौर लगानी 125/श्रार० साल-ग्राम चूहडपुर खादर म स्थित हैं जिला बुलन्दनहर है। जीकि 22,500 रु० में बेंची गयी है।

> नी० सी० चतुर्वेदी सम्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्नायुक्त (निरीक्षण) (ग्रजन रेंज), कानपूर

तारीखा: 17-7-1980

प्रस्य प्राई०टी० एन • एस •

आवकर ब्रक्किनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रधीन सूचना

मारत जरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 1603 ए०/सरधना 79-80---श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मैल में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद भनसूत्री में भ्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सरधना में, रिज्रिट्ट्र करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सारीख 21-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है धौर अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बोच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किथा नहीं किया गरा है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत सिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में स्विद्या के लिए;

भतः भव, उन्त प्रशिनियम, की धारा 269-ग के भनुंसरण मैं, उन्न प्रशिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिक्षित स्वक्तियों धर्यात:——

- श्री सय्यव इकतवार हुसैन पुत्र सय्यव भ्रालमवार हुमैन निवासी 430 छत्ता मुमताण भ्राली खैर नगर भाजार मेरठ। (भ्रान्तरक)
- 2. श्री डरकान ग्रली व जमानग्रली व ग्रहसान ग्रली व समान ग्रली व ग्रन्सार ग्रली पुत्र मौसम ग्रली निवासी मैल पर० वौराला तह० सरधना जिला मेरठ। (ग्रन्तिनिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकारत को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंग-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दोक्तरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही ग्रयं होगा जो उत श्रध्याय में दिया गन्ना है।

धनुसूची

कृषि भूमि 24111/3 निवाबी मैल पर० दौराला तह० सरधना जिलामेरठ में स्थित हैं तथा जो 1,40,000 रुपये की बेजी गई।

बी० सी० चतुर्वेषी सक्षम प्राधिकारी सहावक ग्रावकर ग्रायुक्स (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 17-7-1980

प्रकृष आई। टी। एन० एस।---

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1605 ए०/मु० नगर/79-80--प्रतः मुझे, की० सी० चतुर्वेवी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० भूमि 814 है तथा जो गैरनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय मुजफरनगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वाक्स संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- श्री नत्थू सिंह पुत्र भागत सिंह निवासी ग्राम बढ़पर डाक खास तह० बागपत जिला मेरठ हाल निवासी ग्रेरमगर परगना तह० व जिला मुजफरनगर (अन्तरक)
- 2. श्री विरेन्द्र सिंह व सुभाष, राजेन्द्र सिंह, विजेन्द्र सिंह पुत्रगण लटूर सिंह निवासी ग्राम कूकडा परगना तह० व व जिला मुजकरनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखंसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्रची

भूमि खसरा नम्बर 814 का यथोचित 1/3 भाग आके ग्राम शेरनगर परगना व जिला मुजफरनगर में स्थित हैं तथा जो 35,000 रुपये का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर

लारी**खा** : 18-7-1980

मोहरः

प्रकप भाई । ही । एव । एव । ----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही छारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घायुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

बायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके प्रशत् 'उका स्थितियम' कहा गया है), की सारा 269-का व प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ में प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 231एम है तथा जो चूह इपुर खादर में स्थित है (और इंसमे उपाबद्ध ग्रसूनुची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधियारी के बायित सिकन्दराबाद में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 26-12-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम ने वृत्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है भीर मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पत्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रकरक (प्रत्रक्तें) धीर प्रकरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के निए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निवित्तित उद्देश्य से बक्त प्रस्तरण लिकित में वास्तिक रूप से किया गया है:—

- (स) भन्तरण स दुई किसी भाग को बाबत, उक्त ग्राधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के घन्तरक के बागिरव में कमी शरने था उससे बचने में दुविश्वा के निए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाग मर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त मधिनियम, गांधन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकर नहीं किमा एया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में नुधिषा के निए;

अत. श्रव, तक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री चमन सिंह पुत्र श्री खड़क सिंह निवासी हाल चूहड़पुर, पर० कौर डाक० कामना जिला बुलन्दशहर (श्रन्तरक)
- श्रीमती सुरजीत कौर पुत्री ध्रमरसिंह, गोविन्द संदन गदाईपुर पो० महरौली, दिल्ली-30 (ध्रन्तरिती)

ही यह यूचना जारी करके पूर्वीका समानि के अर्थन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, श्री भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीनर पूचीका स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (बा) इस मूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तातीख़ से की दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितद्वाद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताप्तारी के प्राप्त लिखित में किए जा सर्वेग्ने ।

स्पष्टीकरण:--इसने प्रयुक्त गम्दों भीर पर्दो का, जो उत्त प्रक्षितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहां अर्थ होगा, जो उन्न सम्बाध में वियागया है।

ब्रद्भुखी

कृषि भूमि 231 एम० लगानी 125/साल स्थित जाम भूहड़पुर खादरतह० सिकन्दराबाट जिला बुलन्यगहर में स्थित है तथा जो 22,500 रुपये की बेची गई।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, कानपुर।

तारी**ख**: 17-7-1980

मोहर∵

प्रकप आई • टी० एस० एस० ---

जासकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ष (1) को जभीन सूचना भारत सरकार

कार्बालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

मानपुर, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं॰ 1606-ए॰ मुजफरनगर/79-80---म्रतः भुक्षे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 814 है तथा जो शेरनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुजफरनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 6-12-79

अधिनियमं 1908 (1908 का 16) के अधीन ता॰ 6-12-79 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नह्सिकिक क्य से क्रिथत नहीं किया मथा है:----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबब, उक्त लिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अकने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मीलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री ईश्वर सिंह पुन्न करमू नियासी भभोसा डाक खास तह० बुढाना हाल ग्राम घोरनगर पर० च तह० व जिला मुजफर-नगर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विरेन्द्र सिंह व सुभाव, राजेन्द्र सिंह व विजेन्द्र सिंह पुत्रगण लटूर सिंह निवासी ब्राम कूकडा पर० व तह० व जिला मुजफरनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (च) इस सूचना के रूखपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात तित्तित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को 'उक्त अधिनियम', के अध्याव 20-क में परिभाविस हूँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिवा ग्वा है।

घनुसूची

भूमि नम्बर खसरा नं 814 का पर्वोचित 1/3 भाग बाके ग्राम शेरनगर जिला मुजफरनगर में स्थित है तथा जो 35,000 रुपये का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर झायुक्स (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, कानपुर।

तारी**च :** 18-7-1980 मोहर: प्रस्प आई. टी. एन. ऐसं.----

काय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भागां तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,

कानपुर, दिनांक 17 जुलाई 1980

निर्देश सं० 1448-ए/गाजियाद 79-80—म्प्रतः मुझे बी० सी० चतर्वेदी,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट बी० 6 है तथा जो चन्द्र नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 21-12-1980

को पूर्वाकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्रत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त विधिन नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अथित्:—— 13—206GI/80 1 श्री एच० एस० सरना पुत्र श्री बलवन्त सिह् निघासी 161, बलटन स्ट्रीट मैंरठ कैन्ट (ग्रन्सरक)

2 श्री डी० एस० निम पुत्र चौधरी करन सिंह निवासी मकान 181 सैक्टर तीन नई दिल्ली आर०के० पुरम (म्रान्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूजांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में इत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो अक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट बी० 6 क्षेत्रफल 586,66 वर्ग मीटर स्थित सेक्टर 12 चन्द्र नगर गाजियाबाद में हैं। तथा जो 48000 रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी; सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-7 1980

प्रकप धार्ष • डो • एन ० एन ० ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-थ(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनांक 17 जुलाई 1980

निदेश सं० 1599-ए० कानपुर/79-80----ध्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधानगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नथा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उवित बाजार मूल्य 25000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान 92/1 है तथा जो कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-12-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (अंतरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, से निल्लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उनत अधि-नियम के प्रधील कर देव के पात के के दायिल्थ से कतो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐपी किसी भाष या किया धन या भाष्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिवित्यम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रोधनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ुअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः :--- 1. श्री हिन्द स्टेट प्रा० लि० कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

2. श्री शकी उज्जमा कुरेसी 88/333 चमनगंज, कानपुर (म्रन्तरिती)

को यह सूचना अध्ये करके पूर्वनित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अन्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस पूजना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की धनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारी इस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितज द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रिप्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रन् सूची

एक किता मकान 92/1 पुरवा हीरामन कामपुर में स्थित हैं। जो कि 40000 रु० में बेची गयी हैं।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-7-1980

प्रकर बाई०टी•एन•एस•--

भायकर **अधिनियन,** 1961 (1961 का 43) की धारा 26% म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26 जलाई 1980

निदेश सं० 901/म्प्रर्जन/जालौन / 79-80—म्रतः मुझे स्री० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चश्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ध्रधीन सक्तम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० छृषि भूमि है तथा जो मौजा पड़रानी में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय जालीन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्ति बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे गृह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरकों को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अहेश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवत अधिनियम के अधान कर देने के धन्तरक के बायिस्व में कमी करने या घससे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या अन-कर धिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नणिखित क्यन्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्री राधवेन्द्र प्रताप सिंह पुरु श्री सुरेन्द्र प्रताप सिंह निवासी धनौरा परगना व जिला जालौन । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शस्तुधन सिंह व श्री हगा विजय सिंह व श्री गोविन्द्र सिंह निवासी वालिंग पुत्र श्री दरवारी सिंह व श्री हरिवल्वम सिंह नावालिंग पुत्र श्री दरवारी सिंह पत्नी नरायण सिंह एडवोकेट पुत्र श्री दरवारी सिंह निवासी वरैना पर० व० जिला जालौन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी भ**र**के पू**र्वो**क्त सम्पत्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहियां **करता** हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माझीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवश्वि, जो भी श्रविद बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी घरण व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

अनुसूची

एक किता कृषि भूमि मौजा पड़वारी परगना व जिला जालीन म स्थित हैं। जिसका रेकवा 13,93 डि॰ है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 26-7-1980

प्रकप बाई• टी• एन• एस•----

अर्थकर श्रीविभियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन मूचना

भारतं सरकार

कार्यामयः, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

निर्वेश सं० 728/ए वयू० म्रार० III /8081/ यतः मुझे म्राई० वी० एस० जूनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास एउने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं 10A से 10 एच है 10 जे 10 एन, 10 पी ले से 10 प्रारं , 10/1ए से 10/1 एक 10/आई जे ले से 10 प्राई एन और 10/प्राई पी ले से 10/आई प्रोरं तथा जो गवनें में टे प्रेस ट्रस्ट कल स्थित है (प्रोरं इसमें उपाबध प्रनसूची में और पूर्ण हप से विणत है। रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलता में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15-11-1979 को पूर्ण हत सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिभत से प्रधिक है और अन्तरक (अण्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए एय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त भन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप संक्षित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घभीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य प्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के शिए;

भंत: भव, उनत अभिनियम की धारा 268-ए के धनुसरण में, में, उनत प्रधितियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीत, निम्निकिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

- 1 श्री राणी ल त्मी देवी और वेपालका प्रभु संयाम शेर बहाबुर राणा 10, गवर्नमेंट प्लेस इस्ट कला०। (श्रन्तरक)
- 2 इंस्टीटयूर, श्राफ इण्डियन, लेबर, 2, जवाह्ररलाल नेहरू रोड कल०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पति ने प्रजन ने सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखं से
 45 दिन की भवधि या ततसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी बन्य व्यक्ति कारा अकोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उकत मौंस-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10 एसे 10 एच०, 10 जे० से 10 एन०, 10 पि० सं 10 आर०, 10/1ए० से 10/1 एच०, 10/1 जे० से 10/1 एन० और 10/1 पी० से 10/ आई आर० गर्धनं मेंन्ट प्रेस ईस्ट झऊस कलकत्ता में अवस्थित 2 बिधा, 1 कट्टा 10 छटाक जमीन पर मकान का 5/6 हिस्सा जो 15-11-79 तारिर में 1979 का छीड, न० 5917 अनुसार रिजस्ट्रार आफ एसुरेन्स दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

म्नाई० वी० एस० जूनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) 5 ½, रफीम्रहमड किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख 5-8-1980 मोह्र:

प्रकार आहे थी एन एस -----

अर्थायंकारे अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269'-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कांच लियं, सहायक नायकर आधुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसंक, दिनांक 5 श्रगस्त 1980

निर्देश सं० जी० म्नार० जी०/20/79-80—-म्रक्तः मुझे, गो०सि० गीपाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- कं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सै अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एक मकान प्लाट सैख्या 964 सेक्टर 4, अरबन एस्टेट है तथा जो गुड़गांवा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गावां, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 भी 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूवोंक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्मलिकिक उद्वेदियं से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ग्रेडी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, शिम्निल्खित व्यक्तियों अधृत्ः— (1) श्री त्रार० डी॰ मदान
 14/ई/36
 ईस्ट पटेल नगर, नई वेहली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री यू०बी० एस० राम्रो, 69, न्यू कालोनी, गुड़गावां

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पेरित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व किस ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पव्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति एक दुकान प्लाट संख्या 964, सक्टर 4, प्ररबन एस्टेट गुड़गांवा में स्थित है जिसेका श्रीर श्रधिक विवरण कार्यालय, रजिस्ट्रीकर्सा गुड़गांव के रजिस्ट्री क्रमांक 3190 दिनांक 15-11-1979 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-8-1980

मोहरः

SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 1st August 1980

No. F.6/80-SCA(I).—Shri A. P. Bhandari, Officiating Deputy Registrar, Supreme Court of India, has retired from the service of this Registry with effect from the afternoon of July 31, 1980.

The 2nd August 1980

No. F.6/83/80-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shrl P. C. Karmarkar, Personal Assistant to Hon'ble Judge of the High Court, Appellate Side, Bombay, as an officieting Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India Supreme Court of India with effect from the forenoon of August 1, 1980, until further orders.

MAHESH PRASAD
Dy Registrar (Admn. I)

Dy. Registrar (Admn. J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 19th July 1980

No. A.32016/4/80-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-, on an adhoc basis for a period of three months with effect from 15th July 1980 or until further orders, whichever is earlier.

> S. BALACHANDRAN Under Secy. For Secy.

New Delhi-11, the 18th July 1980

No. A.32014/1/80-Admn.I.—On his reversion for the post of Additional Private Secretary to the former Raksha Rajya Mantri in the Ministry of Defence. New Delhi, the President is pleased to appoint Shri P. P. Sikka, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) and officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer in the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the same cadre on purely temporary and ad-hoc basis for a period from 5th July 1980 to 27th September 1980 or until further orders, whichever is earlier.

The 21st July 1980

No. A-19014/9/80-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Karam Chand, a permanent Section Officer from cadre of Irrigation and Power, Ministry of Energy as Under Secretary in the office of Union Public Service Commission w.e.f. forenoon of 4th July 1980 until further orders.

The 29th July 1980

No. A.38013/4/79-Admn.III.--The President is pleased to permit Shri S. R. Khanna a permanent Assistant and officiating Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st July 1980 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Fsts(A), dated the 24th November 1973.

> S. BALACHANDRAN Dy. Secy. Incharge of Admn.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 29th July 1980

No. A-22012/1/80 Ad.V.—Services of Shri M. P. Singh. Dy. Legal Adviser, CBI. Special Police Establishment are placed at the disposal of the National Textile Corporation on deputation w.e.f. 30th June 1980 A.N. on deputation.

The 30th July 1980

No. A-35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspr. General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Bireswar Ganguly Sub-Inspr. of Police Calcutta, on deputa-tion as Inspr. of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the fore-noon of 16th June 1980, until further orders.

No. A-35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Samar Kanti Chowdhury, Sub-Inspr. of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Inspector College Co vestigation GOW Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 11th June 1980 until further orders

The 2nd August 1980

No. A-19021/7/75-AD.V.-Shri B. P. Saha, IPS (1963-Orissa) relinquished charge of the office of Supdt. of Police, CBI, CIU (I), New Delhi on the forenoon of 23rd July 1980. His services have been placed at the disposal of the State Govt.

No. A-19036/DSP/80.Ad.V.-Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to promote the following Inspectors to officiate as Dy. Supdts. of Police in CBI on ad-hoc basis from the date mentioned against their names until further orders :---

Name and Date of promotion

S/Shri

P. S. Dwivedi—18-6-1980 (F.N.). M. Pandirajan-30-6-1980 (A.N.). Verghese P. Thomas-30-6-1980 (F.N.).

No. A-19036/DSP/80.Ad.V.—Director Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint the following deputationist Inspector to officiate as Dy. S.P. in CBI w.e.f. from the date manufactured against their supersupplied by the conduction of the conduction mentioned against their names until further orders:--

Name and Date of appointment

S/Shri

- 1, M. L. Narasimha Murthy-5-6-80 (A.N.).
- 2. M. R. Dani-16-6-80 (A.N.).
- 3. Kalidas Chakraborty—27-6-80 (AN).

Q. L. GROVER Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, R.P. FORCE

New Delhi-110001, the 31st July 1980

No. O II-1467/80-Estt.—The President is pleased to appoint the following as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Coy. Commander) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from dates noted against each subject to their being medically fit.

- 1. Dr. Chandra Bhal-19-6-80 (FN).
- 2. Dr. Surendra Pal-4-7-80 (FN).
- 3. Dr. Surendra Kumar-5-7-80 (FN).
- 4. Dr. P. Chellapillai-11-7-80 (FN).
- 5. Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak-12-7-80 (FN).
- 6. Dr. Kondra Kesaiah—14-7-80 (FN).
- 7. Dr. Yogendra Mittal-19-7-80 (FN).
- 8. Dr. K. Narsimha Rao-17-7-80 (FN).
- 9. Dr. Dilip Parate--22-7-80 (FN),

K. R. K. PRASAD Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 28th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Calcutta Shri S. K. Tab. relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, F.B.P., Farrakka w.e.f. the forenoon of 17th June 1980.

No. F-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Madras Shri C. S. Vardaraja assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 30th June 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Baroda Shri S. K. Arora, Assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF HQrs, New Delhi w.e.f, the forenoon of 11th July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Dewas Shri K. C. Bhoomia assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., (JAO), CISF/N&W Zone, New Delhi w.e f. the afternoon of 5th July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Mangalore Shri T. P. Balakrishnan Nambiar relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF, SZ HQrs, Madras w.c.f. the afternoon of 30th June 1980.

No. F-38013(2)/1/80-PERS.—On transfer from Farraka Shri S. K. Chatterjee, IPS (MT: 69) assumed the charge of

the post of Comdt. CISF Unit, HFC Durgapur w.e.f. the forenoon of 30th June 1980.

No. E-16015(6)/[/80-PI/RS.--On transfer on deputation to LT.I. Rae Barelli, Shri S. K. Kohli relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., (Recruitment). CISF HQrs, New Delhi w.e.f. the afternoon of 10th July 1980.

The 31st July 1980

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer from Bombay Shri A. S. Bhatti assumed the charge of the post of Asstt-Comdt CISF Unit, BIL Bhilai w.e.f. the forenoon of 3rd July 1980.

No. E-38013(3)/9/80-Pers.—On transfer to New Delhi Shri H. V. Chaturvedi relinquished the charge of the post of Asstt-Commandant CISP Unit BIL, Bhilai w.e.f. the afternoon of 27th June 1980.

Sd./- ILLEGIBLE Inspector-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 30th July 1980

CORRIGENDUM

No. 11/15/80-Ad.I.—The name of Shri H. J. Siddalingappa appearing in this office notification of even number, dated 17th June 1980 may be read as 'Shri H. T. Siddalingappa'.

K. C. SETH Dy. Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002 the 29th July 1980

No. 1836/CAI/25-80—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of the Section O (Commercial)			, ,	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as A.O.(C)	Date of posting as A.O.(C)	
1	2			**, ,		3	4	5
S	S/Shri	. ,				<u> </u>		
1. A	A, J. Punjabi .	٠	•	•	•	MAB&Ex. Officio D.C.A. (W.R.) Bombay	MAB, DCA (W.R.) Bombay	6-3-80
2. E	B. N. Paul .					AG, II, W.B. Calcutta	D.C.A. Calcutta -	12-3-80
3. 0	3. N. Murthy	•	•	•	•	A.G. Orissa	A.G. Orissa Bhubaneshwar	14-3-80 (AN)
4.]	N. N. Sharma .	•	•	•		. A.G. Haryana Chandigarh	A.G., Haryana Chandigarh	31-3-80
5, G	Jiriraj Sharan Sharma	•	•	•	•	AG. II, M. P.	AG. Orissa Bhubaneshwar	10-4-80
6· A	. Narayanan .	•	•	•	٠	AG. II, Tamil Nadu	AG, Orissa Bhubaneshwar	3-4-80
7. (Gurcharan Singh Bimbra		•	•	•	AG, Punjab	AG, Assam, etc. Shillong	8-4-80
8. F	C.C. Ananda Rao .	•	•	•	•	C.A.G. Office N. Delhi	AG., Orissa, Bhuban e shwar	10-4-80
9. L	axman Ballabh Sharma		•	•	•	AG, Rajasthan	DCA (Coal) Calcutta	27-3-80
10. T	K.C. Saxena .	-		•	•	A.G. II, U [.] P. Lucknow	DCA; Ranchi	10-4-80
11. 1	Laxml Singh .					DCA, Ranchi	$\mathbf{p}_{\mathbf{c}}$.	18-3-80
12. F	C. Vijayaramanujam					AG. II, T.N. Madras	D.A. (S&CD) Bombay	26-6-80
13· V	V. Andiappan Pillai .				-	A.G. Kerala	DCA; Ranchi	31-3-80
14· V	V. Ganesan .					Do.	no.	31-3-80

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bombay-20, the 23rd July 1980

No. Admn.1/Gcul/31-Vol.III/Cl(1)/5.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri W. Y. Bhagat, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 14th July 1980 FN until further orders.

Sr. Dy. Accountant General/M.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I UTTAR PRADESH, ALLAHABAD

Allahabad, the 24th July 1980

No. Admn.1/C-7A-105/2207.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, the undersigned had given a notice Shri Aquilur Rahman, Clerk, (Personal No. 05/5835) vide this office memo No. Admn.1/C-7A-105/1103 dated 30 May 1980 intimating that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice was served on him. The said notice sent to him by registered post has been returned back to this office undelivered.

The undersigned hereby gives notice that the services of said Shri Aquilur Rahman shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is published in the Gazette.

S. J. S. AHLUWALIA Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQrs. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 23rd July 1980

No. 14/80/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri Leivang KAMJAKHUP as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 20-6-80 (F.N.) and posted at OEF Group HQrs., Kanpur.

The 25th July 1980

No. 15/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Mohlt Kumar Sengupta, Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Asstt. Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority, from 1-7-80 until further orders.

Shri Sengupta will be on probation for two years from 1-7-80.

The 31st July 1980

No. 16/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Pratul Ch. Chattopadhyaya Ty. Asstt., to Offg. Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted), in an existing vacancy, without effect on seniority, from 25-7-80 until further orders.

Shri Chattopadhyaya will be on probation for two years from 25-7-80.

D. P. CHAKRAVARTI ADGO/Admin. for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 1st August 1980

No. EST.I-2(494)/2211.—Shri R. Subramanian, Deputy Director in the Regional Office, of the Textile Commissioner, Coimbatore, has retired from service from afternoon

of 30th April, 1980, on attaining the age of superannu-

M. C. SUBARNA Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 31st July 1980

No. A.19018/321/77-Admn.(G).—In supersession of this office notification of even number dated 26-6-80, the President is pleased to accept the resignation of Shri S. S. Bhosrekar from the post of Deputy Director (Metallurgy), Regional Testing Centre, Bombay with effect from the afternoon of 10th April, 1980.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES Nagpur, the 28th July 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURF, add "TOVEX—100 and TOVFX—200" after the entry "TOEBLAST".

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, Under Class 2---NIT-RATE MIXTURE:

- (i) in the entry "MONOEX" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted;
- (ii) in the entry "PE-1-AE" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted; and
- (iii) in the entry "PULVEREX" for the figures "1980" the figures "1981" shall be substituted.

CHARANIIT LAL
Chief Controller of Explosives

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 25th July 1980

No. 5505B/A-19012(4-SCD)/78-19B.—Shri S. C. Diwan has relinquished the charge of the post of Driller, Geological Survey of India on resignation with effect from the forenoon of 21st July, 1979.

No. 5517B/A-19012(4-RS)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Mineral Exploration Corporation Limited, Shri Ranabir Singh, Driller, has resigned from the services in the Geological Survey of India with effect from 1-10-1977 (F N.).

The 28th July 1980

No. 5613B/50/66/19B.—Shri K. S. Subba Rao received charge of the post of Shift Boss in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Ltd., in the same capacity, from the forenoon of 24-3-1980.

The 31st July 1980

No. 5681B/A-19012(1-MPS)/78-19A.—Shri M. P. Sharma Asstt. Geologist, Geological Survey of India resigned from the said post of Assistant Geologist in the same department with effect from the afternoon of the 20th March 1980.

No. 5694B/A-19012(5-SKS)/78-19B.—On his being permanently absorbed in the Kudremukh Iron Ore Company Limited Shri S. K. Sanyal, resigned from the post of Assistant Chemist in Geological Survey of India with effect from the forenoon of 8-11-78.

No. 5703B/A-19012(Ch.Artist)/80-19A.—Shri R. M. Bhattacharjec, Artist, Geological Survey of India is appointed on promotion as Chief Artist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8-5-80 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM,

Calcutta-16, the 30th July 1980

No. 4-172/80/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. K. Chakraborty, Office Supeintendent to the post of Junior Administrative Officer, at North East Region, Shillong, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 22nd July, 1980.

C. T. THOMAS Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE Dehra Dun, the 25th July 1980

No. C-5639/724-SOS(A).—Shri Bishwambar Singh, Stores Assistant (Sel. Gde.) is appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in Research and Development Directorate, Survey of India, Hyderabad, on ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 30-5-80 (F.N.).

K. L. KHOSLA Major General. Surveyor General of India

Dehra Dun, the 11th August 1980

No. EJ-5645/PF(B.L.Sharma).—The Surveyor General of India is pleased to retire Shri B. L. Sharma who was officiating as Officer Surveyor in No. 70 (Forest) Party (NC), Survey of India, Debra Dun from the Government Service on superannuation with effect from the afternoon of 31st May, 1980.

IQBAL SIDDIQUI Major Engrs., Assistant Surveyor General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the July 1980

No. 3/39/62-SII.—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. B. Ozarkar, Accountant All India Radio, Jalgaon to officiate as Administrative Officer, ad-hoc basis All India Radio Jalgoan with effect from 14-4-80 (F.N.) to 5-5-80 (F.N.).

The 2nd July 1980

No. 29/6/76-SII.—Director General, All India Radio, is pleased hereby to appoint Shri S. D. Bhosale, Farm Radio Reporter All India Radio, Panaji to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Panaji with effect from 4-3-80

No. 29/2/80-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri A. N. Deshmukh, Farm Radio Reporter All India Radio, Nagpur to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Ratnagiri with effect from 9-6-80 (F.N.).

No. 29/ 3/80-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. P. Mahajan, Farm Radio Reporter All India Radio, Parbhani to officiate as Farm Radio Officer, All India Radio Panaji with effect from 7-6-80.

14-206GI/80

No. 29/4/80-SII.—Director General, All India Radio, is hereby to appoint Shri B. K. Shukla, Farm Radio Reporter All India Radio, Bhagalpur to officiate as Farm Radio Reporter, All India Radio Bhagalpur with effect from the forenoon of fourth March, 1980.

S. V. SESHADRI Deputy Director of Administration for Director General

New Delhi, the 31st July 1980

No. 6(21)61-SI.—On attaining the age of superannution Shri S. B. Mukherjee, relinquished charge of the post of Programme Executive, All India Radio, Calcutta with effect from the afternoon of the 30th June, 1980.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-110001, the 4th August 1980

No. A.12025/2/80-Est.—The Directorate of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Gaurisankar Mitra as Senior Artist in a temporary capacity with effect from the forenon of 30th July, 1980, until further orders.

J. R. OKHI
Deputy Director (Admn.)
For Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th July 1980

No. A 12025/21/79(JIP)/Admn.I.—The Directorate General of Health Services is pleased to appoint Dr. A. Balasubramanian, Technical Assistant, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, to the post of Assistant Biochemist at the same Institute with effect from the forenoon of the 12th June, 1980 on an officiating basis and until further orders.

Consequent on the appointment of Dr. A. Balasubramanian to the post of Assistant Biochemist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, Shri P. Ranganathan stands reverted from the post of Assistant Biochemist to that of Technical Assistant in the same Institute with effect from the forenoon of the 12th June, 1980.

The 1st August 1980

F. No. A. 12026/12/79-NMEP/Admn.I.—The president is pleased to appoint Dr. Manoranjan Das, Assistant Director (Ent.), National Malaria Eradication Programme, Delhi on his return from foreign service as Scientist (Ent.) under the Indian Council of Medical Research to the post of Central Coordinating Officer, National Malaria Fradication Programme, on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 27th June, 1980 and until further orders.

S. L. KUTHIALA. Dy. Director Administration. (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES Bombay-44 001, the 31st July 1980

No. DPS/23/6/77/Est./12645.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. O. Jacob, temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-

1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from 19-5-1980 (FN) to 28-6-1980 (AN) vice Shri V. P. Tilloo, Asstt. Stores Officer granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN, Asstt. Personnel Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 12th December 1979

ORDER

NFC/PAV/Dis/1288/SMP/2019.—WHEREAS Shri Ref. NFC, applied for and been sanctioned leave from 4-7-1979 to 7-8-1979. to 7-8-1979;

- 2. AND WHEREAS the said Shri Qader Sheriff did not resume duty on 8-8-1979 on the expiry of his leave, but remained absent unauthorisedly and submitted an application dated 10-8-1979 for extension of leave from 8-8-'79 to 7-9-'79 on grounds of personal work;
- 3. AND WHEREAS the competent authority decided that Shri Quader Sheriff should be asked to resume duty immediately and a communication was sent to him directing Shri Quader Sheriff to report for duty immediately in any case not later than 31-8-'79, vide Memo No. PA-IV/Q-5/SMP/2254 dt. 22-8-1979;
- 4. AND WHEREAS the memo No. PA-IV/Q-5/SMP/2254 dt. 22-8-1979 referred to above sent by Registered Post Acknowledgement Due to the last known addresses, viz. (1) H. No. 17-4-187, Yakutpura, Zandgatta Balla Bazaar, Hyderabad-500 023; and (2) H. No. 17-6-663, Dabirpura, Hyderabad-23 were returned undelivered with the following remarks:

"Party out—N/F 7 days. Hence R/S" in the envelope addressed to H. No. 17-6-663, Dabirpura, Hyderabad-

and

"No such person in this house" in the envelope addressed to H. No. 17-4-187, Yakutpura, Zandgatta, Balla Bazaar, Hyderabad-23;

- 5. AND WHEREAS the said Shri Quder Sheriff has continued to renvin absent and failed to inform the Nuclear Fuel Complex of his whereabouts;
- AND WHEREAS the said Shri Qadar Sheriff has been guilty of voluntarily abandoning service;
- 7. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1945. 1965:
- 8. AND now, therefore, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22 (1)/68-Adm. dt 3-12-1970 and/or under Rules 19 (ii) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri Qader Sheriff from services with immediate effect.
 - Shri Qader Sheriff
 H. No. 17-4-187,
 Yakutpura, Zandgetta, Balla Bazaar Hyderabad-23.
 - 2. Shri Qader Sheriff H. No. 17-6-663. Dabirpura, Hyderabad-23.

N. KONDAL RAO, Chief Fxecutive

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 29th July 1980

No. 05052/80/3321.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shamsuzzaman Khan, a temporary Scientific Assistant (C) of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SR) in the same project with affect of the same project of the same pr SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders,

No. 05052/80/3322.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pooran Mal Jangir, a temporary Scientific Assistant (B) of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Gr. SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

05052/80/3323.—Officer-on-Special No. Water Projects, appoints Shri Krishnakumar Bhagwanji Luhar, a temporary Scientific Assistant (B) of Heavy Water Project (Baroda) to officiate as Scinetific Officer/Engineer (Gr. SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

The 31st July 1980

05052/80/3362.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Bhajan Singh, a quasi-permanent Scientific Assistant B' of Rajasthan Atomic Power Project and officiating Scientific Assistant C of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in Heavy Water Project (Kota), with effect from the forenoon of February 1, 1980 until further orders.

R. C. KOTIANKAR. Administrative Officer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th July 1980

No. AMD-1/38/78-Adm.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Savita Rohatgi as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity, with effect from the forenoon of July 28, 1980 until further orders.

M. S. RAO,

Sr. Administrative & Accounts Officer.

DEPARTMENT OF SPACE PURCHASE DIVISION

Bangalore-560 025, the 19th June 1980

No. 10/3(15)/80-PUR.—Director, Purchase Division, Department of Space is pleased to appoint Shri George Joseph us Assistant Purchase Officer in an officiating capacity in the Purchase Division of the Department of Space with effect from the forenoon of June 9, 1980 and until further orders.

> M. P. R. PANICKER, Administrative Officer-II for Director (Purchase)

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 12th June 1980

No. 10/3(68/75-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, has accepted the resignation from service of the following officers with effect from the afternoon of the dates indicated against their names:—

- SI. No., Name and Designation at the time of resignation & Date
 - 1. Shri V. G. Gowri Sankar Engineer SB-23-2-1979.
 - 2. Shri R. S. Sethuraman, Engineer SB-1-5-1979.

M. P. R. PANICKER Administrative Officer-II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th July 1980

No. A31013/2/78-E.I.—The President has been pleased to appoint the undermentioned two officers to the post of Deputy Director General, in a substantive capacity, in the same post, in the Civil Aviation Department with effect from the dates mentioned against each:-

Sh. G. R. Kathpalia——3-5-1977
 Shri P. K. Ramachandran—23-2-1980

K. VATSA, C Asstt. Director of Administration for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 16th July 1980

No. A. 12025/8/76-F.I.—The President is pleased to appoint S/Shri R. Chinna Durai and Kuldip Rai, Sr. Technical Assistants, to the grade of Scientific Officer, Civil Aviation Department on an officiating basis, in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 w.c.f. 28-6-80 and until further orders.

C. K. VATSA, Assistant Director of Administration

New Delhi, the 29th July 1980

No. A.38013/1/80-F.C.—Shri Shyam Lal, Assistant Communication Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi relinquished charge of office on 30-6-80 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation.

No. A.39012/5/80-F.C.—The President is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Seth, Communication Officer, Aeronautical Communication Office, Bombay Airport with effect from 6-7-80 (AN).

The 31st July 1980

No. A.31011/1/79-EC.—The President has been pleased to sanction substantive appointment of the undermentioned officers in the grade of Deputy Director/Controller of Communication in the Civil Aviation Department with effect from 28-2-1980:——

- 1. Shri S. Majumdar
- 2. Shri S. Balaram
- 3. Shri T. S. Venkataraman
- 4. Shri S. C. Majumdar
- 5. Shri K. V. N. Murthy
- 6. Shri R. S. Goela

Assistant Director of Administration.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 30th July 1980

No. 1/107/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shrl S. S. Gakhar, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhiwala, Dehra Dun, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same station for the period from 21-5-79 to 30-6-79 and from 14-1-80 to 23-2-80, against short-term vacancies, purely on ad-hoc basis.

No. 1/109/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. R. Gogia, Technical Assistant, Ahmed Satellite Earth Station, Lachhiwala, Dehra Dun, as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 14-5-79 to 23-6-79, against short-term vacancy, purely on aul-hoc basis.

No. 1/112/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri R. Dattatri, Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 25-2-80 to 5-4-80, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

No. 1/295/80-EST.—Shri K. K. Swamy, Traffic Accounts Officer, Headquarters Office, Bombay, retired from service on the afternoon of the 31st March, 1980, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA,

Dehra Dun, the 31st July 1980

No. 16/362/80-Ests-I.—On the expiry of his term of deputation, the services of Shri K. C. Goyal, Accounts Officer, FRI & Colleges, have been replaced at the disposal of the Accountant General, Rajasthan, Jaipur, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980.

R. N. MOHANTY Kul Sachiv,

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya.

DIRECTORATE OF O & M SERVICES, CUSTEMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 19th July 1980

No. 1/80.—Shri S. N. Shukla, Junior Analyst of Staff Inspection Unit, Department of Expenditure, Ministry of Finance, New Delhi assumed charge of the post of Junior Analyst in the Directorate of O&M Services, Customs & Central Excise, New Delhi, w.e.f. 14th July, 1980 (FN).

K. J. RAMAN Director

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOM & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 5th August 1980

No. 25/80.—Shri P. K. Sen Gupta, relinquished Charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at New Delhi on 23-6-80 (A.N.) and assumed Charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' in the East Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Calcutta on 5-7-80 (Forenoon).

K. L. REKHI Director of Inspection

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE: M.P.

Indore, the 30th July 1980

No. 11/80.—Consequently upon the recommendation of U.P.S.C. Vide their letter No. F.I/2/79-RD, dated 28-9-79, and our Establishment Order No. 86/80 (C. No. II(31)6-Con/79, dated 28-6-80) Shri Shrinarayan Shrivastava has assumed charge as Superintendent (Textile Engineering) Group 'B', Central Excise, Hqrs. Office, Indore, in the forenoon of 14-7-80.

No. 12/180.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' Shri K. R. Yelkawar has assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Divisional Officer, Jabalpur, in the fore-noon of 21-7-80.

S. K. DHAR Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 30th July 1980

No. I-Tr(6)/79.—The President is pleased to appoint Capt. A. Almedia, an officer on deputation from the Shipping

Corporation of India, Bombay as Nautical Officer on the T. S. Rajendra, Bombay on an *ad hoc* basis w.e.f. 11-7-1979 (F.N.) until further orders.

K. S. SIDHU
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chetana Udyama Sangha Private Ltd.

Bangalore, the 28th July 1980

No. 1416/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chetana Udyama Sangha Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Polymers and Chemicals Private Ltd.

Bangalore, the 28th July 1980

No. 2268/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub. Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Polymers and Chemicals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Sandhymsar Exports Private Ltd.

Bangalore, the 28th July 1980

No. 3191/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub. Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the data hereof the name of M/s. Sandhymsar Exports Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. GRG/20/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 964 in sector 4, Urban Estate situated at Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gurgaon in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri R. D. Madan, 14/E/36, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

(2) Shri U. B. S. Rao, 69 New Colony, Gurgaon. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house on plot No. 964 situated in Sector 4, Urban Estate, Gurgaon and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3190 dated 15-11-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref No. KNL/44/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot with shop opposite situated at Civil Hospital, Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Karnal in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vikas and Shri Romi (Minor) through Shri Satpal Cambhir father and Natural guardian, R/O 276 Model Town, Karnal.

(Transferor)

(2) Dr. Madan Gopal Vishavbandhu S/O Shri Madho Parshad, R/O Karnal, Near Civil Hospital, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot with shop situated at opposite Civil Hospital, Karnal and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 5252 dated 10-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Robtak

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. KNL/45/79-80.—Whereas I, G, S, GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 453 kanals 6 marlas situated at Vill. Jundla Teh. Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Karnal in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 S/Shri Balraj Krishan Kapoor, Balbir Krishan Kapoor, Baljit Krishan Kapoor sons of Shri Mahataj Krishan Kapoor R.O. N-1/15 Friends Colony, New Delhi, 31 Rajptu Road, Delhi, 244/7, Upper Palace, Bangalore.

('Fransferor)

- (2) 1. Shri Narain Singh S/O Sh. Kishan Singh, R/O Jundla
 - 2. Shri Mukand Lal S/O Tulsi Ram
 - R/O Jundla 3. Sh. Nirmal Dass S/O Sh. Munshi Ram R/O Vill. Jundla Teh, Karnal, 4. Sh, Natha Singh S'O Ganda Singh
 - R/O Jundla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being land measuring 453 kanal 6 marla situated at Village Jundla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5538 dated 21-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. KNL/46/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 78 kanal 8 marla situated at Village Jundla Teh Karnal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Karnal in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Botha Ram Attorney of Shri Ramesh Chander, Satish Chander & Meena Parkash, Sheela Ds/O Sh. C. N. Chawla R/O New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Prem Chand, Jia Lal, Mohinder Ss/O Shri Birbal & Babu Ram, Ishwar Singh, Sewa Ram, Siri Ram S/O Shri Phool Singh, Vill. Hathlana, Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 78 kanal 8 marla situated at Village Jundala Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5622 dated 27-12-1979 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-8-1980

(1) Shri Wazir Chand S/O Shri Kishori Lal R/O Ismailabad Teh. Thanesar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Krishnawati W/O Shri Hari Charan Dass, Anaj Mandi, R/O Ishmailabad Teb. Thanesar. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. TSR/13/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A shop situated at Ismailabad Tch. Thanesar (and more fully described in the Scheduled annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thanesar in Jan. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-206GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Anaj Mandi, Ismailabad Teh. Thanesar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4639 dated 24-1-1980 with the Sub Registrar, Thanesar.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. JDR/25/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

No. House No. 84-A, situated at Model Colony, Yamuna-nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jagadhari in Feb., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dina Nath Rawal S/O Shri Gopi Ram Rawal, House No. 84-A, Model Colony, Yamuna Nagar. (Transferor)
- (2) Shri Denesh Kumar Sharma S/O Shri Hari Ram Shashtri, H. N. 450-B, Barhwali Gate, Jagadhari at present H. No. 84-A, Model Colony, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 84-A situated at Model Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5497 dated 29-2-1980 with the sub-registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-8-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th August 1980

Ref. No. CHHL/2/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Double storeyed building situated at vill. Khizarabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chhichhroli in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sat Pal Mehta S/O Shri Chiranji Lal Mehta R/O Khizrabad Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Lal S/O Shri Rulia Ram R/O Vill. Khizrabad Teh, Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, or the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being double storeyed building situated in village Khizrabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 139 dated 26-5-1980 with the Sub Registrar, Chhichhroli.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-8-1980

FORM ITNS----

(1) Sri Ashit Kr. Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahamood Alom & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

Ref. N. Ac-15/R-II/Cal/80-81,-Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1, situated at Kabitirtha Sarani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8-K, 11-Ch. 18-Sq. Ft, situated at Kabitirtha Sarani, Calcutta-23, under P. S. Watgunj. More particularly described in deed No. 6089.

K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 25-7-1980

(1) M/s. John Fowler (India) Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Gillanders Arbuthnot & Co. Ltd.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 25th July 1980

Ref. Ac-16/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SiNHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Netaji Subhas Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-11-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-B, 10-K, 6-CH. 20-Sq. ft. situated at 333/309, Mahatma Gandhi Road Calcutta under P.S. Behala more particularly described in deed No. 6192 dated 30-11-79.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-7-1980

(1) M/s. Homestead Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Chandra Chaudhuri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1980

Ref. Ac-18/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75 situated at Hemnaskar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 9-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 182.489 sq. Mtrs. situated at 75, Hemnaskar Road, Calcutta-10, under P.S. Beliaghata. More particularly described in deed No. 5822 dated 9-11-1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 4-8-1980

(1) Smt. Tafarullah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jabeda Khatoon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 4th August 1980

Ref. No. Ac-19/R-II/Cal/80-81,—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 132 situated at Shiempukur Lane

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6K, situated at Block Q, 132, Shiempukur, Lane, Calcutta-24, under P.S. Metiabruz. More particularly described in deed No. 5279 dated 29-11-1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-8-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1980

Ref. No. ASR/80-81/77.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Friends Colony Tylor Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. R. P. Sethi S/o 3h. Krishan Dass Sethi R/o 50-C Friends Colony New Delhi No 11 now Friends Colony No. 3, Amritan.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Sushila Rani W/o Nand Lal R/o 3 Tylor Road, Friends Colony Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building on area of 416 2/3 sq. mtrs situated in Friends Colony, 3-C, Tylor Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2214/1 dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. I. MAHAJAN (IRS)
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3, Chandpuri Tylor Road, Amritsat.

Date: 30-6-1980 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 12th July 1980

Ref. No. AIR/80-81/78.---Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Property No. 13-A Jail Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR. Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evsion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—206GI/80

(1) Shm.. Balwant Kaur wd/o Bhola Singh, Shmt. Jagdish Kaur Wd/o Gopal Singh, Gurbachan Singh s/o Gopal Singh, S. Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ujjal Singh s/o Kishan Singh No. 360/367 Ci.T. Road, Delhi House No. 13-Λ min Kh. No. 96, Jail Road, Λmritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any
(Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any other (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 354 Sq. yds. (No. 13-A) situated at Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2324/I dated 13-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/79.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one plot of land situated at Sultanwind Rd. Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR. Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurdial Singh & Satnam Singh ss/o Sh. Dhanna Singh r'o VII. Sultanwind Teh Amritsar through Sh. Karnail Singh real brother and mukhtar-aam. (Transferor)
- (2) M/s. S. R. K. Textiles. 193-Basant Avenuc, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 2030 sq mtrs. Khasrano. 558 & 556 situated on G. T. Road (Behind OTC carpet) towards Jullundur between 5-6 km stone Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4893 dated 26-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 9th July 1980

Rcf. No. ASR/80-81/80.--Whereas 1, M. L. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one plot of land at Sultanwind Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Amri, sar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

(1) Sh. Karnail Singh s/o Dhanna Singh r.'o Vill. Sultan Tehsil Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. S. R. K. Textiles 193, Basant Aevenue, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1115 sq. mtrs Khasra No. 559 & 556 situated on G. T. Road (Behind OTC Carpet) towards, Jullundur between 5-6 km stone Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4894 dated 26-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 9-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 10th July 1980

Ref. No. ASR/80-80/81.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land in Green Avenue situated at SR Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chairman Improvement Trust Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Sh. Nandan Lal Bhotika, son of Sh. Gauri Shankar, resident of 38-A, Green Avenue, Amritsar.

 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 381-A measuring 1190 sq. yds situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2315/I dated 13-11-1979 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 10-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th July 1980

Ref. No. $\Lambda SR/80-81/82$.—Whereas I, M. I. MAHAJAN IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot situated on Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shmt. Balwant Kaur wd/o Bhola Singh, Shmt. Jagdish Kaur wd/o Gopal Singh & Gurbachan Singh s/o Gopal Singh, Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o Jail Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) S. Kanwarjit Singh s/o Surjan Singh r/o Chowk Baba Sahib, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 13-A minkhasra No. 96 situated on Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2294/1 dated 9-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3. Chanderpuri Tylor Road. Amritsar

Date: 8-7-1980.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-80-81/83.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. one property in Paris Town, Amritsar.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Darshan Lal s/o Kartar Chand 2351/20, K Gali No. 3, Nawankot, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Vijay Kumar Soni s/o Richpal Chand, Jagdish Kumar Vinod Kumar 3560/18, Paris Town, Batala Road, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building constructed on plot No. 492-493, Khasra No. 492 min. 493 min at Paris Town Amritsar Batala Road near Vijay Nagar, as mentioned in the sale deed No. 4547 dated 7-11-79 of the registering authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.

Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritson.

Date 17/7/1980. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/84,----Whereas, I, M. I., MAHAJAN, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 share of house in Ktr. Bhai Sant Singh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Raj Kumar s/o Harjas Rai r/o Ktr. Sant Singa Amritsar.

(Transferee)

(2) Shmt. Santosh Thapa w/o Sh. Radha Mohan & Phulan Rani w/o Sh. Har Jas Raj r/o Ktr. Bhai Sant Singh Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any Sh. Shashi Pal Kapur (Tailors) 2. M/s, Chawal Refrigeration Engineer & M/s. Chawal Refrigeration Engineers. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half share in H. No. 638/10-4 situated in Katra Bhai Sant Singh Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2276/ I dated 8-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/BJA/80-81/85.—Whereas I, M. I. MAHAJAN, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated on Dera Road, Batala.

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Balbir Singh & Amarbir Singh Advocate ss/o Sh. Inder Singh r/o Batala.
- (2) S/Shri Tarsem Lal Hira Lal Davinder Kumar ss/o Puran Chand r/o Batala.

(Transferor)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 15 marlas situated on Dera Road Batala as mentioned in the sale deed No. 5138 dated 9-11-79 of the registering authority Batala.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. TT/ASR/80-81/86.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS.,

at Tarn Taran on November, 1979

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agrl. land in Vill. Sangar Teh. Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17-206GI/80

(1) Shmt. Piaro wd/o Aji(Singh r/o Bania Tehsil Taran Taran.

(Transferor)

- (2) S/Shii Ajit Singh Jaswant Singh, Kulwant Singh, Balkai Singh ss/o Sh. Dalip Singh s/o Ganga Singh & Malook Singh, Jaswant Singh s/o Haibans Singh r/o Vill. Mughlani Teh. Taran Taran.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 K 5 M situated in village Sangar Teh. Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 4714/dated 2-11-79 of the registering authority Taran Taran.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/87.—Whereas I, M. L. MAHAJAN IRS..

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property at Katra Parja, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Duni Chand s/o Chand s/o Chandu Ram r/o Bazar Kathian Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Sh. Nand Lal r/o Katra Parja, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 399/7 situated in Katra Garba Singh Gali Devi wali as mentioned in the sale deed No. 2212/I dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/88.—Whereas I, M. L. MAHAJAN, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Katra Garba Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. AMRITSAR, in December 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Duni Chand s/o Chandu Ram r/o Bazar Kathianwala, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Sh. Nand Lal r/o Katra Parja, Amritsar.

 (Transferec)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of house No. 399/7 situated at Katra Garba Singh Gali Devi Wali, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2576/I 12-12-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/89.—Whereas I, M. L. MAHAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one property on Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Balwant Kaur wd/o S. Bhola Singh, S. Gurbachan Singh s/o Gopal Singh Shmt. Jagdish Kaur wd/o Gopal Singh & S. Pritpal Singh s/o Gopal Singh r/o 1-Jail Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Dr. Raj Madan w/o S. Ajit Singh r/o 322/3 Rail-way colony Delhi now 13-A Old Jail Road, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property).
- (4) Any other (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One house No. 13-A situated on Jail Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2232/l dated 5-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/90.—Whereas I, M. I. MAIIAJAN, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinaster referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing one property on Jail Road, Amritsar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amiltsar in November 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Gurbachan Singh s/o Gopal Singh & Smt. Jagdish Kaur wd/o Sh. Gopal Singh, Pritpal Singh s/o Gopal Singh & Smt. Balwant Kaur wd/o Bhola Singh r/o l-Jail Rd, Amritsar.

(Transferor)

(2) Miss Jagrai Kaur d/o Narinder Singh r/o 13-A Jail Road, (Old) Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house (area 257.60 sq. yds.) No. 13-A situated on Jail Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2213 dated 2-11-79 of the registering authority Amritsar.

M. L. MAHAJAN IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 17-7-1980.

NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **AMRITSAR**

Amritsar, the 25th July 1980

Ref. No. ASR/80-81/91.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One property in Vijay Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Raj Kumar, Kailsh Chander ss/o Badri Narain House No. 156 Gali No. 4, Vijay Nagar, Bil Road, Amritsar.
- (2) Sh. Surjit Singh s/o Bhagat Singh r/o Plot No. 8, Vijay Nagar. Gali No. 4, Batala Road, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenants(s) if any [Person in accupation of the property].
- (4) Any other [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property consisting of plot of area 513 sq. yds situated in Gali No. 4, Vijay Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 4721 dated 16-11-79 of the registering authority Amritsar.

> M. L. MAHAJAN IRS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 25-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/302/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 33% share in Plot No. 136. situated at Sector 28A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maj. Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri, DSO, OBE (Retd.) S/o Late S. Harnem Singh, 52, Sector 16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath Kohli S/o Sh. Harnam Dass Kohli, R/o House No. 58, Grain Market, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

33% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 1747 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15th July 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/400/79-80.---Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

34% share in Plot No. 136 situated at Sector 28A, Chandigarh.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in Nov. 1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Major Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri D.S.O. OBE (Retd.) 52, Sector 16A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar Kohli S/o Sh. Harnam Dass, R/o 58, Grain Market, Chandigarh.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1745 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15th July 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/301/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. 33% share in Plot No. 136, situated at Sector 28A Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 18—206GI/80.

(1) Maj. Gen. Gurbaksh Singh, Padam Shri D.S.O.

16A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Partap Kohli S/o Shri Harnam Dass Kohli, 58, Grain Market, Chandigarh.

OBE (Retd.) S/o Late S. Harnam Singh, 52, Sector

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

33% share in Plot No. 136, Sector 28A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1746 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15th July 1980

1. .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/316/79-80,---Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential Plot No. 1106,

situated at Sector 34C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh. in November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Charanjit Singh Grewal S/o Sh. Ajaib Singh Grewal, Kharar through special power of attorney Sh. V. P. Sood S/o Sh. Thakur Dass r/o House No. 1130, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Bedi S/o Shri Dayal Singh & Smt. Sheela Wanti W/o Sh. Inderjit Bedi, R/o House No. 9, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1106, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1799 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15th July 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/309/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Residential Plot No. 1596 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Lt. Col. M. L. Sachdev S/o Shri Mohan Singh R/o SCO 8-9, Sector 17B, Chandigarh, through his general power of attorney Shri Avtar Singh S/o Shri Kundan Singh, R/O SCO 8-9, Sector 17B, Chandigarh.
- (2) Shri Jagdish Singh Ghuman S/o Shri Lachman Singh, through Attorney Major Chandan Singh R/o 649, Sector 33B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1596, Sec. 33 D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1765 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/304/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1166 situated at Sector 18C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sant Ram S/o Shri Tulsi Ram R/o House No. 304, Sector 33A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ram Lal Kapoor S/o Shri Ishwar Dass Kapoor,
2. Shri Parhlad Kapoor S/o Shri Ram Lal Kapoor,
3. Shri Chander Mohan Kapoor S/o Shri Ram Lal Kapoor,
all R/o House No. 1166, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Shanti Lal Manjal R/o House No. 1166, Sector 18C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1166, Sector 18C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1756 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/315/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 3081 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Cap. Gurkirpal Singh Dhillon S/o Major Mohinder Singh Dhillon R/o B-5/21, Safdar Zang Enclave, New Delhi, through special power of attorney Smt. Raminder Kaur W/o Shri Bhagat Singh, R/o House No. 102, Sector 36Λ, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Miss Bhupinder Kaur
 D/o S. Mehar Singh,
 R/o House No. 3403, Sector 35D, Chandigarh.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3081/Sector 35D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1794 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/336/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Residential Plot No. 3024 situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Ex-Cap. Surinder Kumar S/o Shri Charanji Lal, R/o House No. 259, Nimeri Colony, Delhi-52, through his special power of attorney Shri Brij Mohan Handa S/o Shri Sant Ram Handa R/o H. No. 318/11-4, Kucha Mishar Mahabali Partap Bazar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Handa W/o Shri Brij Mohan Handa, H. No. 318/11-4, Purtap Buzar, Kucha Misher Mahabali, Amritsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3024, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1876 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/339/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1684 situated at Sector 34D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Shri Gian Chand Verma
 S/o Shri Shambhu Ram,
 R/o SCF No. 16, Sector 23C, Chandigarh.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1684, Sector 34D, Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed No. 1879 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG,
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/335/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1725 situated at Sector 33D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col. Kamaljit Singh S/o Shri Harbans Singh R/o V & PO Toosey, Tehsil Jagraon,

(Transferor)

(2) Smt. Kartar Kaur Dhaliwal W/o Shri Inder Singh Dhaliwal, R/o Vali PO Toosey, Tehsil Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Residential Plot No. 1725, Sector 33D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 1870 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/328/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 512, situated at Sector 33B, Chandigarh 6and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Gen. Jasbir Singh Nanda S/o Shri Gobind Singh Nanda C/o Headquarters Eastern Command, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mrs. SushmaD/o Late Shri Vasudev,R/o 1161, Sector 15B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 512, Sector 33B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1840 of

(The property as mentioned in the sale deed No. 1840 of November 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

Scal;

19-206GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/325/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Residential Plot No. 157 situated at Sector 36A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, passely:—

- Lt. Col. Miss Krishan Jit Kaur D/o Late Shri Chanan Dass Bajaj, R/o C-311, Defence Colony, New Delhi, through her general power of attorncy Col. Hari Singh S/o Late Shri Amir Singh, R/o C-311, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur W/o Late Shri Mohan Singh, R/o House No. 2840, Sector 37C, Chandigarh, through her general power of attorney Shri Labh Singh S/o Shri Mangal Singh, R/o House No. 2840, Sector 37C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 157, Sector 36A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1826 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/326/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana,

Plot No. 1229, situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kuldip Singh S/o Shri Jaswant Singh, R/o 1275, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

 Smt. Sohinder Pratima W/o Shri Kulbir Singh, R/o 42, Model Town, Ambala City.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1229, Sector 34C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1831 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980 Ref. No. CHD/318/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 122, situated at Sector 33A, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Subedar Niranjan Singh S/o Shri Gancsha Singh R/o V. Dhanaulal P.O. Manela Via Khamanon, Distt. Ropar through his special power of attorney Capt. Vinod Choudhry, R/o House No. 1277, Sector 34C, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Shri Anil Choudhry S/o Shri Sham Lal Choudhry R/o V.&P.O. Rahon, Tch. Nawanshehar, Distt. Jullundur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 122 Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1809 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

(1)Shri J. L. Sharma S/o Shri Rup Lal Sharma R/o House No. 3277, Sector 35-D, Chandigarh. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shashi Prabha Chaudhary W/o Shri Om Kumar Chaudhary, R/o House No. 1212, Sector 22B, Chandigarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. **LUDHIANA**

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ludhiana, the 15th July 1980

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Residential Plot No. 3373 situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Ref. No. CHD/314/79-80.—Whereas, I, SUKHDEY CHAND

Rs. 25,000/- and bearing

Chandigarh in November, 1979

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3373, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1786 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/306/79-80.—Wherens, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential House No. 153, situated at Sector 27A, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. Tara Dudeja
 R/o House No. 155, Golf Link, New Delhi-3, through her general attorncy
 Shri Jagan Nath Dudeja
 S/o Shri Gulab Rai Dudeja
 R/o House No. 155, Golf Link, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) S. Darshan Singh S/o Shri Sunder Singh R/o House No. B-257, Naraina Industrial Area, Phase-I, New Delhi.

(Transferce)

(3) Shrl Shadi Lal Sharma R/o House No. 153, Sector 27A, Chaudigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 153, Sector 27A, Chandigarh,

(The property as mentioned in the registration deed No. 1761 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandlgarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhlana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/321/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Residential Plot No. 1844 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Major Chander Mohan Anand S/o Shri Tek Chand Anand R/o 6/1, Stuff Road, Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) S/Shri Kulvinder Singh and Simerjit Singh, Ss/o Shri Inder Jit Singh Sekhon, & Miss Kulwant Kaur D/o Shri Sarup Singh, R/o Kamana Gate, Faridkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1844, Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1822 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/308/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Booth No. 106, situated at Sector 28D, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Balbir Kumari W/o Shri Tarsem Chand, R/o 10, Hem Kunt, New Delhi through Col. Thakur Singh S/o Shri Dayal Singh, R/o 65, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Kamaldeep Singh & Shanandeep Singh Ss/o Shri Dalip Singh R/o House No. 3034, Sector 19D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Amar Nath R/o SCO 121, Sector 28-D, Chandigarh, (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booth No. 106, Setor 28D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1764 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/480/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludbiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot measuring 398 sq. yards situated at behind Ravi Cold Store, Civil Lines, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : 20-206 GJ/80

(1) Shri Brij Mohan Malhotra S/o Shri Nathu Ram Malhotra S/o Shri Ram Chand Malhotra R/o Lahori Gate, Kapurthala now at 116, Bharat Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal Tangri S/o Shri Rattan Chand R /o 49/22, Harpal Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 398 sq. yards, situated behind Ravi Cold Storage, Civil Lines, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3930 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/362/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1144 situated at Sector 18C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Harbans Singh S/o Shri Bahadur Jogjodh Singh Paintal, House No. C 7/7, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Bhagwant Rai Arora S/o Shri Bihari Lal, R/o House No. 1144, Sector 18C, Chandigarh. (Transferee)
- (3) Shri Adarsh Kohli, R/o House No. 1144, Sector 18C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House No. 1144. Sector 18C, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 1948 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/320/79-80.—Whereas, I. SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3316, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Dass Gupta S/o Shri Diwan Chand, R/o 3034/23D, Chandigarh through his special power of attorney Shri Charan Dass Mahajan, S/o Shri Brij Lal House No. 3034/Sec. 23D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ujaggar Singh, S/o Shri Chamba Singh & Shri Jaswant Singh S/o Shri Ujagar Singh, both R/o V. Bhagomajra, Distt. Ropar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3316, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1817 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/341/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Residential Plot No. 1729 situated at Sector 33D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of income any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Lt Col. Madan Mohan Parti S/o Shri Dina Nath Parti R/o C-2/52, Moti Bagh, New Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Daljit Kaur W/o Sbri D. S. Marwaha, R/o House No. 1542, Sector 22B, Chandigarh. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1729, Sector 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1884 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. KHR/35/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immortable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 632, situated at Phase-II, S.A.S. Nagar, Mohalli, Distt. Ropar,

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Kharar in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Balbir Kaur Ahluwalia and Shri Y. P. Ahluwalia R/o 2538 Sector 35C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Hakam Singh Verma S/o Shri Jai Singh, R/o Plot No. 632, Phase-II, Mohali. or R/o 17 Hillside Drive Kings Hurst, Bermingham, West Middeldege B37-6 NG.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 632, Phase-II, S.A.S. Nagar, Mohali. (The property as mentiaoned in the sale deed No. 3426 of November, 1979 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/459/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 1-0-17 Bighas situated at Village Daba,

Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohinder Singh S/o Shri Chanan Singh R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd., G.H. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-0-17 Bighas at Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3694 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

THE GAZETTE OF INDIA, AUGUST 23, 1980 (BHADRA 1, 1902)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

OF INCOME-TAX,

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/576/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 1-0-17 Bighas situated at Village Daba, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Dalbara Singh

S/o Shri Chanan Singh R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd., G.H. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-10-17 Bigha at Village Daba, Tehsil

(The property as mentioned in the sale deed No. 4962 of February 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/575/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Inco

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhlana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 1 B-OB-17 B

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Mohinder Singh
 Sho Shri Chanan Singh
 R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd., G.T. Road, Ludhiana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Land measuring IB-OB 17B situated in Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4961 of February, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., I UDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/458/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable proprety, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Land measuring 1-0-17 bighas situated at village Daba Teh. & Dist. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-206GI/80

Shri Dalbara Singh
 S/o Shri Chanan Singh
 R/o Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Oswal Woollen Mills Ltd., G.T. Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1-0-17 Bighas at Village Daba, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3693 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/487/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under-Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SCF No. 4-1. (Municipal No. B-XX-1195/226) situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ludhiana in November, 1970

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mansa Ram
S/o Shri Devi Chand
S/o Shri Jagat Ram,
R/o 54, Shakti Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Smt. Harnam Kaur
 W/o Shri Jagmohan Singh,
 R/o 26-Public Park, Ganga Nagar (Rajasthan).
 (Transferee)
- (3) Superintendent, Customs & Central Excise, Range-I, II & III SCF-4-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immavable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 4-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4047 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/303/79-80.—Whereas, I, SUKHDFV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isomovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1878 situated at Sector 34D, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 19(8 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kuldip Singh Ghura
 S/o Shri Ladha Singh Ghura,
 through his general power of attorney
 S. Manohar Singh,
 S/o Shri Mota Singh,
 R/o SCO No. 139-141, Sector 17C,
 Chandigarh.

(Transferor)

(2) S. Harbans Singh S/o Shri Mangal Singh & Mrs. Hardyal Kaur W/o Shri Harbans Singh, R/o House No. 2, Sector 28A, Chandigath.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1878, Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1752 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/330/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

House No. 3296, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Harinder Kaur W/o Lete Sh. Chandan Singh, Smt. Kuldip Kaur Sandhu W/o Sh. Kulwinder Singh, Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Jagmail Singh, Smt. Bhagwant Kaur W/o Sh. Harsharan Singh through general power of attorney Smt. Harinder Kaur W/o Late Sh. Chandan Singh, R/o House No. 3341/21, Chandigarh.
 (Transferor)
- (2) Shri Jawala Parshad Chaursia S/o Shri Baini Parshad Madho, Smt. Lila Wati W/o Shri Jawala Parshad Chaursia, Shri Naresh Kumar S/o Shri Jawala Parshad all R/o House No. 1069, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Manjit Singh, Shri Madan Lal S/o Shri Jagdish Ram & Shri Manmohan Singh all R/o House No. 3296, Sector 35D, Chandigarh,

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3296, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 1851 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/342/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Asstistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Residential Plot No. 1747 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurbachan Singh S/o Shri Ishar Singh through his attorney Smt. Surjit Kaur W/o Shri Gurdev Singh, R/o 3264, Sector 19D. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh S/o Shri Chhajja Singh, R/Q House No. 3264, Sec. 19D, Chandigarh at present House No. 1747, Sec. 34D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri Sunder Singh Sckhon,2. Shri Ranjit Singh,both R/o House No. 1747, Sec. 34D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot No. 1747. Sector 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1886 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/313/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiann

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Residential Plot No. 1025,

situated at Sector 37B, Chandigarh.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarn in November, 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashwani Kumar Verma, s/o Sh. Guinda Ram Verma, and Smt. Shoghe Verma w/o Sh. Ashwani Kumar Verma, House No. 1218, Sector 21B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh Chawla, 5/0 Shri Hira Singh, r/o of House No. 1618, Sec. 36D, Chandigech.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1025, Sector 37B, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1771 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDIHANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. LDH/485/79-80.—Whereas I, SUKHDFV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 30-A, measuring 1000 Sq. yds. situated at Extension Scheme, Indi. Area 'A' Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or ary moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj, Kapoor s/o Sh. Mukund Lal s/o Sh. Amritsaria Mal Kapoor c/o M/s Raj Brother, Raman Market, Ludhiana. Now at philli gate, Jagraon.

(Transferor)

(2) M/s Bindra Industry and Foundry works through Sh. Madan Lal r/o 25-A Extension Scheme Industrial Area 'A' Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30-A, measuring 1000 Sq. yds. situated at Extension Scheme, Industrial Area, 'A', Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4025 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Central Revenue Building Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/166/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Property (Area 92 sq. yds.)

situated at Sadar Bazar, Nabha.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nabha in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

(1) Shri Bishan Kumar Malhotra s'o Sh. Shomji Doss Malhotra Ryo Puram Nabhi, Nabha now at 189A, Rajauri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Achhru Ram s.o Sh. Milkhi Ram R.o Purani Nabhi, Nabha, Distt, Patiala.

(Transferce)

(3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)

(ii) Sh. Sorinder Pal Singh (iii) Sh. Rottan Lal

R o Purani Nabhi, Nabha

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from, the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property (Area 92 sq. yds.) at Sadar Bazar, Nabha. (The property as mentioned in the sale deed No. 1921 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Nabha.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/168/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property (Area 265, 5/9 sq. yds.)

situted at Purani Nabhi, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nabha in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bishan Kumar Malhotm 8/0 Shri Shamji Dass Malhotra, r/o Purani Nabhi, Nabha now at 189A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shij Ram Gopal's o Sh. Milkhi Ram i o Purani Nabhi, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

- (3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)
 - (ii) Sh. Surinder Pal Singh
 - (iii) Sh. Ratton I ol r/o Purani Nabhi, Nabha.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House Property (Area 265.5/9 sq. yds.) at Purani Nabhi, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed. No. 1923 of Nov. 1979 of Registering Authority, Nabha.

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

Seal:

22-206GI/80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDIHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. NBA/167/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property (area 51,70 sq. yds.) situeted atat Sadar Bazar, Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nabha in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bishan Kumar Malhotra s/o Sh. Shamji Dass Malhotra, r/o Purani Nabhi, Nabha now at 189A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal s/o Shri Milkhi Ram s/o Sh. Chhotu Ram r/o Purani Nabhi, Nabha.

(Transferce)

(3) (i) Sh. Uttam Chand (Goldsmith)

(ii) Sh. Surinder Pal Singh

(iii) Sh. Rattan Lal

1/0 Purani Nabbi, Nabha.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property (area 51.70 sq. yds.) at Sadar Bazar, Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1922 of November, 1979 of the Registering Authority, Nabha.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/338/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 /- and bearing

Property No. 701

situated at Sector 22 A, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri Labh Singh S/o Sh. Daya Singh, r/o House No. 701, Sector 22A Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Kanwar Singh s/o Sh. Dava Singh. r/o House No. 701, Sector 22A, Chandigarh.
- (3) 1. Sh. Ved Parkash 2. Sh. Milkhi Ram 3. Sh. Nar Singh
 - 4. Sh. Subash
 - 5. Sh. Rajinder
 - 6. Miss Saroi 7. Pritam Paul
 - 8. Nirmal Pal
 - Narinder Pal Singh

 Sh. Kanwar Singh all r/o H. No. 701, Sector 22-A, Chandigarh. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 701, Sector 22A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1878 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING,

LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/337/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 2385 Sector 35-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in November, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajinder Kaur wd/o Late N/Sub, Index Singh through General Attorney Sh. Sarwan Singh r/o H. No. 65, Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Ajmer Kaur w/o Sh. Daulat Ram Bhalla & Sh. Daulat Ram Bhalla s/o Sh. Dasondhi Ram Bhalla r/o H. No. 623, Sector 7-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Sh. Harnam Singh r/o
Plot No. 2385, Sector 35-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2385 situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1877 of November, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th July 1980

Ref. No. CHD/373/79-90.—Whereas I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 1331,

situated at Sector 34C, Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Major Satish Kumar Grover s/o Sh. Mool Raj Grover, r/o M-23/B, Malwia Nagar, New Delhi at present c/o Headquarters, C.W.E, Jullundur Cantt. (Pb.)

(Transferor)

(2) S/Shri Kuldip Singh, Jaspal Singh, Inderjit Singh Ss/o Shri Harbans Singh, House No. 1331, Sec. 34C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1331, Sector 34C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1990 of December, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15-7-1980

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd July 1980

Ref. No. LDH/456A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-28-3566,

situated at Cheema Park, Model Gram, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kartar Singh s/o Shri Arjan Singh & Smt. Kartar Kaur w/o Shri Kartar Singh r/o B/28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Dhir s/o Shri Hans Raj & Smt. Kanta Rani w/o Kewal Dhir, B-28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-28, 3566, Cheema Park, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 3666 of Nov. 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 22nd July 1980

Ref. No. LDH/461A/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-XXVIII-3566, situated at Cheema Park, Model Gram, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which

Ludhiana in November, 1979

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kartar Singh s/o Shri Arjan Singh & Smt. Kartar Kaur w/o Sh. Kartar Singh r/o B. 28/3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiann.

Transferor)

(2) Shri Kewal Dhir s/o Shri Hans Raj & Smt. Kanta Rani Dhir w/o Shri Kewal Dhir, B/28/3566, Model Gram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XXVIII-3566, Cheema Park, Model Gram, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3729 of Nov., 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 22-7-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 10th June 1980

Ref. No. AR-II/2892-20/Nov. 79.—Whereas, I, A. H. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 282 & 285 of T. P. S. III, C.T.S. No. 120 situated at Village Eksar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 27-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition, of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parvatibai S. Thakur & Anr.
- (Transferor)
- (2) Saikripa Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferce)

- (3) 1. Shri Karmbelkar M. Ramkrishna
 - 2. " Malvankar Charushila C
 - 3. " Hodavadekar Nilkandha A
 - 4. " Ghatkar Gopal D
 - 5. " Patil Sarla Moreshwar
 - 6. ., Patil Rajani M
 - 7. " Kadam Snehalata N
 - 8. " Sawant Leena S
 - 9. " Parab Sulochana G
 - 10. " Naik Ashalata C
 - 11. " Fransis Antoni G
 - 12. .. Sawant Vaishali Y
 - 13. " Save Dattatraya N
 - 14. " Fernanded Perina B
 - 15. " More Gulab N
 - 16. " Patil Pardeshi S
 - 17. ., Patil Shridhar L
 - 18. " Lele Anuradha A
 - 19. " Karve Vaishali R
 - 20. " Mahadik Madhuri M
 - 21. " Mankame Chitra M
 - 22. " Raut Pramila N
 - 23. " Salunke Vaman A
 - 24. " Chitnis Sharadchandra P
 - 25. " Shiv Urmila P
 - 26. " Chaudhari Surendra
 - 27. " Raut Narendra D
 - 28. " Shelar Harischandra K
 - 29. " Patil Magan K
 - 30. , Malonkar Harshalata A
 - 31. " Palande Sailaja A
 - 32. " Sawant Rashimi R
 - 33. " Raut Vilmal H
 - 34. " Dalvi Hirabai N
 - 35. " Gyte Madhuvanti G
 - 36. " Chalke Chandana C
 - 37. " Phadke Lalit G
 - 38. " Pandit Lakshmikant C
 - 39. .. Wadekar Pratiba V
 - 40. " Belwaikar Rajani R
 - 41. " Shri Khairmode Lochana T
 - 42. .. Satoskar Jaywant R
 - 43. " Banvli Uaiwata S
 - 44, .. Kondvilkar Maya G

45. Shri Kothare Narayan N

46. " Tharthare P. R

47. " Chubal Sanjivani A

48. " Bhide Gopal Tryembak

49. " Parab Kamal J

50. " Wagle Anita S

51. " Marya Reni Grace

52. " Patil Dinkar N

53. " Khadekar Vatsala N

54. " Shinde Rajaram S

55. " Kulkarni Sharav M

56. " Ghaved Vasant G

57. " Vartak Vimal V

58. " Chauhan Shashikala D

59. " Thakur Subhadra M

60. " Patole Usha B

61. " Save Pushpa P

62. " Karnik Sudha D

63. , Wadekar Bharti M

64. " Datar Shripad N

65. " Nabar Mangala S

66. " Korgaonkar Gurudas B

67. " Shinde Sarojini R

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

23 -206 GI/80

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.1178/79 and registered with the Sub-registrar of Bombay on 29-11-1979.

A. H. TEJALE Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 10 6-1980.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1980

Ref. No. AR-I. AP.141/80-81.—Whereas, J. P. L. ROONGTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 669 situated at Melabar & Cumballa Hill Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1979 Document No. 653/71, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property as afreesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

- (1) 1. Maharajkumar Rajendra Singhji Daljit Singh, 2. H. H. Maharaja Shri Daljitsingh Himmatsingh
 - 3. H. H. Maharani Manhar Kunverba.

(Transferor)

(2) M/s Unique Enterprises Co-op, Hsg. Soc. Ltd.

(3) Name of tenants

(Transferee)

Name of tenants

- Smt. Pushpa S. Chheda
 Shri R. M. Shastry
 Shri K. H. Bharmal
 Smt. Hemlata B. Shroff
- 5. Smt. Indra B. Lulla
 6. Oriental Fire & Gen. Insurance Co. Ltd.
- Shri J. M. Maneckji
 Crescent Dyes & Chemicals Ltd.

- 9. Shri R. S. Chadda
 10. C.A.F.J., Ltd.
 11. Crescent Dyes & Chemicals Ltd.
 12. Shri Ashok Chadda

- Smt. Asha Mitra
 C.A.F.I. Ltd.
 Maharajkumar Rajendra Singhji
- 16. Maharaja of Idar 17. Shri G.P. Sippy 18. Shri R.G. Sippy

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevabe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 653/71 Bom. and registered on 27-11-1979 with the Sub-registrar. Bombay.

> P. L. ROONGTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1980

Ref. No. AR-III/AP-349/80-81.—Whereas, I, P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 361, S. No. 11, H. No. 6, C.T.S. No. 78, 79 & 80 situated at Kurla Agra Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 14-11-1979 Document No. S-1157/78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedigns for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Tukaram V. Satam.
 - 2. Smt. Saraswati W/o V. Satam.
 - 3. Shri Vasudeo V. Satam.
 - Maya T. Satam.
 - Naya T. Satam.
 Sadanand T. V. Satam.
 Vijaykumar T. V. Satam.
 Vidya T. V. Satam.
 Rajesh T. V. Satam.

(Transferors)

- Shri Khan Akhalagali Khan Hayatalikhan.
 Mohamed Anwaralikhan Akhalagali Khan,
 - 3. Mrs. Hajra Begum W/o Akhalagali Khan.
 - (Transferces)

Names of tenants

- (3) 1, Smt. M. M. Kulkarni.
 - M. Kumar Nair.
 M. Kumar Nair.

 - Shambhoo Shetty. Shambhoo Shetty.

 - Latifa Bi Ismail, Afzal Khan Gafoor Khan. Hasan Khan Gafoor Khan.
 Autu Manilal Shah.

 - 10. Rajabali Megji Jilani.11. Smt. Vijaya Salian.12. Wellknown Stationery.
 - 13. Udham Singh.
 - 14. Shanker G. Rai.
 - 15. N. J. Khan.
 - 16. Jaya Shetty.
 - Md. Hussein Noormohamed.
 - 18. Darshan Singh Udham Singh.
 - 19. Tayab Bi Ainulla Khan.
 - 20. Abdul Karim Adam.

 - 21. Z. A. Khan.22. P. Shyam Rai Shetty.23. Permer Brothers.

 - 24. Serwer Hussain Khan,
 - 25. Khan Akhlaq Ali.
 - 26. Ram Keral Pandey 27. S. Rahmat Ali Daulat Ali.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1157/ 78 Bombay and registered on 14-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. L. ROONGTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 11-7-1980:

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 15th July 1980

Ref. No. AR-II/2907-35/Nov. 79.--Whereas, I A. H. TEJALE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. Q-A, S. No. 8 to 13 situated at Megathane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bandra on 28-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under exbsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shrichand Parmanand Hinduja and Naraindas Kanayalal Hinduja.

(Transferor)

(2) P & T Officials Co-op. Hsg. Sec. Ltd.

(Transferee)

Name of tenants

(3) 1. Smt. M. M. Kulkarni.

2. Shri D. A. Shringarpure.
3. Shri B. Sudaliyandi.

Smt. Aliyamma Yohannan.
 Smt. Vijaya Salian.

Shri C. B. Redkar. Shri M. V. Mistry. 6.

8.

Shri T. N. Kutty. Shri D. N. Balan.

Shri S. B. Sawant. 10.

Smt. B. Sakuntala.

Smt. A. V. Shenoi. Smt. S. R. Mone. 12.

13.

14. Smt. Savitri Amma.

15. Smt. C. Arumugam. 16. Smt. J. B. D'Souza.

Smt. M. A. Kripalani. 17.

18. Smt. Santamma P.R.

Smt. H. H. Shinde.

Smt. M. M. Vasavan.
 Shri S. M. Melmani.
 Smt. C. K. Radhammal.
 Smt. A. M. Pillai.
 Smt. P. A. Vaidya.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication o fthis notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 852/78 and registered on 28-11-1979 with Joint Sub-registrar IV, Bandra, Bombay.

> A. H. TEJALE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1981)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACSUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1511-A/Dehradun/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 17-12-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shanti Devi W/o Late Shri Jagdish Prasad Gupta, Subhash Chand Gupta, Smt. Sushma Rani, Sri Subodh Chand Gupta, Sri Sharad Chand Gupta, Sri Sudesh Chandra Gupta, Smt. Shiva Gupta and Sri Sarvesh Chandra Gupta all sons and daughter of Late Shri Jagdish Prasad Gupta through Smt. Shanti Devi r/o Ciment Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Shamlesh Goel w/o Sri Kanwarsen Goel r/o Khatauli, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property with three Shops bearing No. 5 measuring 147.64 Sq. Mtrs. situated at Ciment Road, Dehradun which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACSUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1415-A/Bhudhana/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 5-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Tungal s/o Ramhiya r/o Village Salempur, Majara and Post and Parg. Kandhla, Teh. Budhana, Dist. Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Liyakat and Jaheer s/o Ali Mohammad r/o Malakpur and Mir Hassan s/o Tungal r/o Kandhla, Post and Parg. of any one, Kandhla, Teh. Budhana, Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khata No. 275 and Khasara No. 282, measuring 6(III)2-11, situated at Vill. Kandhia, Post and Parg. Kandhia, Teh. Budhana, Dist. Muzaffarnagar.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACSUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1574-A/Kanpur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanpur on 19-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prithbi Nath Singh c/o Sri Shiv Sahai Singh, r/o Vill. & Post. Mirai, Distt. Fatehpur.

 (Transferor)
- (2) Shri Ayodhya Prasad and Abhimanu Yadav 5/0 Sri Ramadhin Yadav r/0 Boodhpur Machharia, Parg. & Distt. Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 1235 measuring 11 Bigha 12 Biswa and bearing No. 1236 measuring 2 Bigha 17 Biswa, situated at Boodhpur Machharia, Kanpur which was sold for Rs. 28,900/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUSITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1609-A/M. Nagar/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Cometent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 18-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of the property as aforesaid exceeds the apparent sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other senets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1917 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Poorn Singh s/o Gaban Singh r/o Gandhi Colony, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s Khurana Paper Mills through Sri Jagmohan Singh s/o Sardar Bag Singh r/o 81, Bhopa Road, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land Khasara No. 695/1 measuring 13 Bigha 18 Biswa, situated at Vill. Mukhiyali, Parg. & Distt. Muzaffarnagar which was sold for Rs. 83,679.75.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, KANPUR

Kanpur, the 19th July, 1980

Ref. No. 1476-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

24--206GI/80

(1) Shri Anil Kumar oel s/o Sri Ved Parkash Goel r/o Radhapuri Hapur, Teh : Hapur, Distt : Ghaziabad,

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Rani w/o Sri Nath Ram, Smt. Kailash Rani w/o Sri Krishna Dass, Smt. Sarswati Devi w/o Bantram and Smt. Devichhia w/o Sohan Lal r/o Nehru Road, Jaiti, Teh: & Distt. Faridkot (Punjab).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. 37, measuring 1286 Sq. Yds., situated at Salek Chand Awasik Colony near Gandhi Nagar, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1475-A/Ghaziabad/79-80.--Whereas I, B. C. CHATURVEDI. being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 22-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kastoori Devi w/o Lala Salek Chand Singhal r/o 13, Ramte Ram Road, Ghaziabad (U.P.). (Transferor)
- (2) Smt. Parkash Rani W/o Shri Nath Ram, Smt. Kailash Rani w/o Shri Srikrishna Dass, Smt. Saraswati Devi W/o Shri Bant Ram and Smt. Devi-Chha W/o Shri Sohanlal all residents of: Nehru Road Jectty Teh: and Dist: Faridkot (Punjab) C/o M/s Sachdev Steel Rolling Mills, Post No. 33, South of G.T. Road, Post Box No. 92, Ghazlabad. (U.P.).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the forvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot measuring 2368 Sq. Yds., situated at Salek Chand Colony, near Gandhi Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 1,42,080/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1611-A/M. Nagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule tannexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sardar Pragat Singh s/o Sardar Devidutta Singh r/o Smbhal Hera, Post: Khas, Teh: Jansath, Distt: Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla w/o Sri Saheb Singh r/o Barwala, Post: Khas, Parg: Baghra, Distt: Muzaffarnagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property bearing No. 464/2, Civil Lines, Muzaffarnagar (South), measuring 350 Sq. Yds., which was sold for Rs. 42,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th July 1980

Ref. No. 1440-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 3-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property a_S aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Chitranjan Sharma S/o Sri Chandra Bhan Sharma r/o 97 Right Ganj Garhi (Nai Basti) Kasba: Ghaziabad, Parg: Loni, Teh: & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Vidyawati w/o Sri Devidas Mittal r/o Kasba: Begamabad, Parg: Jalalabad, Teh: & Distt: Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two Plots measuring 303 Sq. Yds., situated at Vill: Begamabad Budhana under the limit of Nagar Palika Modi Nagar, Teh: & Distt: Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1488-A/Bulandshahar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bulandshahar on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trunly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the shid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Atar Abbas, Asgar Abbas, Ajhar Abbas s/o Nurul Hassan r/o Kasba: Aurangabad, Par: Baran, Distt: Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Smt. Kailash Wati w/o Sri Angad Singh, Ram Pal Singh, Devendra Pal Singh and Krishna Pal Singh s/o Angad Singh r/o Khwajpur, Par : Baran, Teh : & Distt : Bulandshahar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land in four Parts measuring 5(II)2, situated at Kasba: Aurangabad, Distt: Bulandshahar which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1600-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikandrabad on 26-12-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jileram 5/0 Shri Kharak Singh r/0 Hall Chuharpur-Khadar, Parg: Dankaur, Post: Kasna, Teh: Sikandrabad, Distt: Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh s/o Shri Gurbachan Singh r/o Govind Sadan Gadaipur, Post: Mahrauli, Distt: Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 231 measuring 20-0-0 Revenue for Rs. 125/-, situated at Vill: Chuharpur-Khadar, Distt: Bulandshahar which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1603-A/Sardhana/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardhana on 21-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Saiyad Iktadar Hussain s/o Said Alamdar Hussain r/o 430, Chhatta Mumtaj Ali Khair Nagar Bazar, Meerut.

(Transferor)

(2) S/Shri Irfan Ali, Jaman Ali, Ahesan Ali, Aman Ali and Ansar Ali all sons of Mausam Ali r/o Mail, Parg: Daurala, Teh: Sardhana, Distt: Mecrut. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

An Agriculture Land measuring 25III 3, situated at Mail, Parg: Daurala, Teh: Sardhana, Distt: Meerut which was sold for Rs. 1,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Kanpur

Date: 17-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th July 1980

Ref. No. 1605-A/Muzafarnagar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Muzaffarnagar on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Natthu Singh s/o Mangat Singh r/o Vill: Boorpur, Post: Khas, Tch: Baghpat, Distt: Meerut and present address of Sher Nagar, Parg: Teh: and Distt: Muzaffarnagar. (Transferor)

(2) S/Shri Virendra Singh, Subhash, Rajendra Singh and Bijendra Singh ss/o Latoo Singh r/o Vill: Kookta, Parg: Teh: and Distt: Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Khasara No. 814, situated at Vill: Sher nagar, Parg: and Distt: Muzaffarnagar which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 18-7-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1601-A/Sardhana/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Sikandrabad on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25--206 GI/80

 Shri Chaman Singh s/o Sri Kharak Singh r/o Hall Chuharpur Parg: Dankaur, Post: Kasna, Distt: Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Surjit Kaur D/o Amar Singh r/o Govind Sadan, Gadapur, Post: Mahrauli, Delhi-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing No. 231M, Revenue for Rs. 125/-, situated at Vill: Chuharpur-Khadar, Teh: Sikandrabad, Dist: Bulandshahr which was sold for Rs. 22,500/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 17-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th July 1980

Ref. No. 1606-A/Muzaffarnagar/79-80.—Whereas 1, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Ishwar Singh s/o Karmu r/o Bhabhisa, Post: Khas, Teh: Budhana and present address of Vill: Sher Nagar, Parg:, Teh: and Dist: Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) S/Shri Rajendra Singh, Bijendra Singh, Virendra Singh and Subhash all sons of Latoor Singh r/o Vill: Kookra, Parg: Teh: & Distt: Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land bearing Khasara No. 814 situated at Vill: Sher Nagar, Distt Muzasfarnagar which was sold for Rs. 35,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date 18-7-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1448-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 21-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri H. S. Sarna s/o Sri Balwant Singh r/o 161, Bruton street. Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) S/Shri D. S. Nim s/o Chaudhary Karam Singh, Rtd. Joint Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi, r/o Flat No. 181, Sector III, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Open Plot bearing No. B-6, measuring 586.66 Sq Mtrs. situated at Sector No. 12, Chandra Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs. 48,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 17-7-1980.

(1) S/Shri Hind State Pvt. Ltd., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 17th July 1980

Ref. No. 1599-A/Kanpur/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kanpur on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Shafi-Ujjama Kurasi r/o 88/333, Chaman Ganj, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 92/1, situated at Hirawan Purwa, Kanpur which was sold for Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Kanpur

Datse: 17-7-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th July 1980

Ref. No. 901/Acq/Jalaun 79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jahan on 28-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Raghuvendia Pratap Singh s/o Sri Surendia Pratap Singh r/o Dhanaura, Parg : and Distt : Jalaun.
- (2) S/Shri Shatrughna Singh, Dergyijar Singh and Govind Singh (Balig) S/o Darbari Singh and Hariballabh Singh (Nabalig) s/o Sri Darbari w/o Narayan Singh Advocates s/o Darbari Singh r/o Launa, Parg: and Distt: Jaluan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 13.93 Acre, situated at Mauja: Padwari, Parg.: and Distt.: Jalaun.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kangur

Date: 26-7-1980

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 5th August 1980

Ref. No. 728/Asg.R-III/80-81/Cal.---Whereas, J. I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10A to 10H, 10J to 10N, 10P to 10R, 10/1A to 10/1H 10/1J to 10/1N and 10/1P to 10/1R shuated at Govt. Place East, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Calcutta on 15-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rani Luxmi Debi and Prabhu Shum Shere Jung Bahadur Rana of Nepal, 10, Govt. Place East, Calcutta.

(Transferor)

(2) Institute of Indian Labour, 2, Jawaharlal Nehru Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the undivided 5/6th share of land admeasuring 2 bighas 1 cottah 10 chittacks together with a four storied building erected thereon at premises Nos. 10A to 10H, 10J to 10N, 10P to 10R, 10/1A to 10/1H, 10/1J to 10/1N and 10/1P to 10/1R, Govt. Place East, Calcutta and registered before the Registrar of Assurances, Calcutta, on 15-11-1979 vide Deed No. 5917 af 1979.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 5-8-1930